लोकतंत्र में सवाल उठाने जीतना.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तकनीक कभी भी कला की जगह... 11

वर्ष - 02, अंक - 130 | गाजियाबाद / बुधवार 12 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अब 'वंदे मातरम्' का अपमान होगा अपराध

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद कानून हुआ लागू

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का अपमान करना अब अपराध माना जाएगा। लोकसभा और राज्यसभा से 'वंदे मातरम् बिल' को मंजूरी मिलने के बाद आज मंगलवार, 11 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह कानून बन गया है।

इस कानून के लागू होने से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को जानबूझकर गाने से रोकना या उसमें बाधा डालना अपराध माना जाएगा। इस बिल से इसे वही कानूनी सुरक्षा मिलेगी जो अभी राष्ट्रीय गान को मिलती है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के साथ ही, राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) बिल, 2026 अब कानून बन गया है। यह कानून 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गान 'जन गण मन' के बराबर का दर्जा देता है।

राज्यसभा ने इस बिल को 29 जुलाई को मंजूरी दी थी। वहीं लोकसभा में यह बिल 30 जुलाई को पास हुआ था। अब राष्ट्रपति ने भी इस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जिससे अब यह विधेयक, कानून बन गया है।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग, इस सच को कोई नहीं बदल सकता

विदेश मंत्रालय ने चीन के दावों पर साफ किया अपना रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश और अरुणाचल प्रदेश से जुड़े दो अहम मुद्दों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारतीय दूत दिनेश त्रिवेदी ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री रहमान से मुलाकात की। भारत ने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र के लिए भी आमंत्रित किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत की ओर से बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को द्विपक्षीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा उन्हें दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स आउटरीच सत्र में शामिल होने का न्योता भी दिया गया है। जायसवाल ने कहा कि इस मामले से जुड़ी आगे की जानकारी समय-समय पर साझा की जाएगी।

सीमा शांति सबसे अहम

दिल्ली में मीडिया ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत-चीन सीमा संबंधी मामलों पर भारत का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि सीमा की स्थिति का असर दोनों देशों के व्यापक द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ता है।
चीन की ओर से अरुणाचल प्रदेश को लेकर आई प्रतिक्रिया पर पूछे गए सवाल के जवाब में रणधीर जायसवाल ने भारत की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

पुणे-सतारा हाईवे पर कार ट्रक से टकराई, चार युवकों की दर्दनाक मौत, दो गंभीर

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शिरवल के पास पुणे-सतारा हाईवे पर हुए एक भयानक सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि, यह भयानक हादसा तब हुआ जब ड्राइवर ने कार पर से अपना नियंत्रण खो दिया और वाहन हाइवे के डिवाइडर से टकराकर पलट गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि, पलटी हुई कार दूसरे लेन में चली गई और सामने से आ रहे ट्रक से सीधे टकरा गई। टक्कर में कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि, कार में बैठे चार लड़कों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ,दो अन्य घायल हो गए।

ध्रुव राठी का वीडियो भारत में बैन

गूगल ने हाईकोर्ट में कहा- इसमें राम, कृष्ण और सीता के अपमान वाली बातें थीं

नईदिल्ली (एजेंसी)। गूगल ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि उसने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ध्रुव राठी का एक वीडियो भारत में रोक दिया है। गूगल के मुताबिक, सरकार की शिकायत अपीलीय समिति (कैग) के निर्देश पर यह कदम उठाया गया। गूगल ने कहा कि वीडियो से धार्मिक भावनाएं आहत हुई थीं। इसमें भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण और सीता देवी का अपमान करने वाले बयान थे।

सीएम सुवेंदु के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, केशपुर जा रहे थे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के हेलिकॉप्टर की कोलाघाट में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद वे सड़क मार्ग से केशपुर के लिए रवाना हो गए। घटना की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

होटल में शख्स ने 2 बेटियों की गला दबाकर हत्या की

फिर सुसाइड की कोशिश की

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के एक 5-स्टार होटल में दो बच्चियों के शव बेड पर मिले, जबकि उनके पिता गंभीर हालत में टॉयलेट में मिले। पुलिस के मुताबिक, 40 साल के एसजी इमरान ने पहले अपनी 10 और 5 साल की बेटियों की गला घोंटकर हत्या की और फिर चाकू से अपना गला काटकर आत्महत्या की कोशिश की। होटल सिक्योरिटी ने उसे मणिपाल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर है।

अरुणाचल सीमा पर फायरिंग में असम के 12 लोग घायल

नईदिल्ली (एजेंसी)। असम के धीमाजी जिले में सोमवार सुबह अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास फायरिंग में 12 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, जमीन पर कब्जे के विवाद के बाद यह घटना हुई।

लाठीचार्ज के विरोध में

भाजपा का झारखंड बंद का रहा मिला-जुला असर

● स्कूल,दफ्तर खुले, कई जगह बाजार बंद ● विधानसभा घेराव के दौरान ABVP कार्यकर्ताओं-पुलिस में झड़प

रांची (एजेंसी)। झारखंड के रांची में सोमवार को हुए लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा ने मंगलवार को राज्यव्यापी बंद बुलाया। रांची में भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई जगह सड़कें जाम कीं। कुछ जिलों में कार्यकर्ता जबरन दुकानें बंद कराते भी नजर आए। कई शहरों में पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, कई प्राइवेट स्कूल खुले हुए थे।

इधर, झारखंड विधानसभा घेराव के दौरान एबीवीपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कार्यकर्ता पुरानी विधानसभा के पास जुटे थे, जहां उन्हें हिरासत में लेने के लिए पुलिस पहुंची। इसके बाद कुछ कार्यकर्ता सड़क पर लेट गए, जबकि कुछ पुलिस वैन के आगे बैठ गए। पुलिस लगातार उन्हें हटाने की कोशिश करती रही, इसी दौरान धक्का-मुक्की और झड़प हुई।

वहीं, मानसून सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विपक्ष पर युवाओं को भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।

लाठीचार्ज में 100 से अधिक छात्र घायल- छात्रों ने सोमवार को झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ प्रदर्शन किया था। विधानसभा घेराव के दौरान 100 से अधिक छात्र घायल हुए। कई छात्रों के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होने की बात कही जा रही है।

कॉकरोच पार्टी के दीपके बोले- हम झारखंड के छात्रों के साथ हैं

झारखंड में छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई पर कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने कहा, जब राजनीतिक पार्टियां विरोध-प्रदर्शन करती हैं, तो आंसू गैस और लाठीचार्ज का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जाता? सिर्फ़ छात्रों के खिलाफ़ ही ऐसा क्यों किया जा रहा है? मैंने देवेंद्र महतो से बात की, जिन्होंने मुझे बताया कि पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया, जबकि वे पिछले नौ दिनों से भूख हड़ताल पर थे। हमने देवेंद्र महतो को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया। झारखंड में हमारी टीम छात्रों के साथ मिलकर काम कर रही है।

हेमंत सरकार का बड़ा फैसला

14वीं जेपीएससी पीटी समेत 2023-25 की कई परीक्षाएं होंगी रद्द

झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के बीच हेमंत सोरेन सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने 14वीं जेपीएससी पीटी समेत कई परीक्षाएं रद्द करने और अन्य परीक्षाओं की जांच कराने का ऐलान किया है।

सीएम हेमंत बोले- विपक्ष युवाओं को भटका रहा है- झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष लगातार छात्र आंदोलन का मुद्दा उठा रहा है। वहीं मंगलवार को सदन की कार्यवाही के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा, 'विपक्ष युवाओं को भटका रहा है। विपक्ष हल्ला करता रहेगा, हम अपना काम करते जाएंगे। सरकार छात्रों के हित में फैसले ले रही है।'

वंदे मातरम् के जयघोष के साथ हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक

नईदिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन की लाइब्रेरी बिल्डिंग में एनडीए संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक शुरू हो गई। बैठक की शुरुआत 'वंदे मातरम्' के जयघोष के साथ हुई। पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन समेत एनडीए के अन्य नेता बैठक में शामिल हुए। वहीं बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की साप्ताहिक बैठक मंगल मिलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और एनडीए के अन्य नेता शामिल हुए। एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान एनडीए सांसदों को पीएम मोदी के साथ तिरंगा लहराते हुए देखा गया। मंगल मिलन बैठक के बाद एनडीए सांसदों ने संसद परिसर में मार्च निकाला।

पीएम मोदी की इंस्टाग्राम वीडियो में देशवासियों से अपील, हर घर तिरंगा अभियान में शामिल हों- पीएम मोदी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी किया। उन्होंने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में हिस्सा लेने की अपील की।

हिमाचल में अब तक 157 लोगों की मौत, 886 करोड़ का नुकसान

देश में मानसून का कहर

● मप्र-राजस्थान-उप्र समेत 6 राज्यों में 48 घंटे से लगातार बारिश ● हिमाचल में चलती कार पर पत्थर गिरे, 259 सड़कें बंद, चमोली में बादल फटा, ब्रिज, बीआरओ कर्मचारी और वाहन बहे

नई दिल्ली/ जयपुर/ देहरादून/ भोपाल/ लखनऊ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल और छत्तीसगढ़ में पिछले 48 घंटे से लगातार बारिश हो रही है। उप्र में भी लगातार बारिश जारी थी गंगा-यमुना उफान पर थी।

हिमाचल प्रदेश में मानसून की तबाही दिन-ब-दिन गहराती जा रही है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और बाढ़ ने राज्य में भारी तबाही मचाई है। 30 जून से 9 अगस्त तक की अवधि में राज्य भर में प्राकृतिक आपदाओं और हादसों में अब तक 157 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि राज्य को करीब 886 करोड़ रुपए का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। भोपाल में दो दिन से बारिश जारी है। यहां 24 घंटे में 7 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई। स्कूलों में दो दिन की छुट्टी कर दी गई। शहर में 1,000 से ज्यादा घरों के आसपास 5 फीट तक पानी भर गया।

राजस्थान के 6 जिलों में बारिश का ऑरेंज और 17 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य में पिछले 24 घंटे में हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में 12 इंच तक बारिश हुई।

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एनएच-305 पर चलती गाड़ी पर मलबा और चट्टानें गिर गईं। हादसे में गाड़ी सवार दो लोग घायल हो गए, जबकि गाड़ी मलबे के नीचे दब गई। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बीती रात से बारिश हो रही है। इसके चलते राज्य में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत 259 सड़कें, 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर और 54 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं।

संसद में गतिरोध कायम, हंगामे के चलते स्थगित

● संसद परिसर में एनडीए-कांग्रेस सांसद आमने-सामने आए ● भाजपा सांसद ने पूछा- राहुल झारखंड क्यों नहीं गए

नईदिल्ली (एजेंसी)। संसद परिसर में एनडीए और इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने मंगलवार को एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन किया। एनडीए सांसदों ने विपक्ष पर संसद में चर्चा से भागने का आरोप लगाया, जबकि विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान दोनों पक्ष आमने-सामने भी आ गए।

प्रियंका गांधी के संसद पहुंचने पर भाजपा सांसद राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाने लगे। भाजपा सांसद मुकेश दलाल ने पूछा कि राहुल झारखंड में छात्र प्रदर्शनकारियों से क्यों नहीं मिल रहे हैं। प्रियंका मुस्कुराती हुई उनके पास गईं और कहा- राहुल झारखंड गए हैं और छात्रों से मिल चुके हैं।

लोकसभा और राज्यसभा में भी हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही पहले 11 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर 2 बजे सदन दोबारा शुरू हुई थी, लेकिन करीब आधे घंटे बाद ही हंगामे के चलते कार्यवाही बुधवार तक स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में केरल-नाम परिवर्तन विधेयक, 2026 पारित

संसद के मानसून सत्र के 17वें दिन भी राम मंदिर चढ़ावा चोरी और छात्र प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर सरकार और विपक्षी दलों के बीच गतिरोध बना रहा। संसद में विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा में केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026 पारित हुआ।

हंगामे के बीच लोकसभा में दो बिल पास- हंगामे के बीच लोकसभा में दो बिल बिना चर्चा के पास हो गए। इनमें केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026 और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 शामिल है। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने केरल का नाम बदलने वाला बिल पेश किया। नारेबाजी के बीच इसे बिना बहस के ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके तुरंत बाद सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) बिल, 2026 पेश किया। लगातार हंगामे के बीच यह बिल भी बिना बहस के पारित हो गया। लोकसभा अब तक 11 बिल पारित कर चुकी है। इनमें केवल दो बिलों पर बहस हुई है, जबकि बाकी बिल विपक्ष के विरोध के बीच बिना चर्चा के पारित किए गए हैं।

वाराणसी घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की होटल में मौत

दाह संस्कार कर लौटे पत्नी-बेटे ने भी दी जान

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी में घूमने आए महाराष्ट्र के कारोबारी की मौत के बाद उसकी पत्नी और बेटे ने सुसाइड कर लिया। यह परिवार महाराष्ट्र से 7 अगस्त को बनारस पहुंचा था। यहां तीन दिनों तक उन्होंने गंगा स्नान किया और बाबा विश्वनाथ का दर्शन कर काशी का भ्रमण किया।

इस दौरान 9 अगस्त की देर रात होटल में अचानक से कारोबारी की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। दूसरे दिन परिजनों ने हरिश्चंद्र घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया। इसके बाद मां बेटे होटल लौट आए, जहां दोनों ने सुसाइड कर लिया। बता दें कि, मृतक कारोबारी का नाम विशाल मुखर्जी है जो कि, महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले का रहने वाला था। विशाल पुश्तैनी कारोबार संभालते थे। चार दिन की काशी यात्रा पर इनका पूरा परिवार वाराणसी आया था।

मदरसे के छात्र से कुकर्म का आरोप, इमाम के खिलाफ शिकायत

अमरोहा (एजेंसी)। मुरादाबाद के डिडौली क्षेत्र स्थित एक मदरसे में पढ़ने वाले 13 वर्षीय छात्र ने पास के गांव के एक इमाम पर बहला-फुसलाकर मस्जिद में ले जाकर कुकर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। छात्र के परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पाकबड़ा क्षेत्र का रहने वाला यह 13 वर्षीय छात्र पिछले एक साल से डिडौली क्षेत्र के एक मदरसे में हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा है। छात्र का आरोप है कि बुधवार दोपहर करीब 30 वर्षीय इमाम, जो पास की मस्जिद में इमामत करता है और मदरसे में भी पढ़ता है, उसे बहला-फुसलाकर मस्जिद में ले गया। आरोप है कि वहां इमाम ने छात्र के साथ कुकर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद छात्र डरा-सहमा मदरसे लौट आया। छुट्टी होने पर वह अपने घर पहुंचा और उसने अपने परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद परिजन पहले पाकबड़ा थाने पहुंचे, जहां उन्हें डिडौली थाना क्षेत्र का मामला बताकर वापस भेज दिया गया। फिर परिजन छात्र को लेकर डिडौली कोतवाली पहुंचे और आरोपित इमाम के विरुद्ध तहरीर दी। डिडौली के थाना प्रभारी ने बताया कि छात्र और उसके परिजनों से जानकारी लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली में रेल-मेट्रो यात्रियों को समय से पहले पहुंचने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद चाक-चौबंद कर दिया गया है। लाल किला समेत सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ ही रेलवे और मेट्रो स्टेशनों पर गहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस सख्त जांच के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए सामान्य से अधिक समय लेकर चलने की सलाह दी गई है। रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जहां यात्रियों व उनके सामान की गहन जांच हो रही है। उत्तर रेलवे ने सोशल मीडिया पर बताया है कि 13 से 16 अगस्त तक यह जांच और अधिक सख्त रहेगी। इस कारण प्लेटफॉर्म पर पहुँचने में अतिरिक्त समय लग सकता है। यात्रियों को सलाह है कि वे ट्रेन प्रस्थान से पर्याप्त समय पहले स्टेशन पहुँचें, ताकि जांच के बाद समय पर प्लेटफॉर्म पर पहुंच सकें। दिल्ली मेट्रो स्टेशनों पर भी सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने भी यात्रियों से अधिक समय लेकर मेट्रो स्टेशन पहुंचने का आग्रह किया है। पूरे रेलवे व मेट्रो परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती के साथ सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने सभी यात्रियों से सुरक्षा जांच में पूरा सहयोग करने की अपील की है।

संभल में जामा मस्जिद के पश्चिमी हिस्से से रात में कड़ी सुरक्षा में निकली कांवड़ यात्रा

संभल (एजेंसी)। संभल में सोमवार देर रात तक कांवड़ियों का जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकला। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों ने 24 नवंबर 2024 की हिंसा वाले घटनास्थल, जामा मस्जिद के पश्चिमी हिस्से से गुजरते हुए बम-बम भोले के जयघोष किए। संवेदनशील स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल की तैनाती में यात्रा को सुरक्षित पूरा करवाया गया। यात्रा के दौरान शहर के मुख्य चंदौसी चौराहे, कोतवाली के पास स्थित मुख्य बाजार और अन्य चौराहों पर भगवान शिव और मां गंगा की महाआरती की गई। बता दें सावन के दूसरे सोमवार को हरिद्वार से पदयात्रा कर 2000 से ज्यादा कांवड़िए संभल पहुंचे। भक्ति में लीन कांवड़ियों का जत्था कड़ी सुरक्षा के बीच विवादित धार्मिक स्थल से गुजरा। कांवड़ियों ने कोतवाली घंटाघर पर आरती की और शिवतेरस पर श्रीपातालेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया।

पुणे में 4 साल की बच्ची पर कुत्तों का बर्बर हमला, सिर में लगे 80 टांके

पुणे(एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के पिंपरी-चिंचवाड़ में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहाँ सात आवारा कुत्तों ने चार साल की एक मासूम बच्ची पर जानलेवा हमला किया। इस हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई और उसके सिर पर 80 से अधिक टाँके लगाने पड़े हैं।

यह घटना चिखली इलाके में हुई। बच्ची अपने घर से पास के पेड़ से पत्तियां तोड़ने के लिए निकली थी, तभी कुत्तों के झुंड ने बच्ची को घेर लिया और बर्बरता से हमला किया। बच्ची के पिता गिरधर मिश्रा ने बताया कि कुत्तों ने लगभग 43 सेकंड तक बच्ची को काटा, जिससे उसके हाथों और जांघों पर भी गंभीर चोटें आईं। बच्ची की चीख सुनकर लोग बचाने दौड़े और कुत्तों को भगाया, जिससे उसकी जान बच सकी। इस भयावह हमले का सीसीटीवी फुटेज मंगलवार को सामने आया। फुटेज में दिख रहा है कि कुत्तों का झुंड बच्ची को चारों तरफ से घेरकर कैसे उस पर टूट पड़ा, बच्ची को जमीन पर गिरा दिया और फिर कई कुत्तों ने एक साथ काटा। स्थानीय लोगों की बहादुरी से ही बच्ची सुरक्षित बच पाई। बच्ची के पिता ने इलाके में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या पर चिंता जताकर प्रशासन से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। यह महाराष्ट्र में आवारा कुत्तों के आतंक का एकमात्र मामला नहीं है। हाल ही में कल्याण में भी एक आवारा कुत्ते ने करीब सात घंटे में 130 लोगों को काटकर दहशत फैला दी। इस हमले में कुत्ते ने सड़क पर चल रहे लोगों, बाइक सवारों और ऑटो यात्रियों को निशाना बनाया। इस घटना में 25 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जबकि 11 साल की एक बच्ची को गंभीर हालत में मुंबई के सायन अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों ने नगर निगम पर समय पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया है, और अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि हमलावर कुत्ते को पकड़ा गया है या नहीं।

लोकतंत्र में सवाल उठाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी जवाब सुनना भी है

-अमित शाह के सदन में जवाब देने को लेकर सीएम योगी का राहुल गांधी पर हमला

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद में छात्रों से जुड़े मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव अब सीधे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में बदलता नजर आ रहा है। गृह मंत्री अमित शाह के सदन में जवाब देने की तैयारी के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। योगी का कहना है कि लोकतंत्र में सवाल उठाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी जवाब सुनना भी है। इसी तर्क के सहारे उन्होंने विपक्ष से हंगामा छोड़कर बहस में शामिल होने की अपील की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संसद के मानसून सत्र में छात्रों से जुड़े मुद्दे ने एक बार फिर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच राजनीतिक टकराव को तेज कर दिया है। सदन में लगातार हंगामे के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान देने की तैयारी का दावा सामने आया है। इसी घटनाक्रम को लेकर यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि सवाल उठाने के बाद जवाब सुनने का साहस भी होना चाहिए।

सीएम योगी ने एक्स पर विपक्ष के रवैये पर सवाल उठाया। उनका तर्क था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार से जवाब मांगना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन सरकार का पक्ष सुनना भी संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कांग्रेस और विपक्ष से सदन की मर्यादा बनाए रखने और तथ्यों के साथ चर्चा करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि बहस से लोकतंत्र मजबूत होता है और राजनीतिक प्रतिष्ठा भी बढ़ती है। अगर गृह मंत्री शाह किसी मुद्दे पर सदन में विस्तार से अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं तो विपक्ष को चर्चा का अवसर गंवाने के बजाय उसमें भाग लेना चाहिए।

बीजेपी नेताओं का कहना है कि विपक्ष लगातार जवाब मांग रहा है, जबकि सरकार की ओर से जवाब देने की तैयारी जताई जा चुकी है। ऐसे में बहस को आगे बढ़ाने के बजाय सदन में व्यवधान पैदा करना सवाल खड़े करता है। दूसरी तरफ राहुल गांधी ने मामले को केवल सदन में बयान तक सीमित रखने के बजाय कई सवालों के साथ सरकार को घेरने की कोशिश की है। उन्होंने जंतर-मंतर पर छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है। राहुल गांधी की ओर से पीएम मोदी से माफी की मांग भी रखी गई है। इसके साथ ही राम मंदिर चंदा चोरी और अनियमितता के आरोपों पर संसद में चर्चा कराने की मांग को भी उन्होंने सामने रखा है। इससे साफ है कि विपक्ष इस मुद्दे को व्यापक राजनीतिक और जवाबदेही के सवाल से जोड़कर देख रहा है। वहीं बीजेपी इसे सरकार को घेरने के लिए विपक्ष की राजनीतिक रणनीति बता रही है।

मांगें नहीं मानी तो 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन, एसकेएम ने दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती है तो 26 नवंबर से देशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह चेतावनी केंद्र सरकार की किसान-विरोधी और मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ केंद्रीय मजदूर संघों के साथ मिलकर देशभर में आयोजित जेल भरो आंदोलन के दौरान दी गई। एसकेएम ने दावा किया कि इस आंदोलन में किसानों, कृषि और औद्योगिक मजदूरों, आंगनवाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं, छात्रों, युवाओं और महिलाओं की व्यापक भागीदारी देखी गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों ने बेरिकेड तोड़े, सुरक्षाकर्मियों का सामना किया और गिरफ्तार होने से पहले सरकारी कार्यालयों के बाहर धरना दिया। माकपा के महासचिव एम ए बेबी ने इस आंदोलन को ऐतिहासिक सफलता बताते हुए कहा कि इस संयुक्त कार्रवाई ने मोदी सरकार की मजदूर-विरोधी और किसान-विरोधी नीतियों के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है। यह विरोध प्रदर्शन भारत छोड़ो आंदोलन की 84वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित किया गया था।

कांवड़ यात्रा सकुशल संपन्न, डीएम और एसएसपी ने दक्षेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक

हरिद्वार (शिखर समाचार) जनपद में कांवड़ यात्रा-2026 के सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न होने पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने हरकीपौड़ी पहुंचकर मां गंगा की पूजा अर्चना की। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने हरकीपौड़ी से पवित्र गंगाजल लेकर दक्षेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भगवान दक्षेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर उन्होंने कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी शिवभक्तों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों कर्मचारियों, पुलिस एवं अर्द्धसैनिक बलों, स्वयंसेवी संस्थाओं, धार्मिक संगठनों, साधु संतों, व्यापारियों, पर्यावरण मित्रों, मीडिया और स्थानीय जनता का आभार व्यक्त किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में प्रशासन और पुलिस ने बेहतर समन्वय के साथ कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाएं संभालीं। इस वर्ष करीब 4 करोड़ 50 लाख से अधिक कांवड़िए पवित्र गंगाजल लेकर सकुशल अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। उन्होंने यातायात, कानून व्यवस्था, मार्ग परिवर्तन, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस की भूमिका की सराहना की। जल पुलिस ने भी गंगा घाटों और नदी क्षेत्र में लगातार निगरानी रखकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विभिन्न चिकित्सा शिविरों और अन्य स्थानों पर दो लाख से अधिक शिवभक्तों का निःशुल्क उपचार किया। सफाई कर्मियों और पर्यावरण मित्रों ने भी दिन रात कार्य करते हुए कांवड़ मार्ग, घाटों, पार्किंग स्थलों और प्रमुख स्थानों पर स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखी। उन्होंने स्वयंसेवी, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं तथा व्यापारियों और स्थानीय जनता के सहयोग को भी सराहा।

कांवड़ मेला सकुशल संपन्न होने पर गंगा सभा अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री नितिन गौतम सहित अन्य पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। दक्षेश्वर महादेव मंदिर में श्री पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी के सचिव महंत रविन्द्र पुरी ने भी दोनों अधिकारियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भगवानपुर में निकली तिरंगा रैली, ग्रामीणों और विद्यार्थियों ने दिया राष्ट्रप्रेम का संदेश

हरिद्वार (शिखर समाचार) शासन के निदेर्शों एवं जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद में 9 से 17 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को विकास खंड भगवानपुर में तिरंगा रैली निकाली गई। विकास खंड कार्यालय भगवानपुर से शुरू हुई रैली में बड़ी संख्या में ग्रामीणों तथा छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर रैली में शामिल प्रतिभागियों ने देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा हर घर तिरंगा अभियान में बढ़ चढ़कर भागीदारी करने के लिए जागरूक किया गया। खंड विकास अधिकारी भगवानपुर ने बताया कि शासन के निदेर्शों के क्रम में अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। तिरंगा रैली का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में राष्ट्रध्वज के प्रति

सम्मान की भावना को मजबूत करने के साथ ही अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ना है। रैली में शामिल ग्रामीणों और छात्र छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। इस दौरान लोगों से अपील की गई कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उपस्थित लोगों ने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाने का संकल्प लिया।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को कोयला मामले में क्लीन चिट का सोनिया गांधी ने किया स्वागत

-कहा- उनकी ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के कामकाज से बिल्कुल अलग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को हाल में कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में सुप्रीम कोर्ट से क्लीन चिट मिलने का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी ईमानदारी और जवाबदेही का रिकॉर्ड मोदी सरकार के कामकाज के तरीके के बिल्कुल अलग है। सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि इतिहास मनमोहन सिंह को ''एक मृदु, सौम्य लेकिन सबसे अहम प्रधानमंत्रियों में से एक'' के रूप में याद करेगा। उन्होंने एक लेख में कहा कि 29 जुलाई 2026 का दिन भारतीय राजनीतिक इतिहास में अहम लेकिन ''अनदेखा'' दिन था, जब सुप्रीम कोर्ट ने कथित कोयला घोटाला मामले में मनमोहन सिंह को सीबीआई की 'क्लोजर रिपोर्ट' के आधार पर दी गई क्लीन चिट को बरकरार रखा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सोनिया गांधी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ अदालत द्वारा सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट खारिज करने और तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह के खिलाफ ''बिना किसी ठोस कारण'' प्रतिकूल टिप्पणियां करने को भी गलत ठहराया। सोनिया गांधी मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते समय सत्तारूढ़ संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की प्रमुख थीं। उन्होंने कहा कि यह हमारे सार्वजनिक विमर्श के सबसे दुखद अध्यायों में से एक डॉ. मनमोहन सिंह के खिलाफ चलाए गए अभियान का अंत है। वह असाधारण शुचिता और ईमानदारी वाले व्यक्ति थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के खिलाफ अभियान ''सुनियोजित और समन्वित'' था और इसमें नौकरशाही, मीडिया, न्यायपालिका, नागरिक संगठन और ''निश्चित तौर पर आरएसएस और बीजेपी'' से जुड़े लोग शामिल थे। सोनिया ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह खुद इन दिनों देश के छात्रों को उन पर हमला करने के लिए ''माफ'' कर रहे हैं, इसलिए शायद वह मनमोहन सिंह को ''अमर्यादित तरीके से बदनाम करने'' के लिए खुद को भी माफ कर सकते हैं। सोनिया गांधी ने मोदी द्वारा राज्यसभा में 8 फरवरी, 2017 को मनमोहन सिंह पर की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि ''रेनकोट पहनकर नहाने की कला'' वाली पीएम मोदी की टिप्पणी ''हमारे संसदीय इतिहास के सबसे निम्न स्तरों में से एक'' के रूप में याद की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का ''घोर दुरुपयोग'' कर रही है और उनका इस्तेमाल राजनीतिक नेताओं पर दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि 2008 के वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान भी भारत ने अपनी मजबूती दिखाई। उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार के 10 सालों में भारत की आर्थिक वृद्धि पिछले 12 सालों की तुलना में ज्यादा रही और इससे लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकलने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि मनमोहन सरकार की उपलब्धियों में शिक्षा का अधिकार, केंद्रीय वित्त पोषित उच्च शिक्षण संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 प्रमुख हैं।

उन्होंने कहा कि हमें निश्चित रूप से इस बात का अफसोस है कि वह इस दिन को देखने और अपने ज्ञान से देश का मार्गदर्शन करने के लिए हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन यह हमारे लिए संतोष की बात है कि जनवरी, 2014 में की गई उनकी भविष्यवाणी हर गुजरते दिन के साथ सच साबित होती जा रही है। मनमोहन सिंह का 27 दिसंबर, 2024 को निधन हो गया था। कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़े इस चर्चित आपराधिक मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उन्हें तलब करने का आदेश निरस्त किए जाने के बाद मामला उनके खिलाफ औपचारिक रूप से समाप्त हो गया है।

कांवड़ मेला ड्यूटी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी और स्वयंसेवक सम्मानित, तीन दिन के पारितोषिक अवकाश की घोषणा

हरिद्वार (शिखर समाचार) श्रावण कांवड़ मेला-2026 के सकुशल एवं सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद मंगलवार को प्रेमनगर आश्रम स्थित सभागार में मेले में तैनात पुलिस बल के उत्साहवर्धन के लिए सम्मान समारोह एवं सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन सहित पुलिस एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने मेले में तैनात समस्त पुलिस बल के कार्य की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक भोज का आनंद लिया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने मुख्य अतिथि अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था डॉ. वी. मुरुगेशन, पुलिस महानिरीक्षक विशेष कार्यबल निलेश आनंद भरणे, पुलिस महानिरीक्षक कुंभ योगेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक परिक्षेत्र राजीव स्वरूप, पुलिस उपमहानिरीक्षक कानून व्यवस्था धीरेंद्र गुंज्याल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारियों का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह ने कांवड़ मेले

से संबंधित रिपोर्ट प्रस्तुत कर की। रिपोर्ट के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने तालियों से पुलिस बल के उत्कृष्ट कार्य का उत्साहवर्धन किया। पुलिस मुख्यालय एवं परिक्षेत्र स्तर से पहुंचे अधिकारियों ने जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने पहली बार कांवड़ मेले में ड्यूटी कर रहे प्रशिक्षु आरक्षियों द्वारा मैदान में किए गए कार्य की विशेष सराहना की। साथ ही पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने वाले यातायात स्वयंसेवकों और विशेष पुलिस अधिकारियों के योगदान की भी प्रशंसा की। इसके बाद अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था ने हरिद्वार सहित अन्य जनपदों से आए तथा कांवड़ मेले के दौरान सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, यातायात स्वयंसेवकों और विशेष पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया। उन्होंने समस्त पुलिस बल को बधाई देते हुए तीन दिन के पारितोषिक अवकाश की घोषणा की। कार्यक्रम में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी, अर्द्धसैनिक बलों के अधिकारी और जवान, शहर के गणमान्य नागरिक तथा मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दिल्ली में नशीले पदार्थों का कारोबार महिलाओं ने संभाला, करोड़ों की बनाई संपत्ति

-शिकंजा कसने एंटी-नारकोटिक्स टीमों में ज्यादा महिला पुलिसकर्मी होंगी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में नशीले पदार्थों के कारोबार में महिलाएं जहां पहले ज्यादातर सहायक या डिलीवरी की सीमित भूमिका में होती थीं, वहीं अब कई महिलाएं मुख्य सरगना के रूप में सक्रिय हैं। ड्रग्स स्मगलिंग से जुड़कर कई महिला अपराधियों ने छोटे स्तर से करोड़ों की संपत्ति तक जुटा ली है। ऐसे में एंटी-नारकोटिक्स टीमों में ज्यादा महिला पुलिसकर्मियों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट में जांच एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक कुसुम, पारो, उषा, कांता और तस्लीमा पुट्टी जैसी महिलाओं ने इस नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभाई है। जांच में पाया गया है कि इन्होंने अवैध धंधे में लिप्त होकर करोड़ों रुपए की संपत्ति जुटाई है। इनमें फ्लैट, मकान और अन्य संपत्तियां शामिल हैं। कई मामलों में इन महिलाओं ने अपने पति, पिता, भाई या बेटों के एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार होने के बाद कारोबार संभाला। उन्होंने पहले से मौजूद सप्लाई और ग्राहक नेटवर्क की जानकारी हासिल कर काम आगे बढ़ाया। कुछ महिलाएं छोटी टीम बनाकर अलग-अलग जिम्मेदारियां बांटती थीं।

इस साल 22 जून को पारो (28), उषा (25) और कांता (35) को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के मुताबिक इन बहनों ने करीब दो करोड़ रुपए की संपत्ति जमा की थी, जिसमें कई फ्लैट शामिल हैं। बचपन नशे के माहौल में बीतने और दिहाड़ी मजदूरी से शुरू करके वे इस कारोबार में शामिल हुईं। वहीं, तस्लीमा पुट्टी के पास कथित तौर पर दो करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति बताई गई है, जबकि कुसुम ने चार करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जुटाई। कुसुम सुल्तानपुरी में बहुमंजिला इमारत से काम चलाती थी और उसके खिलाफ एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह कमाई को परिवार के खातों में छोटे-छोटे लेनदेन के जरिए ट्रांसफर करती थी।

ड्रग्स स्मगलिंग से हुई कमाई अक्सर बैंक खातों में नहीं रखी जाती। इसके बजाय सोना या अनौपचारिक तरीके से रियल एस्टेट में निवेश किया जाता है। स्लम इलाकों में जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए संपत्ति खरीदने के उदाहरण भी सामने आए हैं। भलस्वा डेयरी से मजनूं का टीला तक फैले नेटवर्क में निगरानी और सूचना तंत्र का इस्तेमाल होने की बात सामने आई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस बदलते स्वरूप से निपटने के लिए एंटी-नारकोटिक्स टीमों में ज्यादा महिला पुलिसकर्मियों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है।

हर-हर महादेव के जयघोष के बीच नगर निगम के कांवड़ शिविर का हुआ समापन, महापौर और नगर आयुक्त ने शिवभक्तों को बांटा प्रसाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा और सुविधा के लिए आयोजित कांवड़ शिविर का भव्य समापन मंगलवार को विधि विधान के साथ कर दिया गया है। समापन अवसर पर महापौर सुनीता दयाल एवं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शिवभक्तों को प्रसाद वितरित कर उनकी सेवा की। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी और पार्षदगण मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्रद्धा, सेवा और स्वच्छता का विशेष संदेश देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा विधिवत शिवपूजन से हुई। उन्होंने भगवान शंकर-महादेव को भोग अर्पित किया और इसके बाद शिवभक्तों को प्रसाद वितरित किया। शिविर के समापन अवसर पर मौजूद श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारों के साथ कांवड़ यात्रा के सफल एवं सुरक्षित आयोजन के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। नगर निगम द्वारा इस बार कांवड़ शिविर को प्लास्टिक मुक्त रखने पर विशेष जोर दिया गया। शिवभक्तों को भोजन एवं प्रसाद वितरण के दौरान प्रतिबंधित प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया गया। नगर निगम अधिकारियों

के अनुसार, निगम के शिविर के साथ-साथ शहर में आयोजित अन्य कांवड़ शिविरों में भी प्लास्टिक के उपयोग से बचने की पहल सराहनीय रही। इससे कांवड़ यात्रा के धार्मिक स्वरूप के साथ-साथ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी आमजन तक पहुंचा। नगर निगम लगातार शहरवासियों को प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरूक कर रहा है। कांवड़ यात्रा के दौरान भी निगम की ओर से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक बहिष्कार को लेकर श्रद्धालुओं तथा आम नागरिकों को जागरूक किया गया। अधिकारियों का कहना है कि शहरवासियों की सहभागिता से ही प्लास्टिक मुक्त और स्वच्छ गाजियाबाद के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

समापन अवसर पर महापौर सुनीता दयाल ने सभी शिवभक्तों, निगम अधिकारियों, पार्षदों और सफाई मित्रों को कांवड़ यात्रा के सफल आयोजन एवं समापन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग को व्यवस्थित, स्वच्छ और सुविधाजनक बनाए रखने में नगर निगम की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सफाई मित्रों से लेकर अधिकारियों तक सभी ने पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। महापौर और नगर आयुक्त ने उपस्थित पार्षदों एवं निगम अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हजारों-लाखों शिवभक्तों की सुविधा के लिए दिन-रात काम करने वाले नगर निगम के कर्मचारियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। सफाई व्यवस्था, मार्गों की निगरानी, शिविरों की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर निगम की टीम लगातार सक्रिय रही।

हापुड़ का अतरपुरा चौपला बना था जलियांवाला बाग, अंग्रेजों की गोली से शहीद हुए चार देशभक्त

हापुड़ (शिखर समाचार)। भारत छोड़ो आंदोलन के समर्थन में 11 अगस्त 1942 को हापुड़ में निकाला गया विशाल जुलूस अतरपुरा चौपला पहुंचते ही अंग्रेजी हुकूमत की बर्बरता का शिकार हो गया था। नगर के विभिन्न क्षेत्रों से होता हुआ जुलूस अतरपुरा चौराहे पर एकत्र हुआ था। इसका उद्देश्य नगर पालिका भवन पर तिरंगा फहराना था। जुलूस का नेतृत्व हापुड़ के कई स्वतंत्रता सेनानी संयुक्त रूप से कर रहे थे। अतरपुरा चौराहे पर पहुंचते ही पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को चारों ओर से घेर लिया। जब जुलूस का नेतृत्व कर रहे लोगों ने नगर पालिका भवन पर तिरंगा फहराने का प्रयास किया तो अंग्रेज पुलिस ने गोलीबारी शुरू कर दी। गोलीबारी में हापुड़ के चार देशभक्त गिरधारी लाल, रामस्वरूप, आंगन लाल और मांगे लाल शहीद हो गए। इस घटना ने अतरपुरा चौपला को हापुड़ के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अमर कर दिया। शहीदों की स्मृति में वर्ष

1942 से प्रत्येक वर्ष 11 अगस्त को 1942 शहीद स्मारक समिति के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। समिति अध्यक्ष सुरेश चंद्र संपादक ने कहा कि देशवासियों को अपने शहीदों और क्रांतिकारियों का ऋणी रहना चाहिए, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। समिति महासचिव एवं पत्रकार आशुतोष आजाद ने कहा कि जो कौम अपने शहीदों को भुला देती है, वह अपने इतिहास और भविष्य दोनों से दूर हो जाती है। देश को आगे बढ़ाने और शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए सभी को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में नरेंद्र कुमार मित्तल, आरडी शर्मा, मोहनलाल तेजियान, उमेश कुमार शर्मा, राजकुमार पंजाबी, ललित कुमार अग्रवाल, राजीव गुडलक, नवनीत आजाद, इरा शर्मा, चंद्रकांत, प्रवीण शर्मा, नरेश चंद्र शर्मा, प्रवीण कुमार शर्मा, सुधीर कुमार गुप्ता, सतीश अग्रवाल, दीपक, अखिल, अमित कुमार अग्रवाल सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

लग्जरी गाड़ी से हरियाणा मार्का शराब की तस्करी करने वाले 2 अभियुक्तों को टीला मोड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना टीला मोड़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हरियाणा मार्का अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1000 पव्वे देशी शराब, 250 पव्वे अंग्रेजी शराब यानी कुल 25 पेटी अवैध शराब तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार बरामद की। यह दोनों शराब को हरियाणा से लाकर दिल्ली के रास्ते निर्धारित स्थान तक पहुंचाने का काम करते थे। थाना टीला मोड़ पुलिस टीम लोनी-भोपुरा रोड पर डी-मार्ट के सामने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने दो संदिग्धों को रोककर उनकी तलाशी ली और वाहन की जांच की। वाहन की डिग्गी से बड़ी मात्रा में हरियाणा मार्का शराब बरामद होने पर दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि सौरभ नाम का व्यक्ति सोनीपत से चार पहिया

वाहनों में हरियाणा मार्का शराब लोड करवाकर दिल्ली के अशोक नगर में वाहन खड़ा करवाता था। इसके बाद उन्हें वाहन को बताए गए निर्धारित स्थान तक पहुंचाने के लिए कहा जाता था। उन्हें वाहन में रखी शराब की जानकारी होती थी और इसके एवज में उन्हें प्रत्येक वाहन के लिए पांच हजार रुपये दिए जाते थे। दोनों इस रकम को आपस में बांट लेते थे। अभियुक्तों की पहचान सुनील पुत्र मुलकराज और शोएब पुत्र यासीन के रूप में हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सुनील के खिलाफ दिल्ली में आबकारी अधिनियम के दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं, जबकि शोएब के खिलाफ भी संबंधित मामले में एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस दोनों के अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है। साथ ही पूछताछ के आधार पर अवैध शराब की तस्करी में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। थाना टीला मोड़ पुलिस ने बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद शराब की खेप कहां पहुंचाई जानी थी और इस पूरे नेटवर्क में सौरभ समेत अन्य कौन-कौन लोग शामिल है।

हर-हर महादेव के उद्घोष से गूंज उठा श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर, पुलिस की मौजूदगी में लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन के पावन अवसर पर मंगलवार को गाजियाबाद का ऐतिहासिक श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। भोर होते ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में शिवभक्तों की लंबी कतारें लग गईं। दूर-दराज से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीदूधेश्वरनाथ का जलाभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि और देश-दुनिया की खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं के उत्साह और आस्था के बीच पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुबह से ही मंदिर की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों पर शिवभक्तों का सैलाब उमड़ता रहा। हाथों में गंगाजल, कंधों पर कांवड़ और जुबां पर भोलेनाथ का नाम लिए श्रद्धालु लगातार मंदिर की ओर बढ़ते रहे। मंदिर परिसर में पहुंचते ही श्रद्धालुओं ने भगवान दूधेश्वरनाथ के दर्शन किए और विधि-विधान से जलाभिषेक किया। इस दौरान पूरा वातावरण हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर से लेकर प्रवेश और निकास मार्गों तक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए बैरिकेडिंग और

रूट डायवर्जन की व्यवस्था भी प्रभावी रही। पुलिस अधिकारी लगातार मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे।

मंदिर परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों और कंट्रोल रूम के माध्यम से भीड़ की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी गई। संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई के लिए पुलिस टीमों को अलर्ट रखा गया। महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई। पुलिस की सक्रियता के चलते श्रद्धालुओं को दर्शन और जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा गया। वहीं कांवड़ मार्गों पर भी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें लगातार भ्रमण करती रहीं। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं से अनुशासन

बनाए रखने और निर्धारित मार्गों का प्रयोग करने की अपील की। मंदिर के आसपास लगाए गए शिविरों में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, प्रसाद, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों और सेवा समितियों ने भी शिवभक्तों की सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं को प्रसाद और पानी वितरित किया गया। श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ी आस्था की इस विशाल भीड़ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सावन में गाजियाबाद का यह प्राचीन शिवधाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। पुलिस-प्रशासन की मुस्तैदी, स्वयंसेवकों की सेवा भावना और श्रद्धालुओं के अनुशासन के बीच पूरा आयोजन भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। देर शाम तक मंदिर परिसर में शिवभक्तों की आवाजाही बनी रही और चारों तरफ हर-हर महादेव के जयकारा सुनाई देता रहा।

दिल्ली रोड बनेगा स्मार्ट गेटवे कॉरिडोर, एचपीडीए दो किलोमीटर में विकसित करेगा आधुनिक सुविधाएं

हापुड़ (शिखर समाचार)। शहर में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्ग दिल्ली रोड को आधुनिक, आकर्षक और व्यवस्थित स्वरूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण ने निजामपुर बाईपास स्थित जीरो प्वाइंट से प्रीत विहार क्रॉसिंग तक करीब दो किलोमीटर लंबे मार्ग को स्मार्ट गेटवे कॉरिडोर के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। इसके लिए प्राधिकरण ने वास्तु एवं शहरी डिजाइन परामर्श फर्म के चयन के लिए निविदा जारी कर दी है। चयनित फर्म द्वारा इस पूरे मार्ग की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और डिजाइन तैयार की जाएगी। योजना के तहत दिल्ली रोड को हापुड़ के आकर्षक प्रवेश द्वार के रूप में विकसित किया जाएगा।

मार्ग पर बेहतर सड़क व्यवस्था के साथ सुंदर प्रवेश द्वार, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, व्यवस्थित यातायात प्रबंधन, हरित पट्टी, पैदल पथ और पार्किंग की सुविधा विकसित की जाएगी। इसके अलावा निगरानी कैमरे, दिशा सूचक एवं सूचना पट्ट, रंगीन फव्वारे और अन्य सौंदर्यीकरण कार्य भी कराए जाएंगे। इससे शहर में प्रवेश करने वाले लोगों को बेहतर यातायात व्यवस्था और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के साथ हापुड़ की पहचान को भी नया स्वरूप देने का प्रयास किया जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार प्रस्तावित गलियारे के विकास में सड़क की उपयोगिता, यातायात दबाव और शहर की जरूरतों को ध्यान में रखा जाएगा। प्रवेश मार्ग को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के साथ हरियाली और सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इससे दिल्ली रोड शहर के महत्वपूर्ण प्रवेश मार्ग के साथ आकर्षक पहचान स्थल के रूप में विकसित हो सकेगा। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के सचिव अमित कादियान ने बताया कि शहर के प्रवेश द्वार को सुंदर, आकर्षक और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के उद्देश्य से यह योजना तैयार की गई है। नए विकास कार्य को शुरू करने के लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। परामर्श फर्म के चयन के बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और डिजाइन तैयार कराया जाएगा, जिसके आधार पर आगे के विकास कार्य किए जाएंगे।

सावन शिवरात्रि पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, बारिश के बीच भी डटे रहे श्रद्धालु

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन की शिवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार को गाजियाबाद स्थित प्रसिद्ध दूधेश्वरनाथ मंदिर में भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देर रात से ही मंदिर में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की कतार लगनी शुरू हो गई थी, जो धीरे-धीरे बढ़कर कई किलोमीटर लंबी हो गई। बारिश के बीच भी श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह कम नहीं हुआ। छाता लेकर और बरसात में भीगते हुए श्रद्धालु अपनी बारी का इंतजार करते हुए कतार में डटे रहे। सावन शिवरात्रि पर कांवड़ियों के साथ बड़ी संख्या में आम श्रद्धालु भी भगवान दूधेश्वरनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचे। हर हर महादेव, बम बम भोले और जय भोलेनाथ के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। चारों ओर शिवभक्ति का माहौल दिखाई दिया। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों ने भगवान शिव का अभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जलाभिषेक

के बाद कांवड़िये अपने गंतव्य की ओर रवाना होते रहे। श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के साथ मंदिर मार्ग पर कतार लगातार लंबी होती गई। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं ने धैर्य बनाए रखा और शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार किया। अनेक श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ से परिवार की सुख समृद्धि, स्वास्थ्य और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करते नजर आए। जयकारों से वातावरण पूरी तरह शिवमय बना रहा। मंदिर के महंत नारायण गिरि के मार्गदर्शन में मंदिर प्रबंधन तथा जिला प्रशासन की ओर से व्यापक व्यवस्थाएं की गई थीं।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और आवागमन को व्यवस्थित रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था के कारण श्रद्धालुओं को जलाभिषेक में अपेक्षाकृत सुविधा मिली और पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। सावन शिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने और बारिश के बावजूद व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन, पुलिस तथा मंदिर प्रबंधन की भूमिका महत्वपूर्ण रही। पर्व सकुशल संपन्न होने के बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

हर हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय, 15 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्रावण शिवरात्रि के अवसर पर बुधवार को नगर और क्षेत्र के शिवालय हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से गूंज उठे। गौमुख और हरिद्वार से गंगाजल लेकर पहुंचे कांवड़ियों के साथ स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी विधि विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सुबह से ही प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। बारिश के बावजूद शिवभक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। ग्राम सुराना स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री घुमेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मंदिर समिति के संरक्षक सुशील गोयल के अनुसार इस वर्ष करीब 15 हजार श्रद्धालुओं ने भगवान घुमेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर में लगातार शिवभक्तों के जयकारे गूंजते रहे। तीन दिवसीय मेले में विभिन्न प्रकार की दुकानें और झूले आकर्षण का केंद्र रहे। मंदिर समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे और प्रसाद की व्यवस्था की गई। मंदिर परिसर में ग्राम प्रधान जंगली फौजी के नेतृत्व में पारंपरिक दंगल भी आयोजित किया गया। दूर दराज से पहुंचे पहलवानों ने कुश्ती के शानदार दांव पेच दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। विजेता पहलवानों को प्रतीक चिह्न और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समिति की ओर से आकर्षक झांकियों और सुंदर कांवड़ों को भी पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी, भाजपा प्रदेश मंत्री बसंत त्यागी, पूर्व चेयरमैन विकास तेवतिया,

सपा नेता विकास यादव, उपजिलाधिकारी कोमल पंवार, पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र नाथ तिवारी, थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार मौर्य सहित अन्य अतिथियों का मंदिर समिति की ओर से पटका पहनाकर और प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। ग्राम खिड़ौदा स्थित महादेव मंदिर में भी सैकड़ों कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने भगवान आशुतोष का जलाभिषेक किया। रामानंद सरस्वती महाराज ने श्रद्धालुओं को शिव आराधना के महत्व की जानकारी दी। नगर के विजय मंडी शिव मंदिर, राधाकृष्ण शिव मंदिर, छोटा मंदिर, काली गली शिव मंदिर, बस स्टैंड स्थित महादेव मंदिर, महाकाली पीठ हनुमत धाम, रेलवे रोड शिव मंदिर, सत्यनारायण मंदिर और कैलाश मानसरोवर मंदिर में भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

शिव मंदिर में गुम हुए 45 हजार रुपये के मोबाइल और हेलमेट मिले, खिल उठे श्रद्धालुओं के चेहरे

हापुड़ (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के दौरान थाना हापुड़ देहात क्षेत्र स्थित असरा गांव के शिव मंदिर में भीड़ के बीच गुम हुए दो मोबाइल और एक हेलमेट पुलिस ने तलाश कर उनके मालिकों को सकुशल वापस सौंप दिए। कीमती सामान वापस मिलने पर श्रद्धालुओं के चेहरे खिल उठे और उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताया। जानकारी के अनुसार कांवड़ यात्रा के दौरान असरा गांव स्थित शिव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंच रहे थे। इसी दौरान भीड़ में दो श्रद्धालुओं के ओप्पो और पोको कंपनी के मोबाइल कहीं गिर गए। एक अन्य श्रद्धालु का हेलमेट भी भीड़ के बीच लापता हो गया। काफी तलाश करने के

बाद भी सामान नहीं मिलने पर श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्र में तलाश शुरू कर दी। पुलिसकर्मियों ने आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाने के साथ संभावित स्थानों पर खोजबीन की। पुलिस के प्रयास से दोनों मोबाइल और हेलमेट बरामद कर लिए गए। इसके बाद सामान के संबंध में आवश्यक सत्यापन कराया गया और सही पहचान होने पर दोनों मोबाइल उनके मालिकों तथा हेलमेट संबंधित श्रद्धालु को वापस सौंप दिया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक पारस मलिक ने बताया कि बरामद किए गए दोनों मोबाइल की कुल कीमत करीब 45 हजार रुपये है, जबकि हेलमेट की कीमत लगभग 2,500 रुपये बताई गई है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और उनकी सहायता के लिए पुलिसकर्मी लगातार सक्रिय हैं। अपना कीमती सामान वापस पाकर श्रद्धालुओं ने पुलिस टीम का धन्यवाद किया और पुलिस की तत्परता की सराहना की।

बच्चे की कनपटी पर तमंचा रख महिला से दुष्कर्म का आरोप, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला के साथ कथित रूप से दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने महिला के बच्चे की कनपटी पर तमंचा रखकर उसे जान से मारने की धमकी दी और महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला अपने बच्चे के साथ रहती है, जबकि उसका पति बेंगलुरु में नौकरी करता है। महिला का आरोप है कि तीन जुलाई की दोपहर गांव का ही रहने वाला वकील नामक युवक जबरन उसके घर में घुस आया। आरोप है कि उसने महिला को दबोच लिया। महिला द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसके बच्चे की कनपटी पर तमंचा रख दिया और धमकी दी कि यदि उसने उसकी बात नहीं मानी तो बच्चे को जान से मार देगा। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने महिला के साथ जबरन दुष्कर्म किया और घटना के संबंध में किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी ने अपने साथियों की मदद से उसे कई दिनों तक घर से बाहर नहीं निकलने दिया। घटना के संबंध में महिला ने अपने पति को जानकारी दी। इसके बाद पति घर पहुंचा और दोनों भोजपुर थाने पहुंचे। दंपती की शिकायत पर पुलिस ने वकील, परवेज और शकील के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने मुख्य आरोपी वकील को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और महिला के आरोपों के आधार पर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोबाइल पर गाली गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, दो के खिलाफ मुकदमा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के भनेड़ा गांव में एक युवक को मोबाइल फोन पर गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। भनेड़ा गांव निवासी राहुल त्यागी ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके मोबाइल फोन पर संदेश भेजकर गाली गलौज की जा रही है। शिकायतकर्ता का कहना है कि व्हाट्सऐप के माध्यम से उसे लगातार जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। धमकी मिलने के बाद युवक ने पुलिस से शिकायत कर सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पुलिस के अनुसार राहुल त्यागी की शिकायत के आधार पर अनुराग त्यागी और प्रशांत त्यागी निवासी भगवानपुर, हरिद्वार, उत्तराखंड के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मोबाइल फोन पर भेजे गए संदेशों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले से जुड़े लोगों से पूछताछ और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अलीपुर अटेरना में सर्पदंश से 19 वर्षीय युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) क्षेत्र के गांव अलीपुर अटेरना में जहरीले सांप के काटने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया और गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। गांव अलीपुर अटेरना निवासी शिवकुमार मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। उनके 19 वर्षीय बेटे अजय के साथ सोमवार देर रात यह हादसा हुआ। परिजनों के अनुसार अजय रोजाना की तरह रात में खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया था। देर रात करीब दो बजे अचानक अजय के शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य जागकर उसके कमरे में पहुंचे। इस दौरान परिजनों ने एक सांप को कमरे से बाहर जाते हुए देखा। अजय ने बताया कि उसे सांप ने काट लिया है। परिजन आनन फानन में अजय को उपचार के लिए कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर उच्च चिकित्सा केंद्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद अजय को मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। घटना से गांव में भी शोक का माहौल है।

सांप के डसने से किसान की मौत, झाड़ फूंक के चक्कर में तीसरे दिन घर पर तोड़ा दम

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर क्षेत्र के गांव जमालपुर ढीकली में सांप के डसने से एक किसान की मौत हो गई। आरोप है कि सांप के डसने के बाद परिजन उसे अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़ फूंक कराने वाले के पास ले गए। वहां से देशी दवा देकर उसे घर भेज दिया गया। घटना के तीसरे दिन मंगलवार सुबह अचानक हालत बिगड़ने पर किसान ने घर पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव जमालपुर ढीकली निवासी

सुभाष कुमार (40) शनिवार शाम मौजा बहादरपुर स्थित अपने खेत में गन्ने की फसल में खाद लगाने गया था। इसी दौरान खेत में मौजूद रसेल वाइपर सांप ने उसे डस लिया। सुभाष की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे नगीना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के बजाय नगीना होते हुए थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के गांव राजोपुर में झाड़-फूंक करने वाले के पास ले गए। वहां उसे कथित तौर पर देशी दवा पिलाई गई और इसके बाद परिजन उसे घर लेकर लौट आए। मृतक के भाई के अनुसार देशी दवा पीने के बाद सुभाष को कुछ राहत महसूस हुई थी। इसके बाद परिजनों ने उसे अस्पताल नहीं ले जाया। मंगलवार सुबह अचानक उसकी हालत बिगड़ गई और घर पर ही उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि करीब 15 वर्ष पहले भी सुभाष को दो बार सांप ने डसा था। उस समय भी कथित तौर पर दवा लेने के बाद उसकी हालत में सुधार हो गया था। सुभाष खेती करके परिवार का पालन पोषण करता था। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया। उसके परिवार में पत्नी और तीन बेटियां हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

रेस्तरां में सुलग रहीं कोयले की भट्ठियां, नगर निगम की टीम ने कराईं ध्वस्त; जुर्माना भी वसूला

आगरा, एजेंसी। आगरा के ताज ट्रेपेजियम जोन में कोयले से भट्ठी जलाकर खाना पकाना चार रेस्तरां संचालकों को भारी पड़ा। सोमवार की दोपहर नगर निगम की टीम ने फतेहाबाद रोड स्थित बीकानेरवाला, पिरामिड, जिमबोरा क्लब और सेक्टर-1 आवास विकास स्थित ग्रामीण स्वाद रेस्तरां पर एनजीटी के आदेश के तहत जुर्माना लगाया।

बीकानेरवाला के संचालक से 25 हजार रुपये और ग्रामीण स्वाद के संचालक पर पांच हजार रुपये, जिमबोरा क्लब और पिरामिड रेस्तरां पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

ग्रामीण स्वाद रेस्तरां में भट्ठियों को नष्ट किया गया। शिकायत की जांच करने पहुंची नगर निगम की टीम को चारों जगह जलती हुई भट्ठियां मिलीं। उन्हें बंद कराने के साथ नष्ट कराया गया। आगरा और टीटीजेड के छह जिलों में वर्ष 1996 से ही कोयला जलाने पर रोक है। ताजमहल पर प्रदूषण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया था। कोयला जलाने से सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड और सूक्ष्म कण जैसे प्रदूषक तत्व निकलते हैं, जो लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालते हैं।

जांच के लिए चलेगा अभियान- नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि टीटीजेड में कोयले की भट्ठियों पर रोक है। जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा। उल्लंघन करने पर एनजीटी के आदेश के तहत जुर्माना वसूला जा रहा है। दोबारा ऐसा मिला तो सख्त कार्रवाई होगी।

लुईस खुर्शीद पर आरोप तय, सचिव अतहर फारुकी पर भी शिकंजा, 18 अगस्त को होगी अगली सुनवाई

कानपुर, एजेंसी। फर्रुखाबाद जिले में दिव्यांगजनों के उपकरण वितरण के लिए मिले सरकारी अनुदान में घोटाले के मामले में पूर्व विधायक लुईस खुर्शीद और डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव अतहर फारुकी सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के बाद सिविल जज सीनियर डिवीजन जयवीर सिंह ने आरोपियों के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट निरस्त कर दिए।

साथ ही, दोनों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं में आरोप तय किए। अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू), लखनऊ के तत्कालीन निरीक्षक रामशंकर यादव ने जांच के बाद 10 जून 2017 को कायमगंज कोतवाली में शहर के खतराना स्ट्रीट निवासी ट्रस्ट प्रतिनिधि प्रत्यूश

शुक्ला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

कई महीनों से जारी थे गैर जमानती वारंट
आरोप था कि दिव्यांग उपकरण वितरण के नाम पर कई शिविर दिखाकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया। विवेचना में ट्रस्ट के सचिव अतहर फारुकी और परियोजना निदेशक लुईस खुर्शीद के नाम भी सामने आए। आरोपपत्र दाखिल होने के बाद मामले की सुनवाई अदालत में चल रही है। अतहर फारुकी के लगातार अदालत में उपस्थित न होने पर उनके खिलाफ कई महीनों से गैर जमानती वारंट जारी थे।

अदालत ने हिरासत में लेने का आदेश दिया
दोनों के अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार चौहान ने अपना पक्ष रखते हुए वारंट निरस्त करने का प्रार्थना पत्र दिया। वहीं, लुईस खुर्शीद को इलाहाबाद हाईकोर्ट से अंतरिम अग्रिम जमानत मिलने की जानकारी दी। अतहर फारुकी को अदालत ने हिरासत में लेने का आदेश दिया। अधिवक्ता की बहस सुनने के बाद उन्हें जमानत दे दी।

प्रशासन अलर्ट; बनाई गईं बाढ़ चौकियां-राहत शिविर

1600 से अधिक परिवारों पर खतरा

आगरा, एजेंसी। यमुना नदी में लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। तटीय और निचले इलाकों में बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन चौकन्ना हो गया है। संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले 1600 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए राहत शिविर चिह्नित कर दिए गए हैं। एसडीएम बिक्रम राघव ने बताया कि यमुना के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। सदर तहसील में नौ बाढ़ राहत चौकियां, छह बाढ़ राहत शिविर, 10 गोताखोर और 10 नाव व नाविकों की व्यवस्था की गई है। राजस्व निरीक्षकों, लेखपालों, ग्राम पंचायत सचिवों और पुलिस अधिकारियों को क्षेत्रवार जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कैलाश मंदिर, नगला फीतर सिंह आदि क्षेत्रों के करीब 200 परिवारों को जरूरत पड़ने पर श्रीरामचंद्र इंटर कॉलेज, बाईपुर में ठहराया जाएगा। मऊ, गैलाना आदि क्षेत्रों के करीब 200 परिवारों के लिए जिम कार्टेट इंटर कॉलेज, गैलाना में व्यवस्था की गई है। पोइया घाट, दयालबाग, सिकंदरपुर, खासपुर और जगनपुर के करीब 200 परिवारों को राधा बल्लभ इंटर कॉलेज, अमर विहार में रखा जाएगा।

बल्केश्वर घाट से जुड़े घटवासन, ठीपुरी, जगनपुर, मनोहरपुर, खासपुर, कृष्णा बाग कॉलोनी, जीवनी मंडी, राधानगर, लोहियानगर, जसवंत की छतरी, ठीपरी और न्यू आदर्श नगर आदि क्षेत्रों के प्रभावित परिवारों के लिए आईटीआई बल्केश्वर और संत रामकृष्ण महिला महाविद्यालय को राहत केंद्र बनाया गया है। आगरा फोर्ट क्षेत्र के करमना, हाथीघाट (चक अब्बल) और बसई के करीब 65 परिवारों को महर्षि परशुराम इंटर कॉलेज, बेलनगंज में ठहराने की व्यवस्था है। नगला तलफी के 35 परिवारों के लिए प्राथमिक विद्यालय को चिह्नित किया गया है।

कुंडौल और अकोला क्षेत्र भी संवेदनशील

कुंडौल क्षेत्र के तनौरानूरपुर, सुल्तानपुर, बुर्ज, मेहरा, नाहरगंज, ठार रामपुर, नगला बूढ़ी, ठार शामले, कुई कुमरगढ़, सत आश्रम, पंजाब नगर, बरौली गूजर और नगला आम नदौता सहित कई गांवों को संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शामिल किया गया है। समोगर, महल, बादशाही गढ़ी और महावन क्षेत्र के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। अकोला क्षेत्र में भी राजस्व टीमों को निगरानी की जिम्मेदारी दी गई है। एसडीएम सदर ने बताया कि प्रशासन की टीमें लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही हैं। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले लोग प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

पीजी के 17 कोर्स में 8 दिन तक काउंसिलिंग, स्थल पर ही मिल जाएगा परिचय पत्र; लाइब्रेरी कार्ड

वाराणसी, एजेंसी। काशी विद्यापीठ में पीजी के 17 पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आठ दिन तक काउंसिलिंग चलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को जरूरी प्रक्रिया पूरी कराने के साथ ही मौके पर परिचय पत्र और लाइब्रेरी कार्ड भी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को अलग से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

काशी विद्यापीठ में सत्र 2026-27 में पीजी के 17 कोर्स में दाखिले के लिए 13 अगस्त से काउंसिलिंग शुरू होगी। 20 अगस्त तक चलने वाली काउंसिलिंग के लिए विश्वविद्यालय की ओर से सोमवार को कार्यक्रम जारी कर दिया गया। खास बात यह है कि अभ्यर्थियों को काउंसिलिंग स्थल पर ही परिचय पत्र और लाइब्रेरी कार्ड जारी कर दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय में इन दिनों स्नातक में दाखिले की प्रक्रिया अंतिम दौर में चल रही है। इस बीच सोमवार को विश्वविद्यालय की ओर से जो शेड्यूल जारी किया गया है, उसके अनुसार 13 अगस्त से एमए (पत्रकारिता एवं जनसंचार) सहित 17 स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु काउंसिलिंग शुरू होगी। कुलसचिव डॉ. सुनीता पांडेय ने बताया कि 13 अगस्त को बीकॉम (पेड सीट), एमए (पत्रकारिता एवं जनसंचार), एमएससी(केमिस्ट्री), एमए/एमएससी(भूगोल) की काउंसिलिंग कराई जाएगी। इसके साथ ही 14 अगस्त को एमए/एमएससी(सांख्यिकीय), बीए (पेड सीट), एमए (मास कम्युनिकेशन),एमएससी(बॉटनी), 18 अगस्त को एमए अर्थशास्त्र, एमए मनोविज्ञान, एमए अंग्रेजी,एमए हिंदी की काउंसिलिंग होगी।

पुरवामीर में हेक्सावेलेंट क्रोमियम की पुष्टि

दीवारों में दिखने लगा क्रोमियम युक्त कचरे का असर

कानपुर, एजेंसी। महाराजपुर क्षेत्र के पुरवामीर में 22 दिन पहले फेंके गए क्रोमियमयुक्त जहरीले कचरे में हेक्सावेलेंट क्रोमियम की पुष्टि हुई है, जो कैंसरकारक है। एनजीटी और शासन के संज्ञान के बाद गठित पांच सदस्यीय जांच कमेटी की रिपोर्ट दो सप्ताह बाद भी सार्वजनिक नहीं होने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

कानपुर में महाराजपुर क्षेत्र के पुरवामीर समेत आसपास के गांवों में 22 दिन पहले रात में फेंका गया क्रोमियमयुक्त जहरीला कचरा अब ग्रामीणों के लिए गंभीर चिंता बन गया है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपी पीसीबी) के क्षेत्रीय अधिकारी अजीत सुमन के अनुसार जांच में ट्राईवेलेंट क्रोमियम के साथ हेक्सावेलेंट क्रोमियम की भी पुष्टि हुई है, जो लेदर टैनिंग, पिगमेंट निर्माण, इलेक्ट्रोप्लेटिंग और स्टेनलेस स्टील वेल्डिंग जैसी औद्योगिक प्रक्रियाओं से पैदा हो सकता है।

हवा या पानी के जरिये शरीर में पहुंचने पर इससे फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। नाक, गले और फेफड़ों में जलन व अल्सर तथा त्वचा पर रैश और एलर्जी भी हो सकती है। पुरवामीर, महोली, महुआ, तिवारीपुर और रूमा समेत आसपास के कई गांवों में कचरा खुले में पड़ा है। ग्रामीणों के मुताबिक पुरवामीर स्थित तरंग रेस्टोरेंट की एक बोरिंग खराब हो चुकी है।

दीवारों पर उभर आए हैं हरे और पीले निशान- पास के सिद्धि फिलिंग स्टेशन की दीवारों पर हरे और पीले निशान उभर आए हैं और दीवारें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। हाईवे किनारे पेड़-पौधों के सूखने की भी शिकायत है। ग्रामीणों का आरोप है कि हवा के साथ कचरा आसपास फैल रहा है। बारिश में कचरा बहकर दूसरी जगहों तक पहुंच रहा है जिससे भूगर्भ जल और पर्यावरण प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। पशुओं को कचरे से बचाने के लिए ग्रामीण दिन-रात निगरानी कर रहे हैं।

पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई थी- मामला प्रदूषण नियंत्रण विभाग से लेकर एनजीटी, विधानसभा अध्यक्ष और लखनऊ के आला अधिकारियों तक पहुंचने के बाद शासन स्तर पर पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई थी।

हालांकि अब तक रिपोर्ट न आने से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने यूपी पीसीबी पर लीपापोती का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट सार्वजनिक करने और कचरा सुरक्षित तरीके से हटाने की मांग की है।

हेक्सावेलेंट क्रोमियम से गंभीर स्वास्थ्य खतरा

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के डॉ. एसके गौतम ने बताया कि हेक्सावेलेंट क्रोमियम लेदर टैनिंग, पिगमेंट निर्माण, इलेक्ट्रोप्लेटिंग और स्टेनलेस स्टील वेल्डिंग जैसी औद्योगिक प्रक्रियाओं से पैदा होता है। सांस या पानी के जरिये शरीर में पहुंचने पर यह कैंसर (विशेषकर फेफड़ों व लिवर के कैंसर) का खतरा बढ़ा सकता है और गंभीर अंगों को नुकसान पहुंचा सकता है।

सात दिन में देनी थी रिपोर्ट, 14 दिन बीत गए- पांच सदस्यीय कमेटी को स्थल निरीक्षण कर कचरे की अनुमानित मात्रा का आकलन, नमूनों की जांच और कचरा डालने वाले उद्योगों की पहचान करनी थी। सुरक्षित निस्तारण की प्रक्रिया भी तय करनी थी। शासन ने सात दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे। कमेटी ने मौके पर कचरे का निरीक्षण और नमूनों की जांच की लेकिन दो सप्ताह बाद भी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई।

पुरवामीर में हेक्सावेलेंट और ट्राईवेलेंट क्रोमियम पड़ा है। हेक्सावेलेंट क्रोमियम कैंसर कारक है। जांच कमेटी की रिपोर्ट जल्द आने वाली है। ऐसे कचरे का निस्तारण करने वाली कंपनियों से बातचीत शुरू कर दी है। रिपोर्ट आते ही जल्द निस्तारण कराया जाएगा।

-अजीत सुमन, क्षेत्रीय अधिकारी, यूपी पीसीबी

हॉस्टल में आ रहे ऑनलाइन सामान, नहीं हो रही जांच

गोरखपुर, एजेंसी। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री के निर्देश के बाद गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्रावासों में ऑनलाइन शॉपिंग और कूरियर से आने वाले सामान की जांच को लेकर अब भी कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन सकी है। छात्र पहले की तरह ऑनलाइन सामान मंगा रहे हैं और डिलीवरी सीधे छात्रावास परिसर तक पहुंच रही है।

सोमवार को संतकबीर छात्रावास परिसर में ऑनलाइन मंगाए गए सामान की डिलीवरी होती दिखाई दी। डिलीवरी कर्मी सामान्य तरीके से परिसर में पहुंचकर छात्रों को उनके पैकेट सौंपते नजर आए। इससे साफ है कि छात्रावासों में बाहर से आने वाले सामान की निगरानी के लिए अभी प्रभावी व्यवस्था लागू नहीं हो सकी है।

विद्या परिषद में भेजा जाएगा भूगोल विभाग के संकाय बदलने का प्रस्ताव : गोरखपुर विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग को विज्ञान संकाय में शामिल किए जाने के प्रस्ताव पर विज्ञान संकाय की सोमवार को हुई बैठक में कोई आपत्ति नहीं की गई। अब इस प्रस्ताव को विद्या परिषद में रखा जाएगा।

पांच दिवसीय कांवड़ सेवा शिविर में हजारों शिवभक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

शामली (शिखर समाचार)। सर्व समाज कल्याण समिति शामली और श्री नामदेव युवा जन कल्याण समिति शामली के संयुक्त तत्वावधान में छह से 10 अगस्त तक पांच दिवसीय कांवड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दिन रात कांवड़ियों की सेवा के लिए भोजन, नाश्ता, चाय पकौड़ी, दूध जलेबी सहित विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाएं की गईं। इस दौरान हजारों शिवभक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ उठाया। शिविर का शुभारंभ छह अगस्त को सदर विधायक प्रसन्न चौधरी और नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष अरविंद संगल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजसेवी और श्रद्धालु मौजूद रहे। समिति के संरक्षक अरविंद दृष्ट की ओर से भी शिविर के आयोजन को लेकर समय समय पर मार्गदर्शन दिया गया। आयोजकों के अनुसार शिविर के दौरान कांवड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए स्वयंसेवकों की अलग अलग जिम्मेदारियां तय की गई थीं।

शिविर में हर समय शिवभक्तों की सेवा के लिए स्वयंसेवक जुटे रहे। कांवड़ियों को भोजन और जलपान कराने के साथ उनकी जरूरत के अनुसार अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। कांवड़ यात्रा के दौरान मार्ग से गुजरने वाले शिवभक्तों ने सेवा

शिविर में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया और आयोजकों का आभार जताया। कार्यक्रम संयोजक रजनीश नामदेव ने कहा कि शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा से आत्मिक संतोष मिलता है। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी समाजसेवियों, स्वयंसेवकों और गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त किया। शिविर में सुरेंद्र बंसल, हरबीर मलिक, पवन तरार, वीर सिंह मलिक, पुनीत द्विवेदी, यशपाल पवार, गिरधारी लाल नारंग, राहुल जैन, आचार्य चंचल शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजसेवियों और श्रद्धालुओं ने पहुंचकर सेवा कार्य में सहयोग किया। समिति पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। 10 अगस्त को आरती के साथ पांच दिवसीय सेवा शिविर का विधिवत समापन किया गया।

तिरंगे के सम्मान में उमड़ा जनसैलाब, देशभक्ति के नारों से गूंजा थानाभवन

शामली (शिखर समाचार)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को थानाभवन में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष सुरेश राणा के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। दयाल आश्रम से शुरू हुई यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए चौक बाजार पहुंची और विभिन्न मार्गों से गुजरने के बाद वापस दयाल आश्रम पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में नागरिक हाथों में तिरंगा लेकर शामिल हुए।

तिरंगा यात्रा के दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। मार्ग में जगह जगह लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों के बीच नगर का वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। युवाओं के साथ विभिन्न वर्गों के लोगों ने भी यात्रा में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

यात्रा का नेतृत्व कर रहे सुरेश राणा ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। देश की आजादी असंख्य वीर सपूतों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के बलिदान को हमेशा याद रखे और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दे।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय के मन

में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने नागरिकों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को मजबूत करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा में राजेंद्र मादलपुर, आनंद पुंडीर, भूपेंद्र चौधरी, दीपक कोरी, प्रदीप चेयरमैन ऊन, पवन गौतम, मनपाल सैनी, रोहित विश्वकर्मा, पप्पू प्रधान, संदीप चौधरी सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। यात्रा के दौरान सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी आवश्यक प्रबंध किए गए।

लेआउट मंजूर होते ही ग्रेटर अलीगढ़ योजना में मिलेगा होम लोन

बिक्री में आएगी रफ्तार

अलीगढ़ , एजेंसी। ग्रेटर अलीगढ़ योजना के लेआउट पर 13 अगस्त को प्रस्तावित एडीए बोर्ड की बैठक में मुहर लग सकती है। लेआउट मंजूर होने के बाद यहां फ्लैट लेने वालों का होम लोन आसानी से

मंजूर होगा और योजना को रफ्तार मिलेगी।

लेआउट मंजूर होने के बाद सभी बैंक होम लोन देने के लिए तैयार हो जाएंगे क्योंकि इससे प्रोजेक्ट के वैध होने का प्रमाण मिलता है। एडीए की बोर्ड बैठक पहले छह अगस्त को होना तय हुआ था, लेकिन तैयारी पूरी नहीं होने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

खैर रोड पर सात गांवों की 323 हेक्टेयर भूमि पर यह योजना विकसित की जा रही है। पहले चरण में 70 हेक्टेयर क्षेत्र विकसित किया जाएगा। यहां दो हजार से अधिक छोटे-बड़े आवासीय व व्यावसायिक प्लॉट मिलेंगे। चौड़ी सड़कें, ग्रीन बेल्ट, पार्क, खेल सुविधाएं, जलापूर्ति, ड्रेनेज व आधारभूत ढांचे को विकसित किया जाएगा।

700 करोड़ की इस परियोजना के लिए प्रदेश सरकार 350 करोड़ रुपये दे चुकी है, शेष धनराशि एडीए अपने संसाधनों से जुटाएगा। अब तक 250 हेक्टेयर भूमि एडीए के पास आ चुकी है। इसमें 230 हेक्टेयर किसानों से खरीदी गई है, जबकि 20 हेक्टेयर सरकारी भूमि है। किसानों को 500 करोड़ का मुआवजा दिया जा चुका है।

योजना के लिए रुस्तमपुर अखन, अहमदाबाद, जतनपुर चिकावटी, अटलपुर, मूसेपुर, जिरौली दोर व ल्हौसरा विसावन गांवों की भूमि अधिग्रहीत की गई है। एडीए सचिव राहुल कश्यप ने बताया कि बोर्ड बैठक में ग्रेटर अलीगढ़ योजना के लेआउट की मंजूरी सबसे अहम मुद्दा है। अन्य मामलों पर भी विचार विमर्श होगा।

ग्रेटर नोएडा में इंडिया बायो एनर्जी एंड टेक एक्सपो का भव्य शुभारंभ, कचरे से ऊर्जा और रोजगार सृजन पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में मंगलवार को इंडिया बायो एनर्जी एंड टेक एक्सपो-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने देश विदेश से पहुंचे विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों, निवेशकों और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश को जैव ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कृषि अवशेष, गन्ना उत्पादन, जैविक अपशिष्ट और नगरीय ठोस कचरे के रूप में जैव ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, संपीड़ित जैव गैस उत्पादन और रिकॉर्ड विद्युत आपूर्ति के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश देश में अग्रणी है। उन्होंने देश विदेश के निवेशकों का प्रदेश में निवेश के लिए आह्वान करते हुए कहा कि निवेशक उत्तर प्रदेश आएं और अपनी सुविधा के अनुसार कहीं भी संयंत्र स्थापित करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, शांतिपूर्ण और निवेश के अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए भरोसेमंद स्थान बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि कचरे को समस्या नहीं, बल्कि ऊर्जा, रोजगार और आर्थिक विकास के अवसर के रूप में देखा जाए। संपीड़ित जैव गैस, बायोगैस, जैव ईंधन और कचरे से ऊर्जा बनाने वाली तकनीकों के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा के साथ कचरा प्रबंधन को भी मजबूती दी जा सकती है। इससे कृषि अवशेषों का बेहतर उपयोग होगा और किसानों की अतिरिक्त आय तथा ग्रामीण रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपने विशाल कृषि संसाधनों, बढ़ते संपीड़ित जैव गैस तंत्र और मजबूत नीतिगत सहयोग के कारण देश के जैव ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने बताया कि देश के 30 प्रतिशत से अधिक संपीड़ित जैव गैस संयंत्र उत्तर प्रदेश में हैं। उन्होंने बताया कि 84 संपीड़ित जैव गैस और आठ जैव कोयला संयंत्र निर्माण की प्रक्रिया में हैं।

कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री ने फीता काटकर 150 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के प्रदर्शनी स्टॉलों का शुभारंभ किया और विभिन्न उत्पादों एवं तकनीकों की जानकारी ली। उन्होंने भारत बायो एनर्जी कंपास नामक वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। आयोजन को प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा, निवेश, नवाचार, किसानों की आय और ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

छठवें कांवड़ सेवा शिविर में 1800 शिवभक्तों का हुआ सम्मान, हजारों लोगों ने लिया धर्मलाभ

मेरठ (शिखर समाचार) गंग नहर पटरी सरूरपुर खुर्द में भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी द्वारा लगाए गए छठवें कांवड़ सेवा शिविर का समापन श्रद्धा और उत्साह के साथ हुआ। शिविर के शुभारंभ से लेकर समापन तक हजारों लोगों ने पहुंचकर धर्मलाभ लिया और कांवड़ियों की सेवा में सहयोग किया। शिविर का शुभारंभ जिला प्रचारक दीपक तथा जिलाध्यक्ष हरबीर पाल ने किया।

शिविर में भारतीय जनता पार्टी संगठन एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ मेरठ जिले के सांसद, विधायक, मंत्री तथा विभिन्न जनप्रतिनिधि और सिवालखास विधानसभा क्षेत्र के जिम्मेदार नागरिक शामिल हुए। इस दौरान सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, डॉ. राजकुमार सांगवान, जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष विमल शर्मा, राज्यमंत्री यशवीर सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मनिंदर पाल सिंह, पूर्व विधायक जितेंद्र पाल सिंह, जिला कार्यवाह संजय, महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी, सत्येंद्र भराला, सुनील रोहटा, जिलाध्यक्ष अनिकेत भारद्वाज सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। शिविर के दौरान भारतीय मतदाता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित आदेश फौजी ने करीब 1800 लोगों को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके साथ ही पहली कांवड़ लाकर जलाभिषेक करने वाले भगवान शिव के परम भक्त भगवान परशुराम का चित्र तथा भारत माता का चित्र भेंटकर श्रद्धालुओं को सम्मानित किया गया। पुरा महादेव स्थित परशुरामेश्वर मंदिर जाने वाले सैकड़ों कांवड़ियों का भी सम्मान किया गया। शिविर में कांवड़ियों के लिए विभिन्न सेवा व्यवस्थाएं की गईं। आयोजकों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। शिविर के समापन पर उपस्थित लोगों ने कांवड़ियों की सेवा और धार्मिक आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान हर हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

विकास भवन में पंच सम्मेलन आयोजित, नई ग्रामीण रोजगार योजना की दी जानकारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। विकास भवन सभागार में पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी जसजीत कौर ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि मनरेगा योजना में जनहित के अनुरूप विभिन्न संशोधन किए गए हैं। इसके बाद नई व्यवस्था के तहत विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम, 2025 लागू किया गया है, जिसे संक्षेप में जी राम जी योजना कहा जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि एक जुलाई 2026 से लागू नई व्यवस्था के तहत ग्रामीण कामगारों को पहले की अपेक्षा अधिक रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। योजना के अंतर्गत रोजगार की गारंटी को 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन तक किया गया है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ विकास कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना है। इससे ग्रामीण श्रमिकों को अधिक रोजगार मिलने के साथ गांवों में विकास कार्यों को भी गति मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम का संचालन उपायुक्त मनरेगा आरबी यादव ने किया। उन्होंने कहा कि जी राम जी योजना कामगारों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है। योजना के सफल और प्रभावी संचालन के लिए जनपद स्तर पर विभिन्न तैयारियां और आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से योजना के प्रावधानों की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने तथा पात्र कामगारों को इसका लाभ दिलाने का आह्वान किया। सम्मेलन में ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी। सम्मेलन का उद्देश्य ग्राम स्तर पर विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना रहा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान, खंड विकास अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सावन शिवरात्रि पर दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे जिलाधिकारी, जलाभिषेक कर जनपद की सुख समृद्धि की कामना

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन शिवरात्रि के पावन अवसर पर मंगलवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान दूधेश्वरनाथ का विधि विधान से जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की और प्रदेश तथा जनपद की सुख समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। सावन शिवरात्रि पर भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे थे। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर आए कांवड़ियों और स्थानीय शिवभक्तों की लंबी कतारें मंदिर परिसर और आसपास दिखाई दीं। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान दूधेश्वरनाथ का

जलाभिषेक कर परिवार की सुख समृद्धि और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने मंदिर में पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की गई व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, आवागमन और श्रद्धालुओं के सुचारु दर्शन एवं जलाभिषेक से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार निगरानी करती रहीं। सावन शिवरात्रि के अवसर पर प्राचीन दूधेश्वरनाथ मंदिर को विशेष रूप से सजाया गया था। मंदिर में सुबह से देर तक श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। बारिश और भीड़ के बावजूद शिवभक्तों में उत्साह बना रहा। कांवड़ियों ने हरिद्वार से लाए गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया और पूजा अर्चना की। जिलाधिकारी के मंदिर पहुंचने के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। श्रद्धालुओं की सुविधा और पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी रखी गई। सावन शिवरात्रि पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ी आस्था के बीच जिलाधिकारी ने भगवान शिव का आशीर्वाद लेकर जनपद में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

शामली के शिव चौक पर गूंजा हर हर महादेव, भव्य महाआरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

शामली (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के अवसर पर श्री हनुमान सेवा समिति शिव मंदिर, शिव चौक शामली की ओर से भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए। बाबा भोलेनाथ का अलौकिक श्रृंगार श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। महाआरती के दौरान हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से पूरा शिव चौक गूंज उठा। महाआरती के बाद हुई आतिशबाजी ने वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप, नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल, मानस राजा संगल, जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। समिति पदाधिकारियों ने अतिथियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जनमानस के सहयोग के बिना कांवड़ मेला सफल नहीं हो सकता। उन्होंने कांवड़ियों की सेवा में जुटे सेवा संगठनों, स्वयंसेवकों, व्यापारियों और आम नागरिकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने में मदद मिली। उन्होंने दिन रात ड्यूटी कर शिवभक्तों को सकुशल उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले पुलिसकर्मियों का भी उत्साहवर्धन किया। समिति अध्यक्ष योगेश सिंगल, महामंत्री दिनेश जैन, कोषाध्यक्ष पंकज गोयल, संगठन मंत्री सुधीर गोस्वामी, परियोजना अध्यक्ष सुनील निरवल, मनोज मित्तल, निशिकांत संगल, अनिल उपाध्याय, सभासद अंकित गोयल और व्यापारी नेता घनश्याम दास गर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। मंच संचालन डॉ. अनुराग शर्मा ने किया। महाआरती के दौरान पूरा शिव चौक शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।

जलाभिषेक के लिए उमड़ी शिवभक्तों की भीड़, 40 हजार श्रद्धालुओं ने चढ़ाया गंगाजल

रबूपुरा (शिखर समाचार)। सावन शिवरात्रि के अवसर पर क्षेत्र के गांव भाईपुर स्थित श्री नानकेश्वर महादेव शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सोमवार रात 12 बजे से मंदिर परिसर में स्थापित शिवलिंग पर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं द्वारा जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हुआ, जो मंगलवार देर शाम तक लगातार चलता रहा। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष राजेश प्रधान के अनुसार मंगलवार शाम तक करीब 40 हजार कांवड़ियों और अन्य शिवभक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सोमवार रात से ही मंदिर के मुख्य द्वार के बाहर कांवड़ियों की लंबी कतार लगनी शुरू हो गई थी। मंगलवार को भी श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती रही और देर शाम तक जलाभिषेक के लिए कतारें लगी रहीं। हर हर महादेव और बम बम भोले के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र गूंजता रहा। बड़ी संख्या में कांवड़िये गंगोत्री, हरिद्वार और अनूपशहर सहित विभिन्न स्थानों से गंगाजल लेकर पहुंचे और भगवान नानकेश्वर महादेव का अभिषेक किया। उत्तर प्रदेश के अलावा हरियाणा और दिल्ली से भी हजारों शिवभक्त कांवड़ लेकर मंदिर पहुंचे। पारंपरिक झूला कांवड़ के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु डाक कांवड़ लेकर भी पहुंचे। शिवभक्तों की सेवा के लिए मंदिर मार्ग पर जगह-जगह सेवा शिविर और भंडारों का आयोजन किया गया, जहां श्रद्धालुओं के लिए भोजन, पेयजल और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर में निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। भीड़ को व्यवस्थित रखने के लिए बैरिकेडिंग की गई तथा पूरे आयोजन की निगरानी के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष बनाया गया था। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने लगातार व्यवस्था पर नजर रखी, जिससे जलाभिषेक का कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके।

सावन शिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ी आस्था, हजारों कांवड़ियों ने किया जलाभिषेक

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। सावन मास की शिवरात्रि पर क्षेत्र के शिवालय हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठे। कांवड़ियों और शिवभक्तों ने पूरी श्रद्धा एवं आस्था के साथ भगवान आशुतोष का जलाभिषेक कर परिवार की सुख समृद्धि और मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। गांव सांझक स्थित स्वयं प्रकट शिव पार्वती मंदिर में हजारों कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर में जलाभिषेक का सिलसिला सोमवार रात 12 बजे से शुरू हुआ, जिसके लिए देर रात से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की लंबी कतार लग गई थी। सुबह होते ही आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे। मंदिर परिसर में हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मंदिर के पुजारी महंत भोपालनाथ श्रद्धालुओं को जलाभिषेक कराने में जुटे रहे। मंदिर समिति के अध्यक्ष जवाहर सिंह और मोहन सिंह सहित समिति के सदस्यों ने व्यवस्थाएं संभालीं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में जलाभिषेक शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया। कस्बे के प्राचीन शिव मंदिर, पिपलेश्वर हनुमान मंदिर, बालाजी धाम, गोकुला देवी मंदिर, ठाकुरद्वारा मंदिर, शिव दुर्गा मंदिर और राम मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। गांव पलड़ा स्थित एकांटेश्वर मंदिर में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे। इसके अलावा पलड़ी, सोरम, गोयला, काकड़ा, दुलहरा, रसूलपुर जाटान, धनायन और चांदपुर सहित कई गांवों में स्थित शिवालयों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

121 लीटर गंगाजल लेकर पहुंचे लवी विश्नोई का भव्य स्वागत, स्वयंभू शिवलिंग का किया जलाभिषेक

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। सावन शिवरात्रि के पावन पर्व पर हरिद्वार से कलश कांवड़ में 121 लीटर पवित्र गंगाजल लेकर नगीना पहुंचे लवी विश्नोई का शिवभक्तों और विश्नोई समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। नगर में पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने फूल मालाएं पहनाकर और ढोल नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। इसके बाद लवी विश्नोई अपने परिवार के साथ प्राचीन सिद्धपीठ बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ पहुंचे और मंदिर में स्थापित स्वयंभू शिवलिंग का विधि विधान से जलाभिषेक किया। विश्नोई सराय निवासी नगर पालिका सभासद बृजमोहन विश्नोई उर्फ बल्ली के पुत्र लवी विश्नोई चार दिन पूर्व अपने साथियों के साथ हरिद्वार से 121 लीटर पवित्र गंगाजल लेने के लिए रवाना हुए थे। लवी विश्नोई प्रत्येक वर्ष हरिद्वार से कलश कांवड़ में 121 लीटर गंगाजल लेकर आते हैं और बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ स्थित स्वयंभू शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी उन्होंने कांवड़ यात्रा पूरी की। मंगलवार सुबह सावन शिवरात्रि के अवसर पर लवी विश्नोई गंगाजल लेकर नगीना पहुंचे। नगीना रायपुर बढ़ापुर तिराहे स्थित सिद्धार्थ पेट्रोल पंप पर पहले से मौजूद शिवभक्तों और विश्नोई समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने फूल मालाएं पहनाईं और ढोल नगाड़ों के साथ भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए उन्हें बड़ा मंदिर मुक्तेश्वरनाथ तक लेकर पहुंचे। इस दौरान पूरा वातावरण शिवभक्ति से सराबोर रहा। मंदिर पहुंचने के बाद लवी विश्नोई ने अपने परिवार के साथ स्वयंभू शिवलिंग पर 121 लीटर पवित्र गंगाजल अर्पित किया और भगवान शिव की पूजा अर्चना की। जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों से गूंजता रहा। इस अवसर पर उनके पिता बृजमोहन विश्नोई उर्फ बल्ली, भाजपा नेता लवी विश्नोई, अरुण शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग और शिवभक्त मौजूद रहे।

सर्वधर्म समभाव और ऐतिहासिक धरोहरों को समेटे हुए है खतौली

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार) दिल्ली हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर मेरठ और मुजफ्फरनगर के बीच सुरम्य गंग नहर के पूर्वी तट पर बसा खतौली कस्बा अपनी धार्मिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत और औद्योगिक पहचान के लिए अलग स्थान रखता है। महानगरों की भागदौड़ और शोर शराबे से दूर यह कस्बा लंबे समय से सर्वधर्म समभाव की मिसाल पेश करता आया है। नगर में प्रवेश करते ही विभिन्न धर्मों के धार्मिक स्थलों की मौजूदगी इसकी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय कराती है।

खतौली में गंग नहर के किनारे प्राचीन धार्मिक स्थल और मंदिर हैं तो जैन समाज की भी महत्वपूर्ण धरोहरें मौजूद हैं। दशहरा स्थल स्थित मराठा कालीन शिवालय, बुढ़ाना रोड का थानेश्वर मंदिर, नई बस्ती का झारखंड मंदिर, सराय के आगे प्राचीन बड़ा दरवाजा और अनेक जैन मंदिर कस्बे की ऐतिहासिक पहचान हैं। इनमें कई धार्मिक स्थलों की प्राचीनता 50 से लेकर 780 वर्ष तक बताई जाती है। कस्बे में जहारवीर गोगा जी की माढ़ी भी है, जहां प्रतिवर्ष मेले का आयोजन होता है। खतौली में हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित विभिन्न समुदायों के लोग निवास करते हैं। यहां मंदिरों के साथ मस्जिदें, गुरुद्वारे और चर्च भी हैं। आर्य समाज, रविदास, शिव और कृष्ण मंदिरों के अलावा पीरों की मजारें भी धार्मिक सौहार्द की तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। रेलवे स्टेशन के निकट स्थित नत्थूशाह पीर की मजार को रेलवे लाइन के बीच से हटाकर जसोला रोड के समीप स्थापित किया गया है। यहां

प्रत्येक बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। जैन परंपरा के अनुसार भगवान शांतिनाथ, अरहनाथ और कुंथुनाथ ने इस क्षेत्र में तप किया था। उनकी स्मृति में स्थापित चरण चिह्न और निशियां कालांतर में भूगर्भ में विलीन हो गई थीं, जो कई वर्षों बाद अप्रत्याशित रूप से फिर प्रकट हुईं। जैन समाज ने यहां भव्य जिनालय का निर्माण कराया। जैन जगत में गांधी के नाम से प्रसिद्ध गणेश प्रसाद वर्णी ने वर्ष 1926 में खतौली में पाठशाला की स्थापना की थी, जो आज भी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। खतौली की पहचान केवल धार्मिक और ऐतिहासिक विरासत तक सीमित नहीं है। यह कस्बा ट्रैक्टर की पुलियों के उद्योग के लिए विदेशों तक प्रसिद्ध रहा है। चीनी मिल के अलावा यहां अनेक लघु उद्योग हैं। पारंपरिक कोल्हुओं पर तैयार होने वाला गुड़ भी दूर-दूर तक अपनी पहचान रखता है। निकटवर्ती गांव फुलत में इस्लामिक शिक्षा की व्यवस्था भी लंबे समय से महत्वपूर्ण रही है, जहां दूर दराज से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। स्वतंत्रता आंदोलन में भी खतौली और आसपास के क्षेत्र का योगदान उल्लेखनीय रहा। कस्बे में जन्मे सुंदरलाल और शांतिनारायण ने पत्रकारिता के माध्यम से आजादी की अलख जगाई और इसके लिए जेल भी गए। सुंदरलाल की चर्चित पुस्तक भारत में अंग्रेजी राज पर ब्रिटिश सरकार ने प्रतिबंध लगाकर उसकी प्रतियां जब्त कर ली थीं। उनके संपादन में प्रकाशित पत्र पत्रिकाओं पर भी प्रतिबंध लगाया गया था। क्षेत्र के अनेक लोगों ने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान दिया, जिसका उल्लेख ऐतिहासिक दस्तावेजों में मिलता है। ऐतिहासिक रूप से खतौली कभी परगना था और तत्कालीन सहारनपुर जनपद का हिस्सा रहा। मुगलकालीन दस्तावेजों के अनुसार शाहजहां ने अपने सामंत सैय्यद मुजफ्फर खां को सरवट के साथ खतौली परगना भी जागीर के रूप में प्रदान किया था। उस दौर में खतौली को परगने के साथ तहसील का दर्जा भी प्राप्त था। बाद में प्रशासनिक सुविधा के कारण तहसील मुख्यालय जानसठ कर दिया गया। वर्तमान में खतौली फिर तहसील के रूप में अपनी प्रशासनिक पहचान कायम रखे हुए है। धार्मिक सौहार्द, ऐतिहासिक विरासत, शिक्षा और उद्योग का यह संगम खतौली को मुजफ्फरनगर जिले की विशिष्ट पहचान प्रदान करता है।

छह हजार शिवभक्तों को मिली निःशुल्क चिकित्सा, कांवड़ सेवा शिविर का समापन

शामली (शिखर समाचार)। श्री मंदिर हनुमान टिल्ला हनुमान धाम के प्रांगण में लायंस क्लब शामली उज्जवल की ओर से दो अगस्त से संचालित निःशुल्क कांवड़ चिकित्सा सेवा शिविर का समापन हो गया। पांच अगस्त तक चले शिविर में करीब छह हजार शिवभक्त कांवड़ियों को निःशुल्क उपचार और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। पैदल यात्रा के दौरान थकान, पैरों में छाले और अन्य परेशानियों से जूझ रहे शिवभक्तों को चिकित्सकों और सेवा सहयोगियों ने उपचार उपलब्ध कराया। समापन समारोह में नगर पालिका परिषद शामली के अध्यक्ष एवं लायंस क्लब के पूर्व जिला गवर्नर अरविंद सिंघल तथा हनुमान धाम के अध्यक्ष सलिल द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान चिकित्सकों, औषधि वितरकों, सेवा सहयोगियों और क्लब सदस्यों को सम्मानित किया गया। आयोजकों ने सेवा कार्य में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार जताया। क्लब अध्यक्ष कमल गोयल ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना क्लब के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान दूर दराज से पैदल आने वाले श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराना सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। मुख्य अतिथि अरविंद सिंघल ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि शिवभक्तों की निस्वार्थ सेवा मानवता और सामाजिक सहयोग की प्रेरणादायी मिसाल है। हनुमान धाम अध्यक्ष सलिल द्विवेदी ने कहा कि पैदल यात्रा से थके शिवभक्तों को उपचार, पट्टी, मालिश और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं से काफी राहत मिली। शिविर संयोजक एवं कोषाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि शिविर की सफलता चिकित्सकों, सेवा सहयोगियों और क्लब सदस्यों के सामूहिक प्रयास का परिणाम रही। शिविर में डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. हरेंद्र सिंह, डॉ. सतीश गर्ग, डॉ. भूषण जिंदल, डॉ. संगीता जिंदल, डॉ. रजत पंवार और डॉ. अभिनव गर्ग सहित अनेक चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन राहुल जैन ने किया। इस अवसर पर प्रजापति जन कल्याण सेवा समिति के पदाधिकारी और लायंस क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

संपादकीय

असद की सजा से सीरिया में न्याय की नई परीक्षा

सीरिया की राजधानी दमिश्क की अदालत का मंगलवार को आया फैसला केवल एक पूर्व राष्ट्रपति और उसके भाई को मौत की सजा सुनाने का निर्णय नहीं है, बल्कि करीब डेढ़ दशक से अधिक समय तक हिंसा, दमन, विस्थापन और मानवीय त्रासदी झेलते रहे एक देश के लिए अतीत से हिसाब मांगने की निर्णायक शुरूआत भी है। अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद और उनके भाई माहेर अल असद को मानवता के खिलाफ अपराध, हत्या, यातना और अन्य गंभीर अपराधों के मामले में उनकी गैर मौजूदगी में मौत की सजा सुनाई। दोनों दिसंबर 2024 में सत्ता से बेदखल होने के बाद रूस चले गए थे और वर्तमान में सीरिया की अदालत के सामने मौजूद नहीं हैं। उनके साथ पूर्व सुरक्षा अधिकारी अतिफ नजीब समेत अन्य पूर्व शासन अधिकारियों को भी कठोर दंड दिया गया है। यह फैसला इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि असद शासन के पतन के बाद पहली बार देश की न्यायिक व्यवस्था ने पूर्व शासन के शीर्ष स्तर तक पहुंचकर आपराधिक जवाबदेही तय करने का प्रयास किया है।

बशर अल असद का शासन वर्ष 2000 में शुरू हुआ था और लंबे समय तक उन्होंने स्वयं को स्थिरता तथा धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया। लेकिन 2011 में अरब जगत में उठी जनविद्रोह की लहर जब सीरिया पहुंची तो सरकार की कठोर कार्रवाई ने हालात को तेजी से गृहयुद्ध में बदल दिया। दक्षिणी शहर दारा में विरोध प्रदर्शनों के दमन से शुरू हुआ संघर्ष धीरे धीरे पूरे देश में फैल गया। वर्षों तक चली लड़ाई में करीब पांच लाख लोगों की जान गई और करोड़ों लोग अपने घरों से विस्थापित हुए। लाखों सीरियाई देश से बाहर शरण लेने को मजबूर हुए। इस दौरान हिरासत, यातना, जबरन गुमशुदगी और नागरिक आबादी के खिलाफ हिंसा के आरोप लगातार सामने आते रहे। ऐसे में आज का फैसला उन परिवारों के लिए महज कानूनी कार्रवाई नहीं, बल्कि वर्षों से दबे हुए दर्द की सार्वजनिक स्वीकारोक्ति भी है।

इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संक्रमणकालीन न्याय है। किसी भी देश में जब लंबा गृहयुद्ध समाप्त होता है और सत्ता परिवर्तन होता है तो सबसे कठिन प्रश्न यही होता है कि पुराने अपराधों का हिसाब कैसे लिया जाए। यदि अपराधों को भुला दिया जाए तो पीड़ित परिवारों में यह संदेश जाता है कि सत्ता में बैठे लोगों के लिए कानून अलग होता है। दूसरी ओर यदि न्याय की प्रक्रिया बदले की भावना में बदल जाए तो नया शासन भी उसी चक्र का हिस्सा बन सकता है, जिससे देश वर्षों तक बाहर नहीं निकल पाता। सीरिया के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। असद शासन के अपराधों की जांच और दोषियों की जवाबदेही जरूरी है, लेकिन यह प्रक्रिया पारदर्शी, प्रमाण आधारित और न्याय के स्थापित मानकों के अनुरूप भी होनी चाहिए। मौत की सजा को लेकर भी गंभीर सवाल उठेंगे। मानवाधिकार संगठनों ने असद शासन के पीड़ितों को न्याय दिलाने की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए मृत्युदंड पर आपत्ति जताई है। किसी भी मुकदमे में आरोपी को निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार मिलना चाहिए, चाहे आरोप कितने ही गंभीर क्यों न हों। विशेषकर जब मामला मानवता के खिलाफ अपराधों और युद्ध अपराधों का हो, तब न्याय की विश्वसनीयता केवल सजा की कठोरता से नहीं बल्कि पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता से तय होती है। यदि अदालत का फैसला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी स्वीकार्य न्यायिक मिसाल बनना है तो सीरिया को यह साबित करना होगा कि वह अतीत की राजनीतिक प्रतिशोध की परंपरा नहीं, बल्कि कानून के शासन की नई व्यवस्था स्थापित कर रहा है।

~ मौलिक चिंतन ~

किसी भी दु:ख के लिए खुशी दोषी नहीं होती है, लेकिन फिर भी हम दु:खी होकर खुशियों की हत्या करते चले जाते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

भ्रष्टाचार और पूंजीवाद के खिलाफ वैश्विक जंग?

सनत जैन

दुनिया के अधिकांश देशों में अब पूंजीवाद और भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तथा बढ़ती हुई महंगाई के बाद दुनिया के देशों में पूंजीवाद और बाजारवाद के खिलाफ युवा सड़कों पर आकर अपना विरोध दर्ज कराने लगे हैं। चीन जैसे देश में हर दिन 2700 से ज्यादा भ्रष्ट अधिकारी पकड़े जा रहे हैं। चीन जैसे देश में पिछले तीन दशक में तेजी के साथ भ्रष्टाचार बढ़ा है। चीन में 2012 से लेकर अभी तक 70 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनके ऊपर मुकदमें चलाए गए हैं। भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों को पकड़ने के लिए चीन की सरकार ने जासूस नियुक्त किए हैं। जो भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। ऐसे जासूसों को चीन की सरकार प्रति जानकारी 100 युआन का भुगतान कर रही है। जो भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों, कर्मचारियों के बारे में जानकारी देते हैं। निजी तौर पर भ्रष्ट अधिकारियों के बारे में सूचना देने वालों की संख्या चीन में बढ़ती चली जा रही है। सरकार सख्ती के साथ भ्रष्टाचारियों से निपट रही है। चीन में बड़े-बड़े अधिकारी रिश्वत मामलों में पकड़े जा रहे हैं, उनसे भारी संपत्ति बरामद की जा रही है।

भारत में भी भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। भारत में कई एजेंसियों को भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने की जिम्मेदारी दी गई है। भारत में राजनीतिक संरक्षण के कारण भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों पर उतनी सख्ती के साथ अभी कार्यवाही नहीं हो रही है। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर कोई नियंत्रण नहीं है। सरकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही करने के लिए सरकार से अनुमति लेनी पड़ती है। जो आसानी से नहीं मिलती है। न्यायालयों में कई वर्षों तक भ्रष्टाचार के प्रकरण चलते रहते हैं। जिसके कारण भारत में भ्रष्टाचार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए भारत में अन्ना आंदोलन हुआ था। उसके बाद लोकपाल संस्था का गठन हुआ। कई वर्षों तक इसमें नियुक्ति नहीं हुई। लोकपाल के पद पर सुप्रीम कोर्ट के निवृतमान न्यायाधीश नियुक्त किये गये हैं। इस संस्था ने अभी तक भ्रष्टचार की जाँच में कोई रूचि नहीं ली है। जो शिकायतें जाती हैं, वह ठंडे बस्ते में डाल दी जाती है। लोकपाल का संरक्षण भ्रष्टाचारियों को मिल रहा है? वहीं चीन ने भ्रष्टाचार के मामले में कड़ी कार्यवाही कर के बढ़त ले ली है। जिस तरह से दुनिया के देशों में महंगाई बेतहाशा बढ़ती चली जा रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां और बाजारबाद के कारण महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा हैं। सरकारें बहु राष्ट्रीय कंपनियों के हिसाब से नियम और कानून बना रही हैं। इससे अब जनता के बीच में नाराजी बढ़ने लगी है। 100 से अधिक देशों में महंगाई और पूंजीवाद के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के इस दौर में वैश्विक स्तर पर परिवर्तन बड़ी तेजी के साथ देखने को मिल रहे हैं। सरकारी अधिकारी और कर्मचारी बिना रिश्वत लिए कोई काम नहीं करते हैं। इससे सीधे आम जनता प्रभावित हो रही है। अब भ्रष्टाचार के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं। भारत में जिस तरह से जेन-जी आंदोलित है। शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी और न्यायिक व्यवस्था में बढ़ रहे भ्रष्टाचार के विरोध में युवा पीढ़ी सड़कों पर उतरकर मुखर हो रही है। भारत में विरोध प्रदर्शन का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों से थम गया था। पिछले दो-तीन महीनों में अब विरोध का सिलसिला बड़ी तेजी के साथ शुरू हुआ है। हर जगह विरोध प्रदर्शन की बाढ़ आ गई है। लोग मुखर होकर अपनी बात कह रहे हैं। जनता भी अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के ऊपर दबाव बनना शुरू हो गया है। भारत जैसे देश में अब लोग न्यायपालिका के बारे में भी खुलकर बोलने लगे हैं।

युवा भारत की धड़कन में सपने, सवाल और बदलाव की पुकार

अतुल गोयल

युवा आकांक्षाओं को आवाज, अवसर और सम्मान देने का समय...

किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। युवा केवल देश का वर्तमान नहीं बल्कि उसके भविष्य की दिशा तय करने वाली वह ऊर्जा हैं, जिनके सपनों, सवालों, नवाचारों और निर्णयों से आने वाले समाज की तस्वीर बनती है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र प्रतिवर्ष 12 अगस्त को 'अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाता है। इसका उद्देश्य युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाना, उनकी आवाज को नीति-निर्माण तक पहुंचाना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक तथा पर्यावरणीय विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। पहला अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 12 अगस्त 2000 को मनाया गया था, जिसकी अवधारणा 1991 में वियना में आयोजित विश्व युवा मंच के दौरान सामने आई थी और 1998 के लिस्बन सम्मेलन में 12 अगस्त को युवा दिवस के रूप में मनाने की सिफारिश की गई थी। दिसंबर 1999 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रस्ताव 54/120 के माध्यम से इसे औपचारिक मान्यता दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 की थीम है 'विभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएं', जो आज के वैश्विक युवा परिदृश्य को अत्यंत सटीक ढ़ंग से अभिव्यक्त करती है। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाजों और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग हों लेकिन उनकी मूल आकांक्षाएं आश्चर्यजनक रूप से समान हैं, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, आर्थिक सुरक्षा, समान अवसर, बेहतर स्वास्थ्य, निर्णय-प्रक्रिया में भागीदारी और ऐसा भविष्य, जिसमें उनकी प्रतिभा तथा परिश्रम का उचित मूल्य मिले। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, युवा चाहे छोटे द्वीपीय देशों में रहते हों, विकासशील देशों में या अपेक्षाकृत समृद्ध समाजों में, उनकी साझा आकांक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, गरिमापूर्ण कार्य, निर्णयों में अपनी आवाज और बेहतर भविष्य की चाह प्रमुख है। भारत के संदर्भ में यह थीम और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत की जनसंख्या संरचना में युवाओं की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'यूथ इन इंडिया 2022' रिपोर्ट के अनुसार 2021 में 15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आबादी कुल जनसंख्या का लगभग 27.2 प्रतिशत थी और यह संख्या लगभग 34.5 करोड़ थी। रिपोर्ट इसे भारत के लिए 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' अर्थात जनसांख्यिकीय लाभांश की महत्वपूर्ण खिड़की मानती है लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट करती है कि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए शिक्षा, रोजगार, कौशल और समावेशी विकास की प्रभावी व्यवस्था जरूरी है।

भारत ने युवाओं की क्षमता को दिशा देने के लिए राष्ट्रीय युवा नीति, नेहरू युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय सेवा योजना, स्किल इंडिया, फिट इंडिया जैसे अनेक कार्यक्रम शुरू किए हैं। डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, खेल, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में भारतीय युवाओं ने वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा सिद्ध की है। लेकिन दूसरी ओर यह भी सच है कि करोड़ों युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार की राह अभी भी असमान, अनिश्चित और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है। डिग्री बढ़ रही है लेकिन उसके अनुरूप गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर हर युवा तक नहीं पहुंच रहे। सरकारी नौकरी की कुछ हजार सीटों के लिए लाखों आवेदन और प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आने वाली अनियमितताओं ने युवाओं की बेचैनी को बढ़ाया है। यही बेचैनी हाल के दिनों में दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखाई दी। 2026 में प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर नीट से जुड़े कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर युवाओं का आंदोलन धीरे-धीरे एक व्यापक शिक्षा-सुधार आंदोलन में बदलता गया। मई में छात्रों के प्रदर्शन से शुरू हुई यह आवाज जून-जुलाई में जंतर-मंतर तक पहुंची और बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक तथा नौकरी की तैयारी कर रहे युवा वहां जुटे। इस आंदोलन का महत्व केवल किसी एक परीक्षा की अनियमितता तक सीमित नहीं था। जंतर-मंतर पर पहुंचे युवाओं की शिकायतों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पेपर लीक, परीक्षा परिणामों में देरी, शिक्षा की बढ़ती लागत, सरकारी और निजी शिक्षा के बीच अंतर, रोजगार की चिंता और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अनेक सवाल शामिल थे।

जंतर-मंतर की गूंज अब झारखंड में भी सुनाई दे रही है। वहां जेपीएससी और जेएसएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर बड़ी संख्या में युवा और अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे हैं। 10 अगस्त 2026 को रांची में विधानसभा की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव बढ़ गया तथा पुलिस ने आंसू गैस, पानी की बौछार और लाठी का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्षता, कथित अनियमितताओं की जांच और जवाबदेही शामिल है। झारखंड का आंदोलन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां युवाओं की समस्या केवल एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। सरकारी रोजगार के सीमित अवसर, आर्थिक पिछड़ापन, प्रतियोगी परीक्षाओं पर अत्यधिक निर्भरता और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह युवाओं में गहरी निराशा पैदा कर सकते हैं। जब किसी युवा के लिए सरकारी नौकरी आर्थिक और सामाजिक स्थिरता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है, तब परीक्षा में कथित गड़बड़ी उसके लिए केवल परीक्षा की समस्या नहीं बल्कि उसके पूरे भविष्य पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। हालिया घटनाओं ने इसी बेचैनी को सार्वजनिक रूप दिया है।

इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक चश्मे से देखना युवाओं की मूल पीड़ा को समझने में बाधक होगा। युवाओं के आक्रोश में राजनीतिक स्वर भले जुड़ जाएं लेकिन उसकी मूल जमीन अक्सर बहुत साधारण होती है, निष्पक्ष परीक्षा, समय पर परिणाम, पारदर्शी भर्ती, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सम्मानजनक रोजगार। आज युवा केवल नौकरी मांगने वाली पीढ़ी नहीं है। वह रोजगार पैदा करने वाली पीढ़ी भी है। स्टार्टअप से लेकर सामाजिक उद्यमिता, डिजिटल सेवाओं से लेकर ग्रामीण नवाचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लेकर हरित तकनीक तक युवा नए समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध वैश्विक आंदोलनों में भी युवाओं की सक्रिय भूमिका रही है। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को जलवायु कार्रवाई, सामाजिक उद्यम, डिजिटल समाधान और सामुदायिक विकास के महत्वपूर्ण वाहक के रूप में रेखांकित करता है। इसलिए भारत के सामने चुनौती केवल युवाओं को रोजगार देने की नहीं बल्कि उनके भीतर मौजूद क्षमता को सही अवसर देने की है। शिक्षा व्यवस्था को डिग्री-केंद्रित होने के बजाय कौशल, शोध, रचनात्मकता और रोजगार-उन्मुख बनाना होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में तकनीक के बेहतर इस्तेमाल, सुरक्षित प्रश्नपत्र प्रणाली, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और समयबद्ध परिणामों को प्राथमिकता देनी होगी। सरकारी नौकरियों पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के लिए निजी क्षेत्र, एमएसएमई, स्टार्टअप, ग्रामीण उद्यमिता और गिग तथा डिजिटल अर्थव्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण अवसर बढ़ाने होंगे। साथ ही युवाओं की मानसिक भलाई, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों और नागरिक भागीदारी को भी विकास की मुख्यधारा में स्थान देना होगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युवाओं को केवल ह्यभविष्य के नागरिकह्न कहकर उनकी वर्तमान आवाज को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे आज के नागरिक हैं और आज की नीतियों का सीधा प्रभाव उनके जीवन पर पड़ता है। इसलिए नीति-निर्माण में युवाओं की भागीदारी औपचारिक सलाह तक सीमित न रहकर वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया का हिस्सा बननी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र भी युवाओं को केवल नीतियों के लाभार्थी नहीं बल्कि विकास और लोकतांत्रिक शासन के सक्रिय भागीदार के रूप में देखने पर जोर देता है। जंतर-मंतर और झारखंड की सड़कों से उठती युवाओं की आवाज को केवल विरोध की आवाज नहीं समझना चाहिए, यह उस पीढ़ी की आकांक्षा है, जो अपने भविष्य को लेकर गंभीर है। वह कह रही है कि उसे मुफ्त वादे नहीं, निष्पक्ष अवसर चाहिए; केवल भाषण नहीं, पारदर्शी व्यवस्था चाहिए; केवल आश्वासन नहीं, परिणाम चाहिए। अलग-अलग राज्यों, भाषाओं, वर्गों और सामाजिक परिस्थितियों में रहने के बावजूद युवाओं की यह साझा मांग है कि उनके सपनों के साथ व्यवस्था भी ईमानदार हो। आज आवश्यकता युवाओं को शांत कराने की नहीं, उन्हें सुनने की है; उनकी आवाज दबाने की नहीं, उसे नीति में बदलने की है; उनके आक्रोश को अपराध मानने की नहीं, उसके कारणों को समझने की है।

भागवत की नजरों में जेन-जी आंदोलन का दृष्टिकोण

ललित गर्ग

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है।

जंतर-मंतर से उठी हाल की युवा आवाजों ने भारतीय लोकतंत्र के सामने कई नए प्रश्न खड़े किए हैं। आंदोलन को लेकर समाज में दो मत हो सकते हैं, आंदोलन की शैली, नेतृत्व और उसके राजनीतिक इस्तेमाल पर भी बहस हो सकती है, लेकिन एक बुनियादी सत्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात कहने, असहमति व्यक्त करने और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने का अधिकार है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का युवाओं और विशेषकर जेन-जी को लेकर दिया गया दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाता है। उन्होंने साफ कहा कि नई पीढ़ी सवाल करती है, तर्कसंगत उत्तर चाहती है, उसे केवल आदेश देकर नहीं समझाया जा सकता। उनके अनुसार आज जरूरत 'डिक्टेशन' की नहीं, 'डिस्कशन' की और आदेश की नहीं, सहमति की है। भागवत ने हाल में इससे भी आगे बढ़कर कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध माध्यम है और जेन-जी के आंदोलन में उठाई गई शिकायतें जायज हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी कह देना उचित नहीं है। उनका मानना है कि आंदोलन का उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना नहीं, बल्कि सहमति और समाधान की दिशा में आगे बढ़ना होना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत और छात्रों की नाराजगी के बीच संबंध की ओर भी उन्होंने संकेत किया।

भागवत के इस दृष्टिकोण की सराहना इसलिए भी की जानी चाहिए कि यह केवल किसी एक आंदोलन या किसी एक सरकार का प्रश्न नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की उस मूल आत्मा को स्पर्श करता है, जिसमें सत्ता जनता से शक्ति प्राप्त करती है और जनता की आवाज सुनना उसकी संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी है। विरोध को हमेशा विद्रोह मान लेना लोकतंत्र की समझ को संकुचित करना है। असहमति को राष्ट्रविरोध समझना उससे भी बड़ी भूल है। राष्ट्र सरकार से बड़ा है और लोकतंत्र सत्ता से बड़ा। जो नागरिक देश के भविष्य को लेकर सवाल करता है, वह जरूरी नहीं कि देश का विरोध कर रहा हो, कई बार वह देश को बेहतर बनाने की बेचैनी व्यक्त कर रहा होता है। आजादी की वर्षगांठ के अवसर पर जब हम स्वतंत्र भारत की उपलब्धियों का उत्सव मनाते हैं, तब हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी आजादी का वास्तविक अर्थ क्या है? क्या आजादी केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तक सीमित है? या इसका अर्थ यह भी है कि देश का युवा अपने भविष्य को लेकर सवाल कर सके, व्यवस्था की कमियों की ओर ध्यान आकर्षित कर सके और अपनी बात बिना भय के रख सके? यदि हम सचमुच विकसित भारत, समृद्ध भारत और शक्तिशाली भारत का सपना देखते हैं तो हमें भारत के युवाओं के सपनों को सुनना ही होगा।

भारत के महान चिंतकों ने युवाशक्ति को राष्ट्रनिर्माण का आधार माना है। स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को जागने, अपनी शक्ति पहचानने और लक्ष्य की ओर बढ़ने का आह्वान किया था। उनके चिंतन का मूल संदेश यही था कि युवा केवल राष्ट्र का भविष्य नहीं, वर्तमान की सक्रिय शक्ति भी हैं। महात्मा गांधी का विश्वास था कि परिवर्तन केवल सत्ता के गलियारों से नहीं आता, वह जागरूक नागरिकों की चेतना से आता है। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने बार-बार युवाओं के सपनों को भारत के भविष्य से जोड़ा। उनके लिए सपना वह नहीं था जो सोते समय दिखाई देता है, बल्कि वह था जो व्यक्ति को सोने नहीं देता। आज के युवाओं की बेचैनी को इसी दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। नई पीढ़ी और पिछली पीढ़ी के बीच अंतर स्वाभाविक है। पहले परिवार, विद्यालय और समाज में 'क्यों' पूछने की गुंजाइश कम थी, बड़े जो कहते थे, उसे मान लेना संस्कार समझा जाता था। आज का युवा प्रश्न करता है-क्यों, कैसे और किसलिए? वह केवल परंपरा के नाम पर किसी बात को स्वीकार नहीं करता। वह प्रमाण चाहता है, तर्क चाहता है और परिणाम देखना चाहता है। यह बदलाव चुनौती भी है और अवसर भी। यदि हम इस प्रश्नाकुलता को दबाएंगे तो कुंठा पैदा होगी, यदि इसे सही दिशा देंगे तो यही प्रश्न नवाचार, अनुसंधान और राष्ट्रनिर्माण की शक्ति बनेंगे।

विचारों के टकराव से घबराने की जरूरत नहीं है। भारतीय संस्कृति स्वयं ह्यवादे वादे जायते तत्त्वबोधःह्न की संवाद परंपरा से विकसित हुई है। उपनिषदों में प्रश्न हैं, उत्तर हैं, पुनः प्रश्न हैं। भगवान महावीर की अनेकांत दृष्टि हमें सिखाती है कि सत्य को एकांगी दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। एक ही विषय के अनेक पक्ष हो सकते हैं। इसलिए बहस लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी बौद्धिक ताकत है। समस्या बहस में नहीं, बहस के हिंसक हो जाने में है, समस्या असहमति में नहीं, असहमति के नाम पर अराजकता में है। इसीलिए भागवत की बात का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है-विरोध संविधान की मयार्दा में हो, शांतिपूर्ण हो और उसका लक्ष्य व्यक्ति को अपमानित करना नहीं, व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन लाना हो। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन लोकतांत्रिक अनुशासन के साथ। सरकार की आलोचना लोकतंत्र है, हिंसा लोकतंत्र नहीं। प्रश्न करना स्वतंत्रता है, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना स्वतंत्रता नहीं। इसलिए सरकार और आंदोलनकारी-दोनों की जिम्मेदारियां हैं। लेकिन सरकार की जिम्मेदारी अधिक बड़ी है, क्योंकि उसके पास सत्ता, प्रशासन और संस्थागत शक्ति होती है। किसी छात्र की आवाज को लाठी से दबाया जा सकता है, लेकिन उसकी आशंका को लाठी से समाप्त नहीं किया जा सकता। किसी आंदोलनकारी को राष्ट्रविरोधी कह देने से उसका प्रश्न समाप्त नहीं हो जाता। यदि उसकी मांग गलत है तो तथ्य और तर्क से उसे गलत सिद्ध किया जाए। यदि मांग सही है तो उसे स्वीकार करने में संकोच क्यों? लोकतंत्र में सरकार का सबसे प्रभावी हथियार पुलिस नहीं, संवाद है।

यहां मोहन भागवत की भूमिका एक मार्गदर्शक की तरह दिखाई देती है। उन्होंने अनेक अवसरों पर केवल प्रशंसा करने के बजाय व्यापक सामाजिक हित के प्रश्न उठाए हैं। जब सत्ता या व्यवस्था किसी दिशा में आवश्यकता से अधिक आगे बढ़ती दिखाई देती है, तब एक जिम्मेदार मार्गदर्शक का दायित्व होता है कि वह उसे आत्ममंथन की ओर ले जाए। भागवत की यह भूमिका हमें महाभारत के भीष्म पितामह की याद दिलाती है-ऐसे व्यक्ति की, जो सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी समय-समय पर धर्म, मयार्दा और व्यापक हित की याद दिलाता है। यह तुलना व्यक्ति-पूजा के लिए नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका की व्याख्या के लिए है। सरकारें जब जनता की आवाज समय पर सुनती हैं तो आंदोलन समस्या बनने से पहले समाधान बन सकता है। लेकिन जब शिकायतें महीनों और वर्षों तक फाइलों में पड़ी रहती हैं, जब संवाद के रास्ते बंद होते जाते हैं और जब नागरिक को लगता है कि उसकी सुनवाई नहीं होगी, तब असंतोष सड़क पर आता है। फिर वही आंदोलन राजनीतिक दलों, अवसरवादी तत्वों और निहित स्वार्थों के लिए मैदान बन जाता है। परिणामतः मूल मुद्दा पीछे छूट जाता है और आंदोलन का चरित्र बदलने लगता है। यही वह स्थिति है जिससे लोकतंत्र को बचाना है।

नीट और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े विवादों ने भी यही संदेश दिया है कि युवाओं के भविष्य से जुड़े मामलों में सरकार और संस्थाओं को असाधारण संवेदनशीलता दिखानी होगी। परीक्षा केवल एक प्रश्नपत्र नहीं होती, वह लाखों परिवारों के वर्षों के परिश्रम, सपनों और आर्थिक-सामाजिक आकांक्षाओं से जुड़ी होती है। यदि किसी विद्यार्थी को लगता है कि उसकी मेहनत निष्पक्ष व्यवस्था में नहीं आंकी गई, तो उसका आक्रोश स्वाभाविक है। हाल के छात्र आंदोलनों ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत को राष्ट्रीय बहस के केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में पुलिस की भूमिका भी पुनर्परिभाषित करने की जरूरत है। हर प्रदर्शनकारी अपराधी नहीं होता और हर नारा राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पुलिस को कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। राष्ट्रविरोधी गतिविधि और जायज नागरिक असहमति के बीच अंतर करना लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था की पहली कसौटी है। इसलिए मोहन भागवत की बात को केवल जेन-जी आंदोलन के संदर्भ में देखने की बजाय उसे भारत की लोकतांत्रिक यात्रा के व्यापक संदेश के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें आएंगी-जाएंगी, राजनीतिक दल बदलेंगे, आंदोलनों के स्वरूप बदलेंगे, लेकिन लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता नहीं बदलेगी, जनता को सुनना होगा।

~~~~~~~~~

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

सोने का भाव 1600 चढ़ा, चांदी में भी 3132 रुपए की तेजी

सोना 1,54,699 रुपए प्र ति 10 ग्राम, चांदी 2,41,999 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली ।

वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में मंगलवार को सोने-चांदी की कीमतों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार में जारी उतार-चढ़ाव और अनिश्चितता के माहौल के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने में अपनी दिलचस्पी बढ़ाई है। इसमें खासकर चीन के संस्थागत निवेशक और वहां के केंद्रीय बैंक की सक्रिय खरीदारी ने इन कीमती धातुओं के भावों को ऊपर चढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। इस मांग के चलते सोने के वायदा भाव में मजबूत उछाल देखने को मिला, वहीं चांदी ने भी अपनी चमक बरकरार रखी। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 1,600 रुपये की तेजी के साथ 1,54,699 रुपये पर खुला, जो पिछले बंद भाव 1,53,099 रुपये से काफी अधिक था। दिन के कारोबार में इस कॉन्ट्रैक्ट ने 1,55,437 रुपये का उच्च स्तर छुआ। इसी तरह चांदी का सितंबर कॉन्ट्रैक्ट भी 3,132 रुपये की बढ़त के साथ 2,39,999 रुपये पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,36,867 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 2,39,154 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था और दिन के दौरान 2,41,999 रुपये के भाव पर दिन का उच्चतम स्तर छू लिया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 54.40 डॉलर की तेजी के साथ 4,474.10 डॉलर प्रति औंस पर और चांदी 0.69 डॉलर की तेजी के साथ 65.96 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने का भाव लगभग 4,450 डॉलर प्रति औंस और चांदी का भाव 66 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था। यह तेजी मुख्य रूप से बाजार में अनिश्चितता से बचाव के लिए हो रही खरीदारी से प्रेरित थी। चीन में संस्थागत निवेशकों ने सोने में अपनी हिस्सेदारी काफी बढ़ा दी है, जबकि चीन के केंद्रीय बैंक ने भी अपनी सोने की खरीदारी तेज कर दी है। इस वैश्विक रुझान का असर घरेलू बाजारों पर भी साफ दिखा। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने और चांदी के वायदा भाव में मजबूत तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक, सोने का वायदा भाव 1,55,100 रुपये के करीब, जबकि चांदी का भाव 2,39,150 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा था।

अदाणी को अमेरिकी अदालत से राहत, शेयरों में शानदार उछाल

सिक्योरिटीज फ्रॉड आरोपों से बरी हुए गौतम और सागर अदाणी

नई दिल्ली। अमेरिकी अदालत से बड़ी राहत मिलने के बाद अदाणी ग्रुप के शेयरों में मंगलवार को शानदार तेजी दर्ज की गई। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी को अमेरिकी सिक्योरिटीज फ्रॉड मामले में आरोपों से बरी किए जाने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में 3.5 फीसदी तक की उछाल देखने को मिली। ब्रुकलिन स्थित अमेरिकी जिला अदालत के जज निकोलस गारौफिस ने देर रात जारी आदेश में गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ लगाए गए साजिश, सिक्योरिटीज फ्रॉड और वायर फ्रॉड के आरोपों को खारिज कर दिया। इस फैसले को अदाणी ग्रुप की अमेरिका में चल रही कानूनी मुश्किलों का अंत माना जा रहा है। इस खबर का असर मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार पर तुरंत दिखा।

जहां एक ओर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण पूरे बाजार में बिकवाली का दबाव था, वहीं अदाणी ग्रुप के सभी प्रमुख शेयर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे। अदाणी ग्रीन इनर्जी में सर्वाधिक 3.5 फीसदी की तेजी आई, जबकि अदाणी इंटरप्राइजेज 2.6 फीसदी बढ़कर 3,080 रुपये पर और अदाणी पोर्ट करीब 1.5 फीसदी चढ़े।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 388, निफ्टी 112 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं से भी बाजार गिरा है। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते की उम्मीदें कमजोर पड़ने से भी निवेशकों में सतर्कता का माहौल देखा गया। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 388.19 अंक की गिरावट के साथ ही 78,154.25 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.10 अंक नीचे आकर 24,471.70 पर बंद हुआ। आज बाजार में बिकवाली हावी रही। एफएमसीजी और रियल्टी स्टॉक्स में सबसे अधिक बिकवाली का दबाव रहा। सूचकांकों में निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी रियल्टी में सबसे अधिक गिरावट रही। वहीं निफ्टी मेटल , निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी कमोडिटीज, , निफ्टी प्राइवेट बैंक में भी गिरावट रही जबकि

निफ्टी फार्मा, निफ्टी आईटी , निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुए। लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स गिरावट के साथ ही 63,843.85 पर और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 43.20 अंक तेजी के साथ 19,857.15 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक और टीसीएस के शेयर उछले जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस बैंक, इंडिगो, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, आईटीसी, एमएंडएम, टाटा स्टील, एचयूएल, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी आदि गिरावट पर बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सुबह शुरुआत के बाद निफ्टी 107.15 अंक गिरकर 24,475.55 के स्तर पर आ गया जबकि सेंसेक्स 383.79 अंक की गिरावट के साथ 78,158.65 पर पहुंच गया।

ब्लिंकिट स्टोर का लाइसेंस निलंबित, रिलायंस से सड़ी मिठाई जब्त

ब्लिं किट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में कॉकरोच मिले

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने राज्य में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों के उल्लंघन पर बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई के मलाड स्थित क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म` ब्लिं किट के एक डार्क स्टोर का लाइसेंस गंभीर गंदगी और अनियमितताओं के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं बुलढाणा में` रिलायंस` रिटेल के एक आउटलेट से फफूंद लगी और कीड़े वाली काजू कतली के 54 बॉक्स जब्त किए गए हैं। मलाड वेस्ट के` ब्लिं किट स्टोर के निरीक्षण में सब्जियों-फलों के स्टोरेज में भारी संख्या में कॉकरोच मिले। कोल्ड रूम में एक्सपायर्ड व टैम्पर्ड पैकेजिंग वाले उत्पाद और खराब साफ-सफाई पाई गई। कीड़े-चूहों की रोकथाम और कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता संबंधी नियमों की अनदेखी भी सामने आई। इन गंभीर खामियों के चलते स्टोर का लाइसेंस निलंबित कर दिया। बुलढाणा में उपभोक्ता शिकायत के बाद एफडीए टीम ने एआरडी` सिनेमा स्थित`` रिलायंस रिटेल आउटलेट पर कार्रवाई की।

कच्चे तेल में तेजी, डब्ल्यूटीआई 82.18 डॉलर तो ब्रेंट कूड 87.76 डॉलर

नई दिल्ली ।

वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उठापटक जारी है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों में लगातार तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.18 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 87.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जिसमें मामूली बढ़त दर्ज की गई है। ईरान द्वारा अमेरिका से कुछ कड़ी शर्तें रखे जाने से इस अहम समुद्री मार्ग से आपूर्ति शुरू होने में देरी हो रही है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय बाजारों पर पड़ रहा है। ईरान और ओमान के बीच नई शिपिंग लेन के समझौते को अंतिम चरण में बताया जा रहा है। हालांकि, ईरान चाहता है कि अमेरिका उसकी कुछ मांगों को पूरा करे, जिनमें मुआवजा, प्रतिबंधों को खत्म करना और सैन्य धमकियों को बंद करना शामिल है। इन्हीं मांगों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की स्थिति साफ नहीं हो पा रही है। इससे पहले सोमवार को तेल की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। यह समुद्री मार्ग दुनिया की लगभग पांचवें हिस्से की तेल आपूर्ति का रास्ता है। पिछले हफ्ते समझौते की उम्मीदों के चलते कीमतों में 7 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी, लेकिन अब अनिश्चितता बढ़ने से फिर उछाल दर्ज की जा रही है। नेचुरल गैस, हीटिंग ऑयल और गैसोलीन जैसी अन्य कमोडिटीज़ में हल्की गिरावट देखी गई है, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें होर्मुज गतिरोध के चलते दबाव में हैं।

एचडीएफसी बैंक ने घटाई ब्याज दर, बैंक आफ बड़ौदा ने बढ़ाई

कर्जदारों को तत्काल फायदा या नुकसान नहीं होगा

नई दिल्ली ।

देश के दो प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में बदलाव किया है. एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर में 5 बेसिस पॉइंट तक की कटौती की है, जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी 3 महीने की एमसीएलआर में 10 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी की है. ये नई दरें अगस्त के पहले या दूसरे सप्ताह से प्रभावी हुई हैं, पर इसका हर कर्जदार पर तत्काल असर नहीं होगा! एचडीएफसी बैंक की नई दरें 7 अगस्त से लागू हैं, जिसके बाद अलग-अलग अवधि के लिए एमसीएलआर अब 8 फीसदी से 8.65 फीसदी के बीच है. बैंक ने अपनी ज्यादातर एमसीएलआर में 0.05 प्रतिशत की कमी की है. हालांकि, इसका फायदा उन्हीं ग्राहकों को मिलेगा जिनका लोन एमसीएलआर से जुड़ा है और जिनकी ब्याज दर की अगली रीसेट डेट अभी बाकी है. लोन की अंतिम ब्याज दर एमसीएलआर और बैंक के स्प्रेड को मिलाकर तय होती है।

इसके विपरीत बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 महीने की एमसीएलआर को 10 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 8.30 फीसदी कर दिया है, जो 12 अगस्त से प्रभावी है. इससे एमसीएलआर से जुड़े कुछ ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा हो सकता है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि अक्टूबर 2019 के बाद दिए गए अधिकांश फ्लोटिंग रेट रिटेल लोन बाहरी बेंचमार्क, जैसे रेपो रेट, से जुड़े होते हैं, न कि एमसीएलआर से ऐसे ग्राहकों पर इन एमसीएलआर बदलावों का सीधा असर नहीं होता और उन्हें अपनी ब्याज दर के लिए रेपो रेट के बदलावों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि उनकी दरें आमतौर पर हर तीन महीने में रीसेट होती हैं।

मारुति ग्रैंड विटाय की घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की लोकप्रिय एसयूवी ग्रैंड विटारा ने अपनी बिक्री के 4 लाख यूनिट्स के आंकड़े को छू लिया है। अपने लॉन्च होने के बाद से लेकर जून 2026 तक इस एसयूवी ने घरेलू बाजार में कुल 4,01,007 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की है, जबकि 62,500 यूनिट्स का निर्यात भी किया गया है।

यह उपलब्धि ग्रैंड विटारा ने 45 महीनों में हासिल की है, जिसे मारुति के प्रीमियम नेक्सा शोरूम के माध्यम से बेचा जाता है। ग्राहक औसतन हर महीने 8,911 यूनिट्स और हर दिन लगभग 293 लोग इस एसयूवी को खरीद रहे हैं। हालांकि, 4 लाख के आंकड़े तक पहुंचने में इसे दूसरी पीढ़ी की हुंडई क्रेटा के मुकाबले 21 महीने ज्यादा लगे, जिसने यह मुकाम 25 महीनों में हासिल कर लिया था। फिर भी, ग्रैंड विटारा ने मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में कई रिकॉर्ड बनाए हैं; यह 1 लाख यूनिट (12 महीने में), 2 लाख यूनिट (22 महीने में, पहली पीढ़ी की क्रेटा को पीछे छोड़ते हुए) और 3 लाख यूनिट (कुल 10 महीने में 2 से 3 लाख तक) तक पहुंचने वाली सबसे तेज एसयूवी रही है। ग्रैंड विटारा अपने हाइब्रिड इंजन के लिए जानी जाती है, जो एक फुल टैंक पर 1200 किमी तक की रेंज प्रदान करती है और 27.97 किमी/लीटर तक का प्रभावशाली माइलेज देती है। इसमें 1.5 लीटर का के15 माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड पावरट्रेन विकल्प मौजूद है।

वित्त वर्ष 2025 ग्रैंड विटारा के लिए सबसे अच्छा साल रहा, जिसमें 1,23,946 यूनिट्स की बिक्री हुई। यह मारुति की नेक्सा डीलरशिप के जरिए बेची जाने वाली दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी है, जो मारुति फ्रोंक्स के बाद है। सुविधाओं की बात करें तो, इसमें 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस चार्जिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स शामिल हैं।

रुपया गिरावट के साथ 92.78 पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपय 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.34 पर बंद हुआ। आज सुबह अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 95.38 पर खुला। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती गिरावट से रुपये पर दबाव आया। हालांकि, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के हस्तक्षेप से रुपये को बल मिला, जिससे इसमें और अधिक गिरावट नहीं आई। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट के साथ 95.30 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 99.77 पर रहा।

लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा के कई रेंडर आए सामने

नई दिल्ली ।

अपने लॉन्च से पहले थर्ड जनरेशन की हुंडई क्रेटा एसयूवी के कई रेंडर सामने आए हैं, जिसमें इसका 360 डिग्री लुक देखा जा सकता है। ये डिजाइन सीधे तौर पर एक साइंस-फाई फिल्म से प्रेरित लगता है, जो इसे मौजूदा मॉडल से पूरी तरह अलग पहचान देता है और इसे बाजार में एक अनोखी जगह देगा।

इस नए और भविष्यवादी डिजाइन की प्रेरणा नवंबर 2025 में ऑटोमोबिलिटी एलए (लॉस एंजिल्स ऑटो शो) में पेश किए गए क्रेटर कॉन्सेप्ट से मिली है। वर्तमान मॉडल की घुमावदार बॉडी पैनलिंग की जगह अब तेज और अधिक कोणीय सतहों का इस्तेमाल किया गया है, जो एसयूवी को एक मजबूत और आधुनिक स्वरूप प्रदान करता है। कार का फ्रंट फेसिया अब अधिक सीधा और थोड़ा लंबा नजर आता है, जिससे इसकी सुरक्षा में भी सुधार होगा। इसमें पिक्सेल स्टाइल एलईडीडीआरएलएस और गहराई से लगाए गए हेडलैम्प्स दिखते हैं, जो आंशिक रूप से बंद ग्रिल के साथ एकरूपता बनाए रखते हैं। नई क्रेटा में चार पार्किंग सेंसर के साथ एक प्रमुख ब्लैक-आउट बम्पर है जिसमें हॉरिजोंटल और वर्टिकल ट्रिम इंसर्ट्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल में व्हील आर्च पर विशिष्ट कैरेक्ट लाइनें और मौजूदा मॉडल की अंडाकार इकाइयों की तुलना में अधिक चौकोर ओआरवीएम्स का उपयोग किया गया है। पीछे की तरफ, इसमें हॉरिजोंटली रखे गए स्पेसिफिक पिक्सेल शैली के टेल लैंप हैं, जो एक एलईडीडी लाइट स्ट्रिप और चमकदार ब्लैक ट्रिम के साथ जुड़े हुए दिखते हैं, जिससे एक कनेक्टेड प्रोफाइल बनती है।

अन्य बाहरी फीचर्स में नए एलॉय व्हील, बॉडी कलर के डोर हैंडल, ब्लैक बी पिलर्स, ढलान वाली छत, छत की रेलिंग और एक शार्क फिन एंटीना शामिल हैं। इंटीरियर में एडवांस्ड कनेक्टिविटी फीचर्स (जैसे ब्लूलिंक), लेवल 2+ एडीडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और एक अपडेटेड हाइब्रिड इंजन मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि हुंडई अपनी अगली पीढ़ी की क्रेटा एसयूवी पर काम कर रही है, जिसे कोडनेम एसएक्स3 दिया गया है। इसके साल के आखिर या 2027 की शुरुआत में पेश किए जाने की उम्मीद है।

यूपीआई रहेगा शुल्क-मुक्त, बड़े कारोबारी पर ही लगेगा एमडीआर- वित्त मंत्री

राज्यसभा में सांसदों को दिया आश्वासन, छोटे व्यापारियों को भी एमडीआर से मिलेगी छूट

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में सांसदों को आश्वस्त किया कि ग्राहकों के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से डिजिटल भुगतान हमेशा शुल्क-मुक्त रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में कोई भी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) केवल एक निश्चित सीमा से ऊपर के सीमित कारोबारी लेनदेन पर ही लागू होगा। यह जानकारी उन्होंने कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पर हुई चर्चा के दौरान दी। यह विधेयक राज्यसभा से पारित हो चुका है और अब इसे कानून बनने के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार है। इसमें भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में संशोधन का प्रस्ताव है ताकि एमडीआर नामक एक लेनदेन शुल्क का प्रावधान किया जा सके। हालांकि, वित्त मंत्री ने साफ किया कि इसका उद्देश्य यूपीआई उपयोगकर्ताओं पर कोई कर या लेनदेन शुल्क लगाना नहीं है।

विधेयक पारित होने के बाद एक समिति इस बात पर विचार करेगी कि एमडीआर लागू किया जाना चाहिए या नहीं और यदि हां, तो उसका दायरा एवं ढांचा क्या होगा। सीतारमण ने कहा कि फिलहाल किसी एमडीआर ढांचे को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटे व्यापारियों, जिनमें चाय विक्रेता, सब्जी विक्रेता, स्ट्रीट वेंडर, फूल विक्रेता, ऑटो चालक और किराना स्टोर शामिल हैं, पर एमडीआर लागू नहीं किया जाएगा।

ट्रंप मीडिया ने कई कारोबार समेटे, विवादित फास्ट फीड से आय पर जोर

राष्ट्रपति की पोस्ट के फास्ट फीड से सालाना करोड़ों कमाने का लक्ष्य, नैतिक सवाल उठे

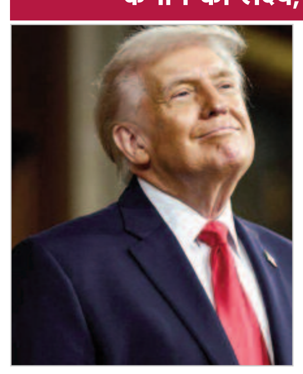

न्यूयॉर्क ।

वित्तीय संकट और शेयरों में भारी गिरावट का सामना कर रही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीडिया कंपनी ने अपने कारोबारी मॉडल में बड़ा बदलाव किया है। ट्रुथ सोशल की मूल कंपनी, ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप (टीएमटीजी) ने ऑनलाइन सट्टेबाजी, वित्तीय सेवाओं और परमाणु ऊर्जा जैसे कई असफल कारोबारी विस्तार को रद्द कर दिया है। एक अरब डॉलर से अधिक का घाटा झेल चुकी कंपनी अब अपने मूल मीडिया कारोबार पर फिर से ध्यान केंद्रित कर रही है। टीएमटीजी ने अपने शेयरों में गिरावट और भारी नुकसान के बाद कई नए कारोबारी विस्तार को समेटने का फैसला किया है। इसके बजाय कंपनी अब एक नई रणनीति पर काम कर रही है, जिसके तहत उसने ट्रुथ एपीआई नामक एक सशुल्क सेवा शुरू की है। यह सेवा ग्राहकों को राष्ट्रपति ट्रंप की पोस्ट तक सामान्य उपयोगकर्ताओं की तुलना में अधिक तेजी से पहुंच प्रदान करती है। कंपनी के सीईओ केविन मैकगर्न के अनुसार, इस सेवा से जुड़ने वाली हाई-स्पीड ट्रेडिंग कंपनियां प्रति माह 60,000 डॉलर से 100,000 डॉलर तक का भुगतान कर रही हैं। सेवा शुरू होने के एक सप्ताह के भीतर 10 कंपनियां इससे जुड़ चुकी हैं, जिससे कंपनी को सालाना 72 लाख डॉलर से 1.2 करोड़ डॉलर तक की अतिरिक्त आय होने का अनुमान है। यह आय कंपनी के गहरे वित्तीय घाटे को भरने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। हालांकि, विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी और शासन पर नजर रखने वाले समूहों ने इस फास्ट फीड सेवा को लेकर गंभीर नैतिक सवाल उठाए हैं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप की सरकारी जिम्मेदारियों और उनके कारोबारी हितों के बीच संभावित टकराव पर चिंता व्यक्त की है। कंपनी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि अन्य सोशल मीडिया कंपनियां भी इसी तरह की सेवाएं प्रदान करती हैं, जबकि व्हाइट हाउस ने हितों के टकराव से इनकार किया है।

पावर ग्रिड में दिलचस्प बदलाव- बीमा कंपनियों ने बढ़ाई हिस्सेदारी, एआईआई ने घटाई

छह महीने में घरेलू बीमा कंपनियों ने 2.4 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाई, विदेशी निवेशकों ने कम की

नई दिल्ली ।

पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (पीजीसीआईएल) में बड़े संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी में एक दिलचस्प बदलाव देखने को मिला है।

जून 2026 तिमाही के आंकड़ों के अनुसार जहां घरेलू बीमा कंपनियों ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाई है, वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी होल्डिंग में मामूली कमी की है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब देश के बिजली पारेषण नेटवर्क की यह प्रमुख कंपनी अगले कुछ सालों के लिए एक विशाल ऑर्डर बुक के साथ मजबूत स्थिति में है, जिसका कुल मूल्य 1.76 लाख करोड़ रुपये है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 से जून 2026 तक प्रमोटर (सरकार) की हिस्सेदारी 51.3 फीसदी पर स्थिर रही। हालांकि, संस्थागत निवेशकों के बीच हिस्सेदारी का पैटर्न बदल गया। बीमा कंपनियों ने इस अवधि में अपनी हिस्सेदारी 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 6.9 फीसदी कर ली, जो केवल छह महीनों में 2.4 प्रतिशत अंकों की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसके विपरीत, विदेशी संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी दिसंबर 2025 के 24.8 फीसदी से घटकर जून 2026 तक 24.3 फीसदी रह गई। म्युचुअल फंड और अन्य घरेलू संस्थानों की हिस्सेदारी भी थोड़ी घटकर 13.6 फीसदी पर आ गई। रिपोर्ट में हालांकि इन बदलावों के पीछे कोई विशिष्ट कारण नहीं बताया गया है, और इससे सीधे तौर पर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि बीमा कंपनियों का भरोसा बढ़ा है या विदेशी निवेशक दूर हो रहे हैं। कंपनी की सबसे बड़ी ताकत उसकी भविष्य की विकास क्षमता और मौजूदा मजबूत ऑर्डर बुक है।

पावर ग्रिड के पास मौजूदा समय में लगभग 1.76 लाख करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट हाथ में हैं, जो पिछले एक साल में 18 फीसदी की वृद्धि दर्शाते हैं। इसमें 1.46 लाख करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली वाले प्रोजेक्ट और 25,000 करोड़ रुपये के अन्य प्रमुख प्रोजेक्ट शामिल हैं। भविष्य में लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये के नए प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं, जिनमें से 73,900 करोड़ रुपये के लिए बोली प्रक्रिया जारी है।

गॉल में भारत का रिकॉर्ड

1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले, भारत को 22 में जीत मिली है

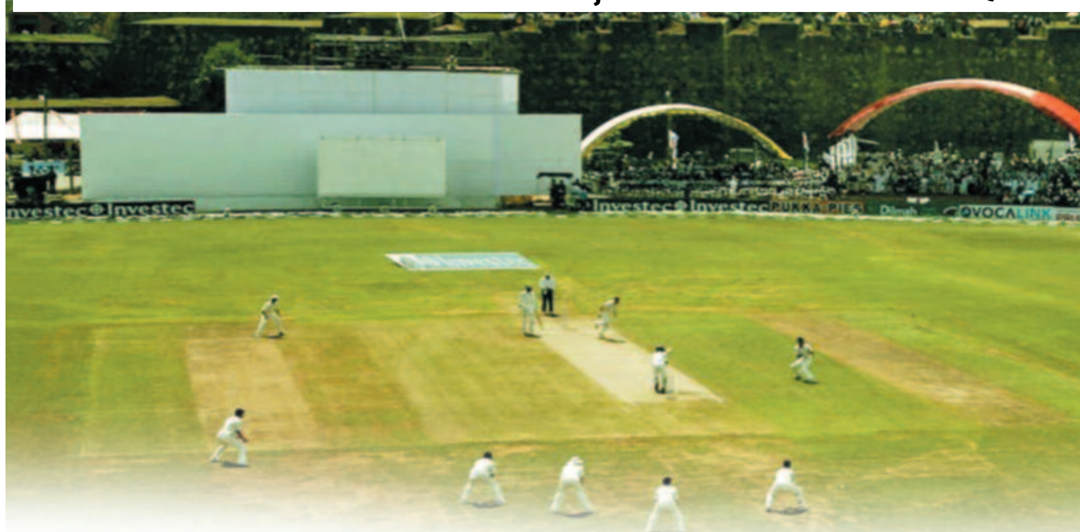

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारत का रिकॉर्ड शानदार है। दोनों देशों के बीच 1982 से 2022 के बीच 46 मैच खेले गए। भारत को 22 में जीत मिली है और 7 में हार का सामना करना पड़ा। 17 मैच ड्रॉ रहे हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में भारतीय टीम 11 साल से अजेय है। 2015 में उसे 63 रन से हार मिली थी। यह मैच गॉल में ही खेला गया था, जहां भारत-श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से पहला मैच खेला जाएगा। केएल राहुल उस मैच का हिस्सा थे और उनका बल्ला नहीं चला था। पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 4 रन बनाकर आउट हो गए। शिखर धवन और विराट कोहली ने पहली पारी में शतक जड़े थे।

श्रीलंका से आखिरी बार यहीं टेस्ट गंवाया, केएल राहुल थे हिस्सा

2015 गॉल टेस्ट के बाद भारत का दबदबा

इस मैच के बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 10 मैच हुए हैं। भारतीय टीम 8 मैच जीती है और 2 मैच ड्रॉ रहे हैं। एक मैच गॉल में भी हुआ है, जिसमें भारत ने 2017 में 304 रनों से जीत दर्ज की थी। भारत ने गॉल में 5 मैच खेले हैं। 2 में जीत मिली है और 3 में हार का सामना करना पड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

25 हजार+ रन और 577 विकेट

ब्रेट ली ने तेंदुलकर नहीं इस दिग्गज को बताया सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

नई दिल्ली। मास्टर ब्लास्ट सचिन तेंदुलकर दुनिया के उन चुनिंदा क्रिकेटरों में से एक हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे दोनों में 10,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के महान खिलाड़ी जैक्स कैलिस दुनिया के इकलौते ऐसे क्रिकेटर हैं, जिन्होंने टेस्ट और वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ दोनों फॉर्मेट में 250 से ज्यादा विकेट भी लिए हैं। तेंदुलकर टेस्ट और वनडे में क्रमश: 15,921 और 18,426 रन स्कोर के साथ सबसे ज्यादा रन

बनाने वाले खिलाड़ी हैं, वहीं कैलिस को दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। उन्होंने तीनों प्रारूप मिलाकर 25000 से ज्यादा रन बनाए हैं और 277 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया है कि वे तेंदुलकर को अब तक का सबसे बेहतरीन बल्लेबाज और कैलिस को अब तक का सबसे बेहतरीन क्रिकेटर मानते हैं।

सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस- ली ने यूट्यूब पर पॉडकास्ट 'द रणवीर शो' में बात करते हुए कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि मेरे हिसाब से सचिन तेंदुलकर अब तक के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन मेरी राय में सबसे बेहतरीन क्रिकेटर जैक कैलिस हैं। उनके आंकड़े दुनिया में सबसे अच्छे हैं। अगर आप उनके आंकड़े देखें तो वे कभी झूठ नहीं बोलते। वे सच में कमाल के हैं।'

कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे- ली ने आईपीएल में कैलिस के साथ बिताए अपने समय के बारे में भी बात की और बताया कि बैटिंग करने जाने से पहले कैलिस दबाव में कभी नहीं दिखते थे।

KBC में अमिताभ बच्चन ने पूछा सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल

आमिर खान-सनी देयोल को नहीं पता था जवाब

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के 18वें सत्र के पहले एपिसोड में दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने आमिर खान, प्रीति जिंटा और सनी देओल ने भारतीय के उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से जुड़ा सवाल पूछा। आमिर खान और सनी देओल को इसकी इसकी जानकारी नहीं थी। पंजाब किंग्स की सह-

मालकिन प्रीति जिंटा ने इसका जवाब दिया, लेकिन वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थीं। अमिताभ बच्चन ने 1 लाख रुपये के सवाल में पूछा कि इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में ऑरेंज कैप कौन जीता? इसके लिए स्क्रीन पर पर्पल कैप के सामने गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की फोटो दिखाई गई और पूछा गया कि ऑरेंज कैप के सामने किस खिलाड़ी को फोटो आएगी। इनमें 4 ऑप्शन केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी थे।

मुझे लगता है वैभव सूर्यवंशी- आमिर खान ने स्क्रीन की ओर देखते हुए प्रीति जिंटा से कहा, 'यार क्रिकेट का आपको पता होना चाहिए।'

घुटने की चोट के कारण

सिनसिनाटी ओपन से हटे यानिक सिनर

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका मानाा जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा। सिनर ने एक बयान में कहा, 'अपने डॉक्टरों और अपनी टीम से सलाह लेने के बाद मुझे यह बताना पड़ रहा है कि मुझे सिनसिनाटी में मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट से हटना होगा। मेरे दाहिने घुटने में दिक्कत हो रही है और भले ही मेरी मेडिकल टीम के साथ हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन मुझे यह मानना ??होगा कि मैं अभी खेलने के लिए तैयार नहीं हूं। '

सिनर ने एक और बड़े टूर्नामेंट में हिस्सा न ले पाने पर निराशा जताई, लेकिन साथ ही कहा कि उनका अभी पूरा ध्यान ठीक होने पर है ताकि वे यूएस ओपन के लिए तैयार हो सकें। 'सिनसिनाटी में न खेल पाने से मैं बहुत निराश हूं। मैं अगले साल वापसी करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं और अब मेरा ध्यान यूएस ओपन के लिए तैयार होने पर है। '

उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे।इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

रोहित की छुट्टी

IPL खेल चुके खिलाड़ी को कमान, वनडे में नेपाल का बदला कप्तान

नई दिल्ली। नेपाल ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के मेंस प्रीमियर कप से पहले वनडे क्रिकेट में कप्तान बदल दिया है। यह 50 ओवर का टूर्नामेंट 2027 एसीसी मेंस एशिया कप के लिए क्वालिफायर के तौर पर काम करता है। नेपाल ने इस टूर्नामेंट से पहले अनुभवी खिलाड़ी संदीप लामिछाने को रोहित पौडेल की जगह कप्तान बना दिया है।

लामिछाने के पास इंडियन प्रीमियर लीग में भी खेलने का अनुभव है। 2018-2019 में दिल्ली डेयरडेविल्स (दिल्ली कैपिटल्स) का हिस्सा थे और 9 मैच खेले थे। उन्होंने 13 विकेट लिए थे। 26 साल के इस लेग स्पिनर ने वनडे में 77 मैच खेले हैं और 154 विकेट लिए हैं।

पौडेल की कप्तानी में निखरा नेपाल- 2022 में पौडेल के कप्तानी संभालने से पहले लामिछाने ने 14 वनडे मैचों में नेपाल की कप्तानी की थी। पौडेल ने अपने कार्यकाल में टीम को सफलता दिलाई। उन्होंने आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 में नेपाल को 12 में से 11 वनडे मैच जिताने में मदद की, जिससे टीम ने जून 2023 में जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर में जगह बनाई।

लामिछाने की उपलब्धियां

पौडेल ने बैटिंग ऑर्डर में एक भरोसेमंद और अहम खिलाड़ी की भूमिका निभाई। लामिछाने के नाम उपलब्धियां दर्ज हैं। वह वनडे में सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले नेपाली खिलाड़ी है। वह टी20 इंटरनेशनल में 100 विकेट लेने वाले नेपाल के पहले खिलाड़ी हैं।

अफगानिस्तान वनडे वर्ल्ड 2027 के लिए क्वालिफाई

- आयरलैंड को तीसरे वनडे में 3 विकेट से हराया, राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने तीसरे वनडे में आयरलैंड को 3 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने अफगानिस्तान ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई कर लिया। बेलफास्ट में सोमवार को अफगानिस्तान ने गेंदबाजी चुनी। उसने आयरलैंड को 46.3 ओवर में 206 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर 44.5 ओवर में 7 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। राशिद खान ने नाबाद 37 रन की पारी खेली। उन्होंने 3 विकेट भी झटके।

राशिद और यामिन ने जीत दिलाई

अफगानिस्तान ने एक समय 176 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद राशिद खान ने नाबाद 37 रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों की पारी में 4 चौके लगाए। राशिद ने यामिन अहमदजई के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई। यामिन अहमदजई 26 गेंदों पर 4 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने अफगानिस्तान को 44.5 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

अफगानिस्तान कैसे क्वालिफाई हुआ

अफगानिस्तान इस समय वनडे रैंकिंग में 8वें नंबर पर है। उसने आयरलैंड पर लगातार दूसरी जीत हासिल की है। इसके सहारे टीम 30 सितंबर 2026 तक वनडे रैंकिंग में खुद को टॉप-8 में कायम रख सकेगी। जोकि वनडे वर्ल्डकप क्वालिफिकेशन की कटऑफ डेट है।

UPT20: जुरेल जैसे भारतीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से कैसे मिलता है फायदा?

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश टी20 (क्क्ष20) लीग का चौथा सीजन इस बार और भी भव्य और रोमांचक होने जा रहा है। गोरखपुर लायंस की टीम ने टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज आर्यन जुयाल

और तेज गेंदबाज विशाल निषाद ने टीम की तैयारियों, रणनीतियों और आगामी सीजन पर मीडिया से विशेष बातचीत की। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि ध्रुव जुरेल जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलने से क्या लाभ मिलता है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल में चुने जा चुके हैं खिलाड़ियों के अनुसार इस सीजन में प्रतिस्पर्धा का स्तर कहीं अधिक ऊंचा रहने वाला है। टीम प्रबंधन और ओनरशिप ने ऑक्शन से लगभग डेढ़ महीने पहले ही होमवर्क शुरू कर दिया था, जिसके दम पर एक संतुलित और मजबूत टीम कॉम्बिनेशन तैयार किया गया है।

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: बंदरों से निपटने का उपाय

लंगूर की आवाज निकालने वालों की ली जाएगी सेवा

नई दिल्ली। अगले सप्ताह दिल्ली में शुरू होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के दौरान बंदरों के खलल को रोकने के लिए आयोजकों ने एक अनोखा उपाय अपनाया है। उन्होंने तीन पेशेवर विशेषज्ञों को बुलाया है, जो लंगूर की तरह आवाज निकाल सकते हैं ताकि बंदरों को स्टेडियम से दूर भगाया जा सके।

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने माना कि यह उपाय सुनने में लोगों को मजाकिया लग सकता है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे यह भी पता चलता है कि भारत इस विश्वस्तरीय आयोजन को सफल बनाने के लिए कितनी गंभीरता से प्रयास कर रहा है।

इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प- 17 वर्षों बाद भारत में लौट रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई)

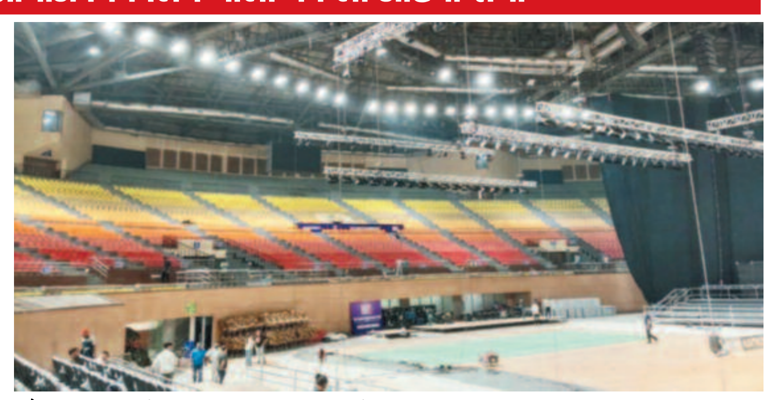

और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने मिलकर इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम का व्यापक कायाकल्प किया है। इसका उद्देश्य इस वर्ष जनवरी में हुए इंडिया ओपन के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई आलोचना जैसी स्थिति से बचना है।

- **'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदर-** आयोजकों ने तीन प्रशिक्षित 'मंकी व्हिस्परर्स' (बंदरों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ) को नियुक्त किया है, जो लंगूर की आवाज निकालकर 'रीसस मकाक' प्रजाति के बंदरों को डराकर भगाएंगे।

इंडिया ओपन में डाला था खलल

इंदिरा गाधी स्टेडियम में ही 17 से 23 अगस्त तक विश्व चैंपियनशिप आयोजित होगी। यह अनोखा कदम जनवरी में हुए इंडिया ओपन के बाद उठाया गया है। उस टूर्नामेंट के दौरान बंदर दर्शक दीर्घा तक पहुंच गए थे, जिससे कुछ समय के लिए मुकाबलों में व्यवधान पड़ा और इसकी तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियां बनी थीं।

लंगूर से डरते हैं 'रीसस मकाक'

विशेषज्ञों के अनुसार, 'रीसस मकाक' बंदर लंगूर से डरते हैं। लंगूर आकार में उनसे काफी बड़े होते हैं। इसी स्वाभाविक डर का फायदा उठाने के लिए लंगूर की आवाज की नकल का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐसे कार्यों के लिए वास्तविक लंगूरों के इस्तेमाल पर वर्ष 2012 में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

यशपाल शर्मा

वर्ल्ड कप 1983 के नायक, जिन्होंने मुश्किल हालात में टीम इंडिया को संभाला था

नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम के अहम सदस्य रहे यशपाल शर्मा ने कठिन परिस्थितियों में देश के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। वह क्रिकेट प्रेमियों के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं। 11 अगस्त 1954 को लुधियाना में जन्मे दाएं हाथ के बल्लेबाज यशपाल शर्मा अपने मजबूत डिफेंस से किसी भी अटैक को बेअसर करने में माहिर थे। 1977-78 में दिलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की तरफ से खेलते हुए उन्होंने साउथ जोन के खिलाफ 173 रन की पारी खेलकर अपनी पहचान बनाई। अगले सीजन में यशपाल ने पाकिस्तान का दौरा किया, लेकिन टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सके। हालांकि, कुछ वक्त बाद टीम में आखिरकार मौका मिल ही गया। करीब दो दशक लंबे प्रथम श्रेणी करियर में यशपाल ने 160 मैच खेले, जिसमें 44.88 की औसत के साथ 8,933 रन बनाए। इस दौरान 21 शतक और 46 अर्धशतक शामिल रहे। यशपाल ने फर्स्ट क्लास करियर में 201 रन की नाबाद पारी भी खेली है। साल 1978 से 1985 के बीच यशपाल ने भारत के लिए 37 टेस्ट और 42 वनडे मैच खेलते हुए मिडिल ऑर्डर को मजबूती दी। इस दौरान उनके बल्ले से टेस्ट फॉर्मेट में 33.45 की औसत के साथ 1,606 रन निकले, जिसमें 2

शतक और 9 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं, वनडे फॉर्मेट में इस बल्लेबाज ने 28.48 की औसत के साथ 883 रन बनाए। 1981-82 में यशपाल शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ 140 रन बनाते हुए जीआर विश्वनाथ के साथ 316 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यशपाल वनडे वर्ल्ड कप 1983 की विजेता टीम का अहम हिस्सा रहे हैं, जो उस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों के मामले में दूसरे पायदान पर रहे, उन्होंने 8 मुकाबलों में 34.29 की औसत के साथ 240 रन बनाए। यशपाल ने ग्रुप स्टेज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 89 रन, जबकि सेमीफाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 61 रन की पारी खेली थी। रिटायरमेंट के बाद यशपाल कोचिंग, कमेंट्री और क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे। उन्होंने दो चरणों (साल 2004-05 और 2008-11) में नेशनल सिलेक्टर के तौर पर काम किया। कई घरेलू मुकाबलों में मैच रेफरी की भूमिका निभा चुके यशपाल शर्मा दिल्ली की क्रिकेट सलाहकार समिति का भी हिस्सा रहे। 13 जुलाई 2021 को दिल का दौरा पड़ने से यशपाल शर्मा का निधन हो गया। इस दिग्गज क्रिकेटर ने अपने करियर में साबित किया है कि बड़े मंच पर दबाव के बावजूद आत्मविश्वास और मेहनत से सफलता हासिल की जा सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली -3976

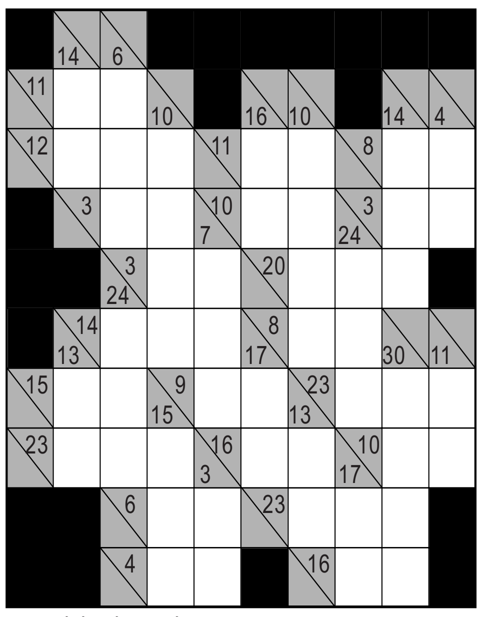

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3975 का हल

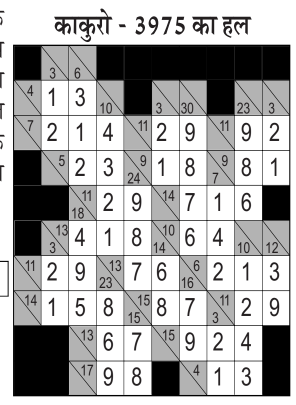

लॉफिंग ज़ोन

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।
अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।
रमन- ये भी मेरी नहीं है।
अंकल- तो फिर किसकी है?
रमन- लाँड्री वाले की..!

□ □ □

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

□ □ □

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3976

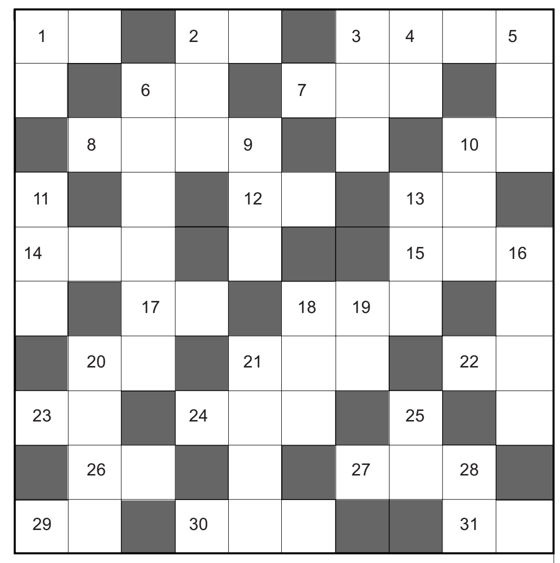

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्टा की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरूख, चंद्रचूड, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणीधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3975

सूडोकु -3976

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3975 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 3976

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -3975 का हल

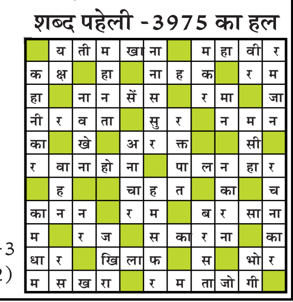

झुर्रियों के लिए करें एक्स्ट्रा केयर

प्रदूषण धूल-मिट्टी, तनाव, धूप और दौडभाग न जाने कितनी चीजों का सामना करना पडता है हमारी त्वचा को। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र से पहले ही चेहरे पर झुर्रियां पड जाती हैं। यदि चेहरे व शरीर की त्वचा की सही देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

झुर्रियां क्यों पडती हैं

- समय के साथ त्वचा का प्राकृतिक तेल नष्ट होने लगता है और त्वचा में सूखापन आने लगता है। रूखी त्वचा पर पपडी वाले चकत्ते पड जाते हैं। त्वचा में नमी व चिकनाई का अभाव हो जाता है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास भी लकीरें उभरने लगती हैं। गर्दन व गालों पर झुर्रियां पडने लगती हैं।
- सूर्य की तेज किरणें भी त्वचा की शत्रु हैं। वैसे तो शरीर के स्वास्थ्य के लिए सूर्य की किरणों से मिलने वाला विटमिन डी अति आवश्यक है, परंतु चेहरे की मुलायम त्वचा को सूरज की तेज किरणों से बचाना आवश्यक होता है। अन्यथा चेहरा झुलस सकता है। तेज यूवीए और यूवीबी किरणों से त्वचा का कैंसर तक होने का खतरा होता है।
- त्वचा हर क्षण, हर मौसम में बदलती है। उदाहरण स्वरूप खुशी के माहौल में, ठहाके लगाते समय हमारी त्वचा में अतिरिक्त निखार और चमक आ जाती है। जब हम दुखी और गमगीन माहौल या मूड में होते हैं तो हमारी त्वचा कुम्हला जाती है।
- तेल ग्रंथियों के कम सक्रिय होने की वजह से त्वचा में रूखापन आ जाता है। रूखी त्वचा खुश्की का शिकार होती है, जिसकी वजह से जल्दी झुर्रियां पडती हैं।

झुर्रियां कैसे दूर करें

असमय झुर्रियों के लिए आप क्या करें और क्या न करें, जानें-

क्या करें

- त्वचा को हमेशा साफ रखें, तेज डिटरजेंट के इस्तेमाल से बचें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें। मौसम परिवर्तन होने पर तेज गर्म पानी से नहाने के बजाय ठंडे या गुनगुने पानी से ही नहाएं। मुंह में पानी भर कर ठंडे पानी से छींटे मारें। झुर्रियां कम होंगी।
- सिबेशियस ग्रंथि से निकलने वाला सीबम त्वचा को नर्म और लचीला बनाता है। इसीलिए त्वचा को रूखा न रहने दें। रूखी त्वचा पर झुर्रियां जल्दी पडती हैं। ऐसे में अतिरिक्त नमी प्रदान करने के लिए मॉयस्चराइजिंग लोशन का प्रयोग करें।
- त्वचा की कोशिकाएं नमी के अभाव में निष्क्रिय होने लगती हैं। अत: रूखी त्वचा वालों को नमीयुक्त सौंदर्य प्रसाधन ही इस्तेमाल करने चाहिए।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।

क्या न करें

- अधिक समय तक तेज धूप से अपनी त्वचा को बचाएं। यदि धूप में जाना ही पडे तो छाते या लेडीज हैट का प्रयोग करें।
- भोजन पर नियंत्रण रखें। पौष्टिक आहार त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। भोजन में प्रोटीन, वसा, फल, हरी सब्जियां, विटमिंस तथा खनिजों की कमी न होने दें। माडयुक्त भोजन अधिक न लें।
- अनावश्यक या जबर्दस्ती न मुसकराएं और न ही बनावटी भाव भंगिमाएं प्रदर्शित करें। स्वाभाविक तरीके से हंसे और मुसकराएं।
- धूम्रपान न करें। धूम्रपान से भी असमय त्वचा पर लकीरें उभर आती हैं।

त्वचा पर कसाव लाने वाले पैक

- एक अंडे में एक चम्मच संतरे का पाउडर और नीबू की चार बूंदें, चार चम्मच थर्मो पैक, दो चम्मच मुलतानी मिट्टी और दो चम्मच चंदन पाउडर मिलाकर गाढा सा क्रीम जैसा पैक बनाएं। इसे 20-25 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। ऐसा सप्ताह में एक बार नियमित रूप से करें। पैक लगाने से पहले अरोमा ऑयल या बादाम के तेल से 15-20 मिनट तक हलके हाथों से चेहरे की त्वचा पर नीचे से ऊपर की तरफ मालिश करें।
- इसके अलावा केले को मसल कर उसमें थोडा सा शहद मिलाएं। उसके बाद सूखी त्वचा पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड दें।
- अंडे का पीला भाग, आधा चम्मच शहद, दो बूंद नीबू का रस, बादाम के तेल की 4-6 बूंदें और दो बूंद ग्लिसरीन मिलाकर चेहरे पर लगाने से मेकअप के पहले की तैयारी में त्वचा पर अच्छा प्रभाव पडेगा।
- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने व फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- मूली कस कर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं। एक घंटे बाद हलके गरम पानी से धो दें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें। रात भर पडे रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं। ऐसा करने से त्वचा में गजब का कसाव आ जाएगा।

सौंदर्य टिप्स

- पुदीने की चटनी बनाते समय पुदीने की पत्तियों को पीस कर एक चम्मच अलग रख लें। फिर उसमें चंदन का तेल, घिसी हुई जायफल और कच्चा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। दो घंटे बाद धो लें। मुंहासों के उपचार के लिए यह उपाय सबसे बेहतरीन है।
- एक चम्मच चने की दाल को दूध में रात भर के लिए भिगो दें। सुबह पीस कर इसमें हल्दी, मलाई और दो-चार बूंद गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलकर छुडाएं। आधे घंटे बाद धो लें। यह तैलीय त्वचा के लिए प्रभावी उबटन है।
- चेहरे के दाग-धब्बे, त्वचा का सूखापन और झुर्रियां दूर करने के लिए मेथी के पत्तों को पीस कर चेहरे पर पांच मिनट तक लगाएं। फिर साफ पानी से धो लें।
- बढती आयु या अधिक मेकअप की वजह से यदि रोमछिद्र बडे हो गए हों तो नीबू का रस कच्चे दूध में मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- कील मुंहासे, दाग या चेहरे पर निशान लंबे समय तक नारियल पानी लगाने से मिट जाते हैं। यदि नारियल पानी उपलब्ध न हो तो दूध में बताशा भिगोकर या पानी में मिश्री भिगोकर चेहरे पर लगाएं। धीरे-धीरे दाग धब्बे दूर होंगे।
- चेहरे की रंगत निखारने के लिए आंवले के चूर्ण को दाल या सब्जी में अमचूर के स्थान पर डाल कर खाएं। भोजन के बाद आंवले के चूर्ण को फांक लें। इससे खून साफ होता है, त्वचा में निखार आता है।
- बालों की सफेदी हटाने के लिए मेहंदी में आंवला, मेथी दाना, चुकंदर का रस मिलाकर लगाने से वे कुदरती तौर पर काले और चमकदार दिखते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W	DISPLAY COLOR
Rs. 750/- (Per Sq. cm)	Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY	CLASSIFIED Run On words
Rs. 75/- (Per Sq. cm)	Rs. 15/- (Per Word)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.	Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

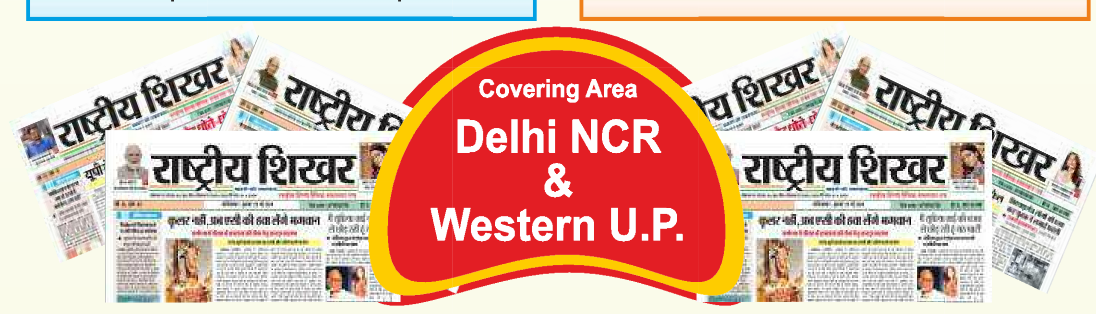

Covering Area
Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

जिमी शेरगिल के साथ स्क्रीन शेयर कर

खुश हुईं दीया मिर्जा

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हालिया रिलीज वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) की पत्नी कमलप्रीत कौर धनोआ के किरदार में नजर आ रही हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने सीरीज का हिस्सा बनकर पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें अभिनेता जिमी शेरगिल के समेत कई लोगों के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए बताया कि सीरीज का हिस्सा होना उनके लिए बड़ी बात है, जिसके लिए उन्होंने सभी का आभार जताया। अभिनेत्री ने तस्वीरें पोस्ट कर लिखा, 'एक कलाकार के तौर पर हम जो किरदार हम किरदार नहीं चुनते, बल्कि किरदार हमें चुनता है, जिससे हम एक बेहतर इंसान बनते हैं। 'ऑपरेशन सफेद सागर' में कमलप्रीत धनोआ का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। कमल मैम आपका शुक्रिया। आप हमेशा मेरे दिल में रहेंगी। टोनी सर, आप कमाल हैं। जिमी शेरगिल सर, आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। टोनी धनोआ (पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ का घर का नाम) के रोल के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता। 6 एपिसोड की एक हिंदी वॉर-ड्रामा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में जिमी शेरगिल ने अभिनेत्री दीया मिर्जा के पति पूर्व एयर चीफ मार्शल बीरेंद्र सिंह धनोआ (बीएस धनोआ) का किरदार निभाया है। सीरीज में दीया मिर्जा ने कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाने के जरिए उन महिलाओं के अनकहे बलिदानों और ताकत को पर्दे पर उतारा है, जो अपने पतियों को मुस्कुराकर देश की रक्षा के लिए भेजती हैं। सीरीज में युद्ध के मैदान के साथ-साथ राजनीतिक और कूटनीतिक तनावों (जैसे भारत और पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व के बीच की हलचल) का भी यथार्थवादी चित्रण किया गया है। सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के ऐतिहासिक और साहसी हवाई ऑपरेशन पर आधारित है। सीरीज में दीया और जिमी शेरगिल के अलावा, सिद्धार्थ, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, आदिल हुसैन और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज 7 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

'किल' डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट का हॉलीवुड डेब्यू, जेमी फॉक्स के साथ बनाएंगे एक्शन थ्रिलर

डायरेक्टर निखिल नागेश भट्ट 'डेडलॉक्ड' नाम की एक एक्शन थ्रिलर फिल्म डायरेक्ट करेंगे, जिसमें ऑस्कर विजेता एक्टर जेमी फॉक्स लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज दुनिया भर में रिलीज करेगा।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

डेडलाइन की रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'डेडलॉक्ड' को प्राइम वीडियो पर ग्लोबली स्ट्रीम किया जाएगा। यह निखिल भट्ट की पहली इंग्लिश लैंग्वेज फिल्म होगी और 'किल' की सफलता के बाद उनके करियर में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फिल्म की कहानी एक ऐसे पूर्व मरीन पर आधारित है, जो एक बड़े केस में ज्यूरी ड्यूटी कर रहा होता है। इसी दौरान कोर्ट में अचानक खतरनाक हालात बन जाते हैं और मामला बंधक बनाने तक पहुंच जाता है। दरअसल, आरोपी की बेटी अपने पिता को बचाने के लिए कोर्ट पर कब्जा कर लेती है, जिसके बाद कहानी में जबरदस्त ट्विस्ट आता है। इस फिल्म को एरिक स्कॉट एंडरसन और मैट ताकेजिरो बोसैक ने लिखा है। प्रोडक्शन की जिम्मेदारी ब्रायन कवानॉ-जोंस, फ्रेड बर्जर, डेव कैपलान और खुद जेमी फॉक्स की टीम संभाल रही है। जेमी फॉक्स हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म 'बैक इन एक्शन' में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ कैमरून डियाज थीं। वह जल्द ही 'फाइट फॉर '84' नाम की एक और फिल्म में दिखाई देंगे।

निखिल नागेश भट्ट के बारे में

निखिल नागेश भट्ट को इंटरनेशनल पहचान उनकी फिल्म 'किल' से मिली, जिसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। बाद में इस फिल्म को लायंसगेट ने खरीदा और 2024 में इसे बड़े स्तर पर रिलीज किया गया। लक्ष्य और राघव जुयाल स्टारर 'किल' को भारत की सबसे हिंसक फिल्मों में से एक माना गया। 'किल' के अलावा निखिल 'अपूर्वा', 'हुरदंग' जैसी फिल्में और 'रस भरी', 'द गॉन गेम' जैसी वेब सीरीज भी डायरेक्ट कर चुके हैं।

रेड कार्पेट पर निकिता रावल के साथ फैन की हैरान करने वाली हरकत

बिना इजाजत किया किस

अभिनेत्री निकिता रावल हाल ही में एक रेड कार्पेट कार्यक्रम के दौरान उस समय पूरी तरह चौंक गईं, जब एक महिला प्रशंसक उनके पास आई और अचानक उनके होंठों पर किस कर लिया। इस अप्रत्याशित घटना से निकिता हैरान रह गईं और असहज भी नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में निकिता रावल एक कार्यक्रम के रेड कार्पेट पर पैपराजी के लिए पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। वह कैमरों की तरफ देखकर तस्वीरें खिंचवा रही थीं कि तभी एक महिला फैन उनके पास पहुंचती है। फैन निकिता से सेल्फी लेने की इच्छा जाहिर करती है। शुरुआत में दोनों के बीच बातचीत सामान्य दिखाई देती है और निकिता भी उस फैन के साथ सहज नजर आती हैं। वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि महिला फैन अचानक निकिता के गाल पर किस कर देती है। निकिता इस हरकत से चौंक जाती हैं, लेकिन इसके बाद जो हुआ, उसने स्थिति को और असहज बना दिया। गाल पर किस करने के बाद महिला फैन ने निकिता को अपनी तरफ खींच लिया और उनके होंठों पर भी किस कर दिया। यह सब इतनी तेजी से हुआ कि निकिता को संभलने का मौका तक नहीं मिला। अचानक हुई इस हरकत से निकिता हैरान रह गईं। वीडियो में वह महिला को रोकने की कोशिश करती हुई भी नजर आती हैं। वह इस स्थिति से बाहर निकलने की कोशिश करती हैं, लेकिन महिला फैन ने उन्हें पकड़े रखा। इस वजह से निकिता काफी असहज दिखाई देती हैं। महिला फैन यहीं नहीं रुकी। वहां से जाने से पहले उसने निकिता के गाल पर एक बार फिर किस किया और फिर वहां से चली गई। यह पूरा घटनाक्रम कैमरों में रिकॉर्ड हो गया। वीडियो सामने आने के बाद यह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है।

'शांत हो जाओ'

गुरु रंधावा का तीखा पोस्ट! नए गाने 'फाइन शिट' पर हो रही ट्रोलिंग्स का दिया जवाब

सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'फाइन शिट' को लेकर फिलहाल जमकर ट्रोल हो रहे हैं। इस गाने के लिरिक्स और प्रेजेंटेशन फैंस को पसंद नहीं आ रहे हैं। अब गुरु ने इन सबका जवाब दिया है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया और कैप्शन में खास नोट भी लिखा है। सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'फाइन शिट' को लेकर फिलहाल जमकर ट्रोल हो रहे हैं। इस गाने के लिरिक्स और प्रेजेंटेशन फैंस को पसंद नहीं आ रहे हैं। अब गुरु ने इन सबका जवाब दिया है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया और कैप्शन में खास नोट भी लिखा है।

ट्रोलिंग्स पर क्या बोले गुरु?

ट्रोलिंग्स के बीच सिंगर ने रिएक्शन दिया है। उन्होंने इसे 'एक छोटी सी स्लैंग' बताया और साफ कहा कि उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स से शांत रहने की अपील की। अपने इंस्टाग्राम पर गुरु ने लिखा, 'मैं मानता हूं कि मैं ऐसे गाने बनाता हूं जो आपके दिमाग में बार-बार चलते रहते हैं। जो एडिट्स बन रहे हैं, वो मुझे अच्छे लग रहे हैं। कोई नेगेटिव फीलिंग नहीं है। ये बस एक छोटी सी स्लैंग है... शांत हो जाओ, शांत हो जाओ, शांत हो जाओ दोस्तों।'

बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं इमरान

अभिनेता इमरान खान ने काफी वक्त से स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। मगर अब वह बतौर लीड एक्टर दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एक बातचीत के दैरान उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' से जुड़ी जानकारी साझा की।

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में इमरान खान ने अपनी अगली फिल्म के बारे में काफी कुछ बताया। हॉलीवुड रिपोर्टर से बातचीत में इमरान ने कहा, 'मेरी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। यह फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन में है और इस साल के अंत तक इसके रिलीज होने की उम्मीद है। यह एक एडल्ट रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो मेरे जीवन के मौजूदा हालात दर्शाती है।' इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'कट्टी बट्टी' में बतौर लीड हीरो नजर आए थे। अब वे सीधे फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' में लीड रोल प्ले करेंगे। फिल्म के बारे में आगे एक्टर ने कहा, 'मैंने अभी-अभी एक बेहद प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्री, गुरफतेह पीरजादा के साथ काम किया है। दरअसल, यह वो फिल्म है जिसे मुझे 10 साल बाद बनाना ही था।' बता दें कि इस फिल्म का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है।

इमरान खान का वर्कफ्रंट

इमरान खान ने 2008 में रिलीज हुई 'जाने तू या जानें ना' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा भी नजर आई थीं। फिल्म बॉक्स आफिस पर एक बड़ी हिट साबित हुई थी। इसके बाद इमरान ने 'लक', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'देल्ही बेली' और 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' जैसी कई हिट फिल्में दी थीं। इस साल जनवरी में इमरान ने अपने मामा आमिर खान के बैनर तले बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल खतरनाक जासूस' में कैमियो किया था।

ललकारा से हटे फरहान?

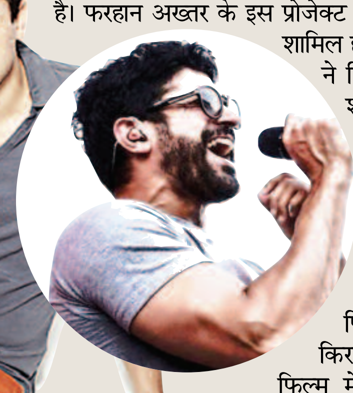

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान और आशुतोष गोवारिकर ने अपनी अपकमिंग स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की कास्टिंग में बड़ा बदलाव किया है। फरहान अख्तर के इस प्रोजेक्ट से हटने के बाद अब एक्टर सिद्धांत गुप्ता इसमें शामिल हो गए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फरहान अख्तर ने फिल्म से इसलिए किनारा कर लिया क्योंकि इसकी शूटिंग का शेड्यूल संगीतकार आर.डी. बर्मन पर बन रही बायोपिक की शूटिंग से टकरा रहा था। अब 'ललकारा' में फरहान अख्तर की जगह सिद्धांत गुप्ता अदाकारी करेंगे। सिद्धांत को सीरीज 'जुबली' और 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में एक्टिंग के लिए काफी तारीफ मिली है। उम्मीद है कि हाल के वर्षों की सबसे बड़ी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्मों में से एक मानी जा रही इस फिल्म में एक्टर, आमिर खान के साथ एक अहम किरदार निभाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सिद्धांत फिल्म में मुख्य किरदारों में से एक (पैरेलल लीड) निभाएंगे। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हालिया सफलता के बाद उनके करियर में यह एक और बड़ा पड़ाव होगा। खबर है कि एक्टर ने रोल के लिए तैयारी शुरू कर दी है, हालांकि मेकर्स ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

तकनीक कभी भी कला की जगह नहीं ले सकती : अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश

अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश इन दिनों वेब गेमिंग रियलिटी शो 'प्लेग्राउंड' के 5वें सीजन में जज और मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि एआई किसी भी इंसानी चीजों की जगह नहीं ले सकता है। गेमिंग शो के प्रमोशन के दौरान मुंबई में अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत की। इस दौरान अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या तकनीक कला को खत्म कर रही है। इस सवाल का जवाब अभिनेत्री ने बड़ी सहजता से दिया। उन्होंने कहा, 'तकनीक कभी भी असली आर्ट को रिप्लेस नहीं कर सकती है और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितने भी ऐसे शो हों, जिनमें एआई का इस्तेमाल किया गया हो। हमने अपने शो में एक एआई कॉन्सेप्ट भी शामिल किया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम इस शो में एआई को मेंटर बना देंगे, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी हो सकता है। 'हालांकि, अभिनेत्री ने भी माना कि कुछ हद तक, विजुअल एंटरटेनमेंट में, एआई बेहतर बनाने के लिए एक कारगर टूल हो सकता है। बता दें कि अभिनेत्री इन दिनों अरुष भोला, एल्विश यादव के साथ गेमिंग रियलिटी शो में मेंटोर के रूप में नजर आ रही हैं। ये तीनों इस सीजन में अलग-अलग टीमों का नेतृत्व करते नजर आएंगे। इसके अलावा, इस शो के मुख्य फाउंडर्स और निर्माताओं (जैसे कैरी मिनाटी, मोर्टल और ट्रिगर इनसान) भी अलग-अलग रूपों में इस सीरीज से जुड़े हुए हैं। शो की बात करें, तो यह भारत का पहला गेमिंग और ई-स्पोर्ट्स रियलिटी शो है, जो एंटरटेनमेंट, कंपटीशन और इन्फ्लुएंसर कल्चर को एक साथ मिलाकर बना शो है। यह शो वर्चुअल प्लेग्राउंड के कॉन्सेप्ट पर बना हुआ है।

पर्सनल लाइफ पर अफवाह फैलाने वालों पर अमृता हुईं सख्त

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ समय से एक्ट्रेस अमृता खानविलकर और उनके पति व एक्टर हिमांशु मल्होत्रा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर कई खबरें सामने आ रही थीं, जिसमें दावा किया जा रहा था कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं। अब अमृता ने इन खबरों पर सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। अमृता की ओर से उनकी लीगल टीम ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया, ''कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर एक्ट्रेस की निजी जिंदगी को लेकर ऐसी खबरें और बातें शेयर की जा रही हैं, जो बेबुनियाद, मानहानि वाली और उनकी निजता का उल्लंघन करने वाली हैं। हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी है, लेकिन इस आजादी का गलत इस्तेमाल करके अमृता के बारे में अफवाह, बिना पुष्टि की गई जानकारी, गलत आरोप या भ्रामक बातें फैलाना स्वीकार नहीं किया जाएगा।'' अमृता और हिमांशु की पहली मुलाकात साल 2004 में टीवी शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार्स की खोज' के सेट पर हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों की दोस्ती हुई और धीरे-धीरे उनका रिश्ता प्यार में बदल गया। कई साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने जनवरी 2015 में शादी कर ली थी। शादी के कुछ समय बाद अमृता और हिमांशु एक साथ डांस रियलिटी शो 'नच बलिए 7' में भी नजर आए थे। शो में दोनों ने बतौर कपल हिस्सा लिया था। उस समय उनकी जोड़ी को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। अब शादी के कई साल बाद दोनों की निजी जिंदगी को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आने के बाद अमृता ने कानूनी बयान जारी किया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में गोलीबारी की वारदातों से दहशत: शिकागो में तीन लोगों की मौत, नॉर्थ कैरोलिना में एक परिवार पर टूटा कहर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में सप्ताहांत में हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई। सीबीएस शिकागो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार सुबह 8:22 बजे तक शहर में कुल आठ गोलीबारी की घटनाएं हुईं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इन घटनाओं में तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हुए। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई गई है। इसके अलावा, शनिवार सुबह एक 35 वर्षीय व्यक्ति के सिर में गोली लगी। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, इन गोलीबारी की घटनाओं में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, 7 अप्रैल तक समाप्त हुए 12 महीनों के दौरान शिकागो में बंदूक हिंसा के 1,878 पीड़ित दर्ज किए गए, जिनमें से 356 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले, अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना राज्य के कैसवेल काउंटी में एक ग्रामीण इलाके में स्थित घर में सामूहिक गोलीबारी की घटना हुई थी, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने दी। पुलिस को बुधवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) 8 बजे से ठीक पहले घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने कई लोगों को गोली लगने की हालत में पाया। नॉर्थ कैरोलिना राज्य जांच ब्यूरो ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि गोली लगने से घायल एक व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि कई अन्य लोगों की मौत हो चुकी थी।

अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

तेहरान/मिनाब, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है। इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं। इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं।

अमेरिकी हमले में मिनाब के स्कूल में मारे गए थे 120 बच्चे, शिक्षिका का दर्द छलका

तेहरान/मिनाब, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जंग के पहले दिन शजरेह तय्यबेह प्राथमिक स्कूल अमेरिकी टोमाहाक मिसाइल का निशाना बना था। तबाही के निशान आज भी ताजा हैं, स्कूल की जगह मलबे का ढेर नजर आता है। इस हमले में 120 बच्चों समेत 156 बेकसूर लोग मारे गए थे। इस घटना ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। द गार्जियन ने अपनी एक विशेष रिपोर्ट ने जंग के बाद बदले ईरान के हालात के बारे में बताया। मिनाब में तबाही के इस मंजर के बीच जब राहत कर्मी मलबे को हटा रहे थे, तो उन्हें कंक्रीट के टुकड़ों के बीच आठ साल की माह्या सलारी की एक कॉपी मिली, जिसके पन्ने अभी भी सुरक्षित थे। माह्या अपने छोटे भाई अली के साथ स्कूल में थी और हमले से ठीक पहले उनकी मां उन्हें लेने आई थीं। इस हमले में तीनों की मौत हो गई थी। शहर की दीवारों और दुकानों पर अब मृत बच्चों की बड़ी-बड़ी तस्वीरें लगी हैं, जो नागरिकों की पीड़ा का प्रतीक बन चुकी हैं। अमाइन्हे नदीमी इस स्कूल में छह साल तक पहली कक्षा के बच्चों को पढ़ाया करती थीं। अमाइन्हे ने बताया कि हमले के बाद उन्होंने अपने माता-पिता को नंगे पांव इमारत की तरफ दौड़ते देखा। वह बताती हैं, एकबारगी तो मुझे यही लगा कि हर कोई बाहर निकल गया है। लेकिन बाद में समझ आया कि वे सब मलबे के नीचे थे। मिनाब के कब्रिस्तान का नजारा भावुक कर देने वाला है। हमले में मारे गए बच्चों की छोटी-छोटी कब्रों की पंक्तियों के बीच से गुजरते लोगों के चेहरे पर जंग का दर्द उभर आता है।

ट्रंप ने साझा किया हिलेरी का लेख: गाजा प्लान का समर्थन क्यों कर रहीं पूर्व विदेश मंत्री नेतन्याहू ने क्या कहा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार (स्थानीय समय) को अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन का एक लेख साझा किया। यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। इसमें क्लिंटन ने ट्रंप की गाजा शांति योजना का बचाव किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा में जारी संकट से निपटने के लिए कोई दूसरा ढांचा मौजूद नहीं है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर फाइनेंशियल टाइम्स में प्रकाशित हिलेरी क्लिंटन के लेख के कुछ अंश साझा किए। इसमें लिखा था- दुनिया को ट्रंप की गाजा योजना पसंद नहीं आ सकती, लेकिन इसका कोई विकल्प नहीं है। अगर मैं भी, जो राष्ट्रपति की सख्त विरोधी रही हूं, इसे सबसे बेहतर विकल्प के तौर पर स्वीकार कर सकती हूं, तो निश्चित रूप से दूसरे लोग भी ऐसा कर सकते हैं। क्लिंटन का यह लेख जून में प्रकाशित हुआ था। यह ट्रंप के उन दावों से पहले आया था, जिनमें उन्होंने एक समझौते के अंतिम रूप लेने की बात कही थी। ट्रंप ने सितंबर 2025 में अपनी 20 सूत्री शांति योजना जारी की थी, जबकि 15 सूत्री गाजा शांति योजना इस साल जुलाई में पेश की गई थी। हिलेरी क्लिंटन ने क्या कहा था क्लिंटन ने कहा था कि गाजा शांति योजना को लेकर चिंताओं के बावजूद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इसके साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनके मुताबिक, यह एकमात्र उपलब्ध ढांचा

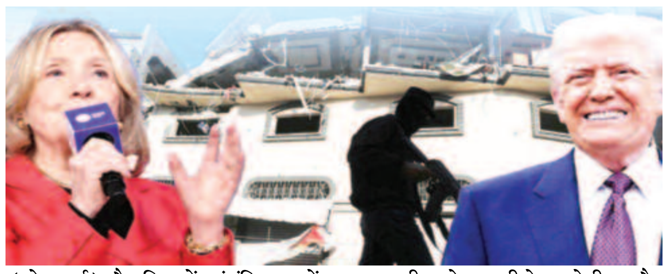

(फ्रेमवर्क) है, जिसमें संबंधित पक्षों को योजना लागू करने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। क्लिंटन ने लिखा था- पर्दे के पीछे कोई दूसरा ढांचा तैयार नहीं है। कोई दूसरा गठबंधन चुपचाप इससे बेहतर प्रस्ताव तैयार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि 20 सूत्री योजना ही ऐसा एकमात्र ढांचा है, जिसे पर्याप्त प्रभाव, राजनीतिक भागीदारी और संभावित संसाधनों का समर्थन हासिल है। ट्रंप ने क्या एलान किया था इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि गाजा में हमास और दूसरे सशस्त्र समूहों को 'पूरी तरह से निरस्त्र' करने और इस प्रक्रिया के आगे बढ़ने के साथ इस्राइली सैन्य बलों की चरणबद्ध वापसी को लेकर एक समझौता हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 31 जुलाई के घटनाक्रम को शांति और सुरक्षा की दिशा में एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया था। उन्होंने कहा था कि यह समझौता कई चरणों में लागू किया जाएगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा था- यह समझौता सावधानी से तय किए गए चरणों में लागू किया जाएगा। जैसे-जैसे निरस्त्रीकरण पूरा होगा, इस्राइली सेना पीछे हटेगी और अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल एक नई फलस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगा, ताकि वहां के निवासियों और उसके पड़ोसियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने आगे कहा, यह समझौता गाजा के लिए उनकी 20 सूत्री योजना को लागू करने की दिशा में एक बड़ा पड़ाव है। उन्होंने कहा कि अंत में इस क्षेत्र का प्रशासन एक 'नई फलस्तीनी सरकार' करेगी, जो फलस्तीनी लोगों की मदद के लिए बने शांति बोर्ड के साथ मिलकर काम करेगी। नेतन्याहू ने खारिज किया ट्रंप का प्लान हालांकि, रविवार को इस्राइल ने ट्रंप की 15 सूत्री गाजा शांति योजना को खारिज कर दिया। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि जब तक हमास को 'वास्तव में' निरस्त्र नहीं किया जाता, तब तक इस्राइल गाजा से अपनी सेना नहीं हटाएगा। इस्राइली मीडिया के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल 15 सूत्री दस्तावेज को खारिज करता है। वह जुलाई के आखिर में हमास के समर्थन वाले प्रस्ताव की बात कर रहे थे। कैबिनेट की बैठक में नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि इस्राइली सेना तब तक कोई वापसी नहीं करेगी, जब तक हमास को वास्तव में निरस्त्र नहीं किया जाता। शांति योजना को छोड़ने के लिए फिर से कैबिनेट में वोट कराने की मांग कर रहे दक्षिणपंथी गठबंधन के सहयोगी नेतन्याहू पर दबाव बना रहे हैं। इसी बीच, नेतन्याहू ने कहा कि इस मुद्दे पर इस्राइल की वाशिंगटन के साथ बातचीत जारी है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, नेतन्याहू फिलहाल कड़े चुनावी मुकाबले में हैं। नेतन्याहू ने कहा, उनके पास कुछ विचार हैं। उनमें से कुछ हमें स्वीकार्य हैं और कुछ नहीं हैं। हम जानते हैं कि इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पर मजबूती से कैसे कायम रहना है।

क्या है ट्रंप की 15 सूत्री योजना में : ट्रंप की 15 सूत्री योजना में गाजा संघर्ष को खत्म करने, सशस्त्र गुटों को निरस्त्र करने, इस्राइली सैनिकों को वापस बुलाने और गाजा के प्रशासन को एक फलस्तीनी तकनीकी निकाय को सौंपने की चरणबद्ध रणनीति बताई गई है। इस निकाय का नाम 'गाजा प्रशासन के लिए राष्ट्रीय समिति' है। योजना के तहत भारी हथियार, हथियारों के भंडार, सैन्य ठिकाने और सुरंगें इस समिति के नियंत्रण में रखी जाएंगी। वहीं, इस्राइली सैनिकों और फलस्तीनी प्रशासन वाले इलाकों को अलग रखने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल तैनात किया जाएगा।

बच्चे ने नहीं बांधी सीट बेल्ट तो 24 घंटे देरी से उड़ी उड़ान, विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में एक बच्चे के सीट बेल्ट लगाने से इनकार करने की वजह से पोर्टर एयरलाइंस की उड़ान को टेकऑफ से ठीक पहले रोकना पड़ा। उड़ान संख्या पीडी4444 छह अगस्त को विक्टोरिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टोरंटो के लिए रवाना होने वाली थी। विमान रनवे की ओर बढ़ रहा था, तभी चालक दल ने देखा कि एक बच्चा सीट बेल्ट नहीं लगाए हुए है। सुरक्षा नियमों के तहत बच्चे को सीट बेल्ट लगाना जरूरी था। माता-पिता और चालक दल ने बच्चे को सीट बेल्ट बांधने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद विमान को असुरक्षित स्थिति में उड़ाने के बजाय वापस टर्मिनल लाने का फैसला किया गया।

बच्चे और माता-पिता को विमान से उतारने में इतना समय क्यों लगा विमान को गेट पर वापस लाने के बाद बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारने की प्रक्रिया शुरू हुई। उनके सामान को निकालने और जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करने में समय लगा। इस दौरान काफी देर हो चुकी थी। एयरपोर्ट का रनवे रात 12:30 बजे बंद हो जाता है। ऐसे में विमान के पास उसी रात टोरंटो के लिए उड़ान भरने का समय नहीं बचा। इसके बाद पूरी उड़ान को अगले दिन के लिए टालना पड़ा। एयरलाइन ने उड़ान को सात अगस्त की रात 10:49 बजे के लिए फिर से निर्धारित किया। विमान शनिवार सुबह टोरंटो पहुंचा। इस तरह यात्रियों को करीब 24 घंटे की देरी झेलनी पड़ी।

क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को उतारकर बाकी यात्रियों को ले जा सकती थी घटना के बाद यह सवाल भी उठा कि क्या एयरलाइन बच्चे और उसके माता-पिता को विमान से उतारकर बाकी यात्रियों के साथ उड़ान जारी रख सकती थी। हालांकि, विमान को वापस गेट पर लाने, यात्रियों को उतारने, बच्चे और उसके माता-पिता के सामान को अलग करने तथा जरूरी प्रक्रिया पूरी करने में इतना समय निकल गया कि रनवे बंद होने की समयसीमा आ गई। एयरलाइन के अनुसार असुरक्षित स्थिति में विमान को उड़ाना संभव नहीं था। इसलिए सभी यात्रियों को विमान से उतारना पड़ा और उड़ान को अगले दिन के लिए पुनर्निर्धारित करना पड़ा। घटना से प्रभावित यात्रियों को देरी के लिए कोई मुआवजा मिला या नहीं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सीट बेल्ट को लेकर माता-पिता की जिम्मेदारी पर सवाल क्यों उठे घटना के बाद सोशल मीडिया पर माता-पिता की भूमिका को लेकर बहस शुरू हो गई। कुछ यात्रियों और सोशल मीडिया यूजर्स ने सवाल उठाया कि अगर बच्चा सीट बेल्ट लगाने से इनकार कर रहा था।

काश पटेल अक्तूबर में जाएंगे रूस, क्या एफबीआई प्रमुख कोई बड़ा लेन-देन करने जा रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी। एफबीआई निदेशक काश पटेल अक्तूबर के मध्य में रूस की यात्रा करने की तैयारी में हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पटेल 14 और 15 अक्तूबर को मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग जाएंगे। यह यात्रा ऐसे समय प्रस्तावित है जब यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका और रूस के बीच तनाव बना हुआ है। अमेरिकी खुफिया और कानून प्रवर्तन एजेंसी के प्रमुख का रूस जाना इसलिए भी असामान्य माना जा रहा है, क्योंकि दोनों देशों के संबंध लंबे समय से बेहद संवेदनशील दौर से गुजर रहे हैं। यात्रा की आधिकारिक एजेंडा संबंधी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि पटेल रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन या क्रेमलिन के किसी वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात करेंगे या नहीं। पटेल की यात्रा के दौरान रूस की प्रमुख सुरक्षा एजेंसी एफएसबी के मेजबानी करने की संभावना बताई गई है। एफएसबी रूस की प्रमुख सुरक्षा संरचना है, जिसे सोवियत दौर की केजीबी का उत्तराधिकारी माना जाता है। हालांकि, अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पटेल एफएसबी के अधिकारियों के अलावा किन लोगों से मुलाकात करेंगे। उनके दौरे का आधिकारिक एजेंडा भी सार्वजनिक नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों से जुड़ी जानकारी में 14-15 अक्तूबर की तारीख और मॉस्को के बाद सेंट पीटर्सबर्ग जाने की योजना की पुष्टि की गई है। ऐसे में यात्रा के सुरक्षा, खुफिया सहयोग और दोनों देशों के बीच संवेदनशील मुद्दों से जुड़े होने की संभावना पर नजर रहेगी। पटेल की संभावित यात्रा पर रूस के एक राज्य समर्थित प्रकाशन ने सवाल उठाया कि अगर एफबीआई निदेशक रूस से किसी तरह की मदद चाहते हैं तो अमेरिका की तरफ से बदले में क्या पेशकश हो सकती है। रूसी एकेडमी ऑफ साइंसेज के आर्बातोव इंस्टीट्यूट से जुड़े व्लादिमीर वासिलियेव ने कहा कि रूस के पास अमेरिकी डेमोक्रेट्स से जुड़ी कथित जानकारी हो सकती है और उसे किसी रूप में अमेरिका के साथ साझा किया जा सकता है।

जर्मनी में भारतीय छात्र गिरफ्तार, अमेरिका के एरिजोना में प्रेमिका की हत्या का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एरिजोना में अपनी प्रेमिका की हत्या के आरोपी भारतीय छात्र को जर्मनी में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी हत्या के बाद अमेरिका से भारत भागने की कोशिश कर रहा था। वह जर्मनी पहुंचा, लेकिन वहां से आगे की उड़ान लेने से पहले ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। 20 वर्षीय वरुण बाचिरगी एरिजोना विश्वविद्यालय में बिजनेस एनालिटिक्स का छात्र था। उस पर 19 वर्षीय जुलिसा रूबी सालाजार की हत्या का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 6 अगस्त को टक्सन स्थित एक अपार्टमेंट में सालाजार की हत्या की गई थी।

टक्सन पुलिस विभाग के अनुसार, हत्या के बाद बाचिरगी टक्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। उसने जर्मनी की उड़ान पकड़ी थी और वहां से भारत जाने की योजना थी। इसी बीच जांचकर्ताओं ने

उसके खिलाफ पहले दर्जे की हत्या और अपहरण के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। टक्सन पुलिस, एफबीआई के टक्सन कार्यालय और बर्लिन स्थित एफबीआई लीगल अटैचे कार्यालय के बीच समन्वय के बाद जर्मनी में उसके खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, जर्मनी पहुंचते ही बाचिरगी को हिरासत में ले लिया गया और वह आगे भारत के लिए यात्रा नहीं कर सका। जांच में पुलिस को पता चला कि हत्या के बाद आरोपी ने कथित तौर पर सालाजार का मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड अपने पास रख लिए थे। इसके बाद उसने सालाजार की मां को कई मैसेज भेजे। पुलिस का आरोप है कि उसने सालाजार बनकर ये संदेश भेजे, ताकि परिवार को लगे कि वह जीवित है और हत्या की जानकारी छिपाई जा सके। इन संदेशों से सालाजार के परिवार को संदेह हुआ। परिवार की चिंता के बाद पुलिस ने उसके अपार्टमेंट में जाकर हालचाल जानने के लिए जांच की। वहां अधिकारियों को सालाजार का शव मिला। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब चार बजे टक्सन फायर डिपार्टमेंट को अपार्टमेंट में कार्डियक अरेस्ट की सूचना मिली थी।

मौके पर पहुंची टीम ने सालाजार को फर्श पर मृत पाया। उसके शरीर पर एक कंबल गर्दन तक खींचा हुआ था। फायर विभाग के कर्मचारियों ने उसके गले पर गला दबाने के निशान और खरोंचें देखीं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। गिरफ्तारी वारंट में आरोपी के खिलाफ पहले के हिंसक व्यवहार से जुड़े आरोपों का भी उल्लेख है। जांचकर्ताओं के मुताबिक, बाचिरगी के खिलाफ पहले यूनिवर्सिटी ऑफ एरिजोना पुलिस विभाग ने एक मारपीट के मामले की जांच की थी।

होर्मुज खुला तो परमाणु समझौते से पीछे हटेगा यूएस: ईरान संघर्ष से निकलने को बेताब ट्रंप, तैयार है एग्जिट प्लान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ जारी सैन्य टकराव से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। संघर्ष को खत्म करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर तेहरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोल देता है तो अमेरिकी प्रशासन परमाणु मुद्दे को अलग रखकर जीत की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप पिछले कुछ हफ्तों से इस नतीजे की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने वरिष्ठ सहयोगियों से निजी तौर पर कहा है कि वह तेहरान के साथ औपचारिक परमाणु समझौता किए बिना भी पीछे हट सकते हैं। हालांकि, इस फैसले के लिए सम्मानजनक रास्ता निकालना मुश्किल हो गया है।

ईरान ने महत्वपूर्ण जलमार्ग से आवाजाही बहाल करने के बदले कई बड़ी मांगें रखी हैं। इनमें अरबों डॉलर

का भुगतान, अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना, क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की पूरी वापसी और अन्य बड़ी रियायतें शामिल हैं। इन मांगों से अमेरिका के कूटनीतिक विकल्प सीमित हो गए हैं। इससे यह चिंता भी बढ़ी है कि ईरान जल्द समझौते के बजाय लंबे समय तक टकराव के लिए तैयारी कर रहा है। ईरान ने मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं के जरिए इस संकरे समुद्री मार्ग से होने वाले यातायात को प्रभावित करने की क्षमता दिखाई है। इससे वैश्विक वाणिज्यिक जहाजों की आवाजाही धीमी हुई है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है। हाल के हफ्तों में ट्रंप बार-बार दावा करते रहे हैं कि होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह खुला है। हालांकि, ये दावे सिर्फ दावे ही साबित हुए हैं। फरवरी में संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग को बंद कर दिया था। उसका कहना था कि अमेरिकी युद्धपोतों और सहयोगी देशों के जहाजों को यहां से गुजरने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ईरान ने वाणिज्यिक जहाजों पर टोल लगाने की भी कोशिश की। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि वॉशिंगटन ने ईरान की होर्मुज में पाबंदियों और टोल लगाने की किसी भी कोशिश को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। सप्ताहांत में संयुक्त अरब अमीरात की ओर से यह घोषणा किए जाने के बाद कूटनीतिक समाधान की उम्मीद और कमजोर हुई कि ईरान ने उसके एक जहाज पर मिसाइल हमला किया है। इसी दौरान ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बघेर जुलघदर ने जलमार्ग को फिर से खोलने के लिए कई शर्तें रखीं। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के अनुसार, जुलघदर ने कहा कि अमेरिका को युद्ध स्थायी रूप से खत्म करना होगा, अपनी नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी और अमेरिकी सैन्य बलों को क्षेत्र से वापस बुलाना होगा। इसके अलावा सभी प्रतिबंध हटाने, ईरान की जमी हुई वित्तीय संपत्तियां जारी करने और युद्ध क्षतिपूर्ति का भुगतान करने की भी मांग की गई।

ईरान की सत्ता में बड़ा फेरबदल: पूर्व आईआरजीसी प्रमुख को मिली अहम जिम्मेदारी; युद्ध के बीच क्यों बदली रणनीति

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने अपने सुरक्षा तंत्र में बड़ा बदलाव किया है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने पूर्व इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी प्रमुख मोहसेन रजाई को सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल का अपना प्रतिनिधि नियुक्त किया है। रजाई ने मोहम्मद बाकिर जुलघद्र की जगह ली है। यह नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब ईरान अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी संघर्ष, सैन्य दबाव और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। रजाई के पास सैन्य और सुरक्षा मामलों का लंबा अनुभव है।

शीर्ष नेतृत्व में सुरक्षा और राजनीतिक मामलों की जिम्मेदारियों में बदलाव दिखाई देता है। ईरानी सरकारी प्रसारक के मुताबिक, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई से मुलाकात की। बैठक में देश के सैन्य और आर्थिक मामलों पर चर्चा हुई। इसमें आम लोगों की जरूरतें, अमेरिका-इस्राइल के साथ जारी युद्ध की स्थिति, सैन्य घटनाक्रम और भविष्य की रणनीति शामिल रही। इसके अलावा ईरानी मुद्रा रियाल, विदेशी मुद्रा, ऊर्जा खर्च और संसाधनों के प्रबंधन पर भी बातचीत हुई। विदेशी देशों के साथ आर्थिक संबंध मजबूत करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई। मोजतबा खामेनेई की सेहत और सार्वजनिक मौजूदगी को लेकर भी चर्चा बनी हुई है। इनपुट के अनुसार, इस्राइली मीडिया में उनके बेहद गंभीर हालत में होने की खबरें सामने आई थीं। इसके बाद ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक पुराना वीडियो जारी किया, जिसमें मोजतबा खामेनेई स्वस्थ दिखाई दे रहे थे। उनके सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने के कारण उनकी स्थिति को लेकर अटकलें जारी रही हैं। इसी बीच राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ उनकी बैठक की जानकारी सामने आना ईरान के मौजूदा नेतृत्व और सत्ता तंत्र के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

रजाई के पास कितना सैन्य और सुरक्षा अनुभव है : मोहसेन रजाई ईरान के आईआरजीसी के पूर्व प्रमुख रहे हैं। उन्होंने 1980 के दशक में हुए ईरान-इराक युद्ध में सैन्य कमांडर के तौर पर भी भूमिका निभाई थी। ईरान में उस युद्ध को 'पवित्र रक्षा' के नाम से जाना जाता है। रजाई फिलहाल एक्सपीडिएंसी डिसर्नमेंट काउंसिल के सदस्य भी हैं। यह संस्था संसद और गार्जियन काउंसिल के बीच मतभेदों को सुलझाने का काम करती है। उनकी नियुक्ति ऐसे व्यक्ति को सुरक्षा परिषद में लाती है, जिसके पास सैन्य और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों का अनुभव है। मोहसेन रजाई से पहले सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि की जिम्मेदारी मोहम्मद बाकिर जुलघद्र के पास थी। अब उन्हें मोजतबा खामेनेई ने अपना राजनीतिक सलाहकार नियुक्त किया है। नियुक्ति आदेश में उनके अनुभव और कार्यों की सराहना की गई है। इससे साफ है कि जुलघद्र को पूरी तरह व्यवस्था से बाहर नहीं किया गया है, बल्कि उन्हें दूसरी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इससे ईरान के

ट्रंप ने बदला कानूनी पहरेदार: कौन हैं विल शार्फ जिन्हें मिली व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी किसकी लेंगे जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को घोषणा की कि व्हाइट हाउस के मौजूदा स्टाफ सेक्रेटरी विल शार्फ 1 सितंबर से नए व्हाइट हाउस काउंसल और राष्ट्रपति के असिस्टेंट की जिम्मेदारी संभालेंगे। वह डेविड वॉरिंगटन की जगह लेंगे, जो ट्रंप प्रशासन से विदा लेकर प्राइवेट सेक्टर में जा रहे हैं। शार्फ ने ट्रंप प्रशासन में अपनी मौजूदा भूमिका के अलावा नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन के चेयरमैन के तौर पर भी काम किया है। इसी दौरान उन्होंने व्हाइट हाउस के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

ट्रंप ने शार्फ को लेकर क्या कहा : ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इस नियुक्ति का एलान किया। उन्होंने कहा कि 1 सितंबर से विल शार्फ राष्ट्रपति के असिस्टेंट और व्हाइट हाउस काउंसल का पद संभालेंगे। ट्रंप ने डेविड वॉरिंगटन के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर और उससे पहले उनके राष्ट्रपति अभियान के लिए शानदार काम किया है। ट्रंप ने शार्फ की मौजूदा भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने व्हाइट हाउस स्टाफ सेक्रेटरी के तौर पर 'बहुत बढ़िया काम' किया है। उन्होंने शार्फ को व्यक्तिगत रूप से जानने की बात भी कही और उनके कानूनी अनुभव को रेखांकित किया। ट्रंप ने लिखा, 'विल मजबूत, ताकतवर और स्मार्ट हैं। उन्हें हमारे देश से प्यार है और वे कानून का सम्मान करते हैं। विल शार्फ व्हाइट हाउस काउंसल के तौर पर बहुत अच्छा काम करेंगे।'

शार्फ के पास कैसा कानूनी अनुभव है : ट्रंप के मुताबिक, विल शार्फ पहले कई मामलों में उनका प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इनमें सुप्रीम कोर्ट से जुड़े मामले भी शामिल हैं। ट्रंप ने विशेष रूप से बाइडन प्रशासन के दौरान सरकारी एजेंसियों के कथित भ्रष्टाचार और उनके 'वेपनाइजेशन' यानी सरकारी एजेंसियों के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामलों का उल्लेख किया। शार्फ पहले फेडरल प्रॉसिक्यूटर के तौर पर काम कर

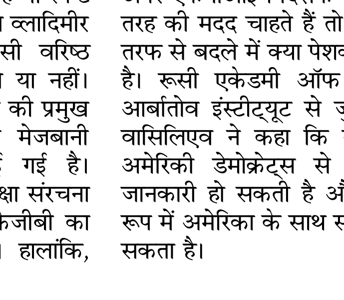

चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने प्राइवेट प्रैक्टिस में अटॉर्नी के रूप में भी काम किया है। वह दो फेडरल अपील्स कोर्ट के जजों के लिए क्लर्क की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं।

व्हाइट हाउस काउंसल की जिम्मेदारी क्या होती है : व्हाइट हाउस काउंसल राष्ट्रपति को उनके पद से जुड़े कानूनी और नीतिगत मामलों में सलाह देता है। यह कार्यालय व्हाइट हाउस और जस्टिस डिपार्टमेंट के बीच प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में भी काम करता है। काउंसल का कार्यालय राष्ट्रपति की ओर से दी जाने वाली माफियों, न्यायिक नियुक्तियों और कानूनों की समीक्षा जैसे मामलों में भूमिका निभाता है। इसके अलावा, प्रशासन के खिलाफ कांग्रेस की ओर से होने वाली जांच और राष्ट्रपति के आधिकारिक पद पर रहते हुए उनके खिलाफ दायर मुकदमों से जुड़े मामलों के प्रबंधन में भी यह कार्यालय मदद करता है।

यह बदलाव राजनीतिक रूप से अहम क्यों है : व्हाइट हाउस काउंसल के पद पर यह बदलाव ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका में मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। नवंबर में होने वाले इन चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस में अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश करेगी। वहीं, डेमोक्रेट्स पहले ही संकेत दे चुके हैं कि अगर वे चुनाव में सफल रहते हैं, तो वे ट्रंप और उनके प्रशासन की व्यापक जांच करेंगे। ऐसे में व्हाइट हाउस के शीर्ष कानूनी सलाहकार के तौर पर शार्फ की भूमिका आने वाले महीनों में महत्वपूर्ण हो सकती है।

नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन से शार्फ का क्या संबंध रहा है : ट्रंप ने जुलाई 2025 में विल शार्फ को नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन का चेयरमैन नियुक्त किया था। एजीक्यूटिव ब्रांच की एक एजेंसी है, जिसके पास वॉशिंगटन क्षेत्र में सरकारी इमारतों के निर्माण और बड़े नवीनीकरण से जुड़े मामलों में अधिकार है। शार्फ के नेतृत्व के दौरान ट्रंप प्रशासन के 400 मिलियन डॉलर के बॉलरूम प्रोजेक्ट को अप्रैल से अंतिम मंजूरी मिली थी। यह प्रोजेक्ट व्हाइट हाउस परिसर के ईस्ट विंग से जुड़े हिस्से में बनाया जा रहा है और इसका निर्माण पहले ही तेजी से आगे बढ़ चुका है।

ट्रंप के बॉलरूम प्रोजेक्ट पर अदालत ने क्या फैसला दिया : बॉलरूम प्रोजेक्ट को लेकर कानूनी विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। शुक्रवार को एक बंटे हुए फेडरल अपील्स कोर्ट ने फैसला सुनाया कि इस प्रोजेक्ट का निर्माण रोका जाना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस ने इसके लिए मंजूरी नहीं दी थी। इस फैसले के बाद ट्रंप ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की बात कही है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)